रोहतक
शनिवार 13 जून 2026
ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष,
त्रयोदशी वर्ष : 30, अंक : 129
पृष्ठ 12 मूल्य 3.00

मौसम हरियाणा
अधि. 39.5°C
न्यून. 29.5°C

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

7 रोहित की फिटनेस-नीतीश के प्रदर्शन पर रहेगी नजर

भर्ती प्रक्रियाओं को लेकर हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

आरक्षण का लाभ लिया तो जनरल सीट पर दावा नहीं

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶| चंडीगढ़

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने भर्ती प्रक्रियाओं में आरक्षण को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया है कि जो अभ्यर्थी भर्ती प्रक्रिया के किसी भी चरण में आरक्षण का लाभ ले चुके हैं, वे बाद में अनारक्षित (जनरल) श्रेणी में माइग्रेशन का दावा नहीं कर सकते। हालांकि, अदालत ने यह भी साफ किया कि जिन उम्मीदवारों ने आरक्षित वर्ग में आवेदन तो किया, लेकिन किसी प्रकार की आरक्षण संबंधी रियायत नहीं ली और उनके अंक सामान्य वर्ग की कटआफ से अधिक हैं, उन्हें उपलब्ध सामान्य वर्ग की सीटों पर विचार किए जाने का अधिकार होगा। जस्टिस अश्विनी कुमार मिश्रा और जस्टिस रोहित कपूर की खंडपीठ ने हरियाणा में आयुर्वेदिक मेडिकल ऑफिसर (ग्रुप-बी) के 805 पदों पर भर्ती से जुड़े पुनर्विचार आवेदनों का निपटारा करते हुए यह आदेश पारित किया। यह भर्ती 21 जून 2024 को जारी विज्ञापन के माध्यम से की गई थी।

आरक्षण लाभ लेने वाले अनारक्षित वर्ग में माइग्रेट नहीं कर सकते

●

बिना लाभ लिए आरक्षित उम्मीदवार सामान्य सीटों पर विचार योग्य

●

हरियाणा आयुर्वेदिक मेडिकल ऑफिसर भर्ती पर लागू होगा फैसला

ऐसे उम्मीदवार को मिलेगा अवसर

खंडपीठ ने आदेश में कहा कि ऐसे उम्मीदवार, जिन्होंने आरक्षित श्रेणी में आवेदन किया हो लेकिन आयु सीमा में छूट, शुल्क रियायत या अन्य किसी प्रकार का लाभ न लिया हो और जिन्होंने सामान्य वर्ग की निर्धारित कटऑफ से अधिक अंक हासिल किए हों, उन्हें उपलब्ध सामान्य वर्ग की सीटों पर विचार का अवसर दिया जाएगा। मामले में पुनर्विचार याचिकाएं 3 नवंबर 2025 को दिए गए खंडपीठ के एक पूर्व निर्णय के बाद दाखिल की गई थीं।

याचिकाकर्ता का दावा

याचिकाकर्ताओं का तर्क था कि भले ही उन्हें आरक्षण का लाभ न मिले, लेकिन उनके अंक सामान्य वर्ग के अंतिम चयनित उम्मीदवार से अधिक हैं, इसलिए उन्हें चयन का अधिकार मिलना चाहिए। अदालत के समक्ष यह भी बताया गया कि इस मामले में दायर विशेष अनुमति याचिका पहले ही खारिज हो चुकी है। दावों की सच्चाई जानने के लिए हाई कोर्ट ने हरियाणा लोक सेवा आयोग और राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि वे स्पष्ट करें कि पुनर्विचार याचिकाकर्ताओं में से किन उम्मीदवारों ने आरक्षित वर्ग में आवेदन करने के कारण कोई लाभ प्राप्त किया था या नहीं।

तीन महीने में प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश

राज्य सरकार ने शपथ पत्र दाखिल कर बताया कि कुछ उम्मीदवारों ने आयु सीमा में छूट और अन्य रियायतों का लाभ लिया था। इस शपथपत्र को रिकॉर्ड पर लेते हुए अदालत ने कहा कि ऐसे उम्मीदवारों को सामान्य वर्ग में माइग्रेशन की अनुमति नहीं दी जा सकती। साथ ही हाईकोर्ट ने निर्देश दिया कि जो पुनर्विचार याचिकाकर्ता अंतत अपनी मेरिट के आधार पर सामान्य वर्ग में चयनित पाए जाते हैं, उन्हें उनके जूनियर उम्मीदवारों की नियुक्ति तिथि से लाभ दिया जाए। हालांकि वास्तविक वित्तीय और सेवा संबंधी लाभ केवल उनकी वास्तविक नियुक्ति की तारीख से ही मिलेंगे। अदालत ने पूरी प्रक्रिया तीन महीने के भीतर पूरी करने के निर्देश भी दिए हैं।

अचानक बढ़ी असामान्य बिक्री को देखते हुए सरकार का फैसला

एक ग्राहक को एक दिन में अब 200 लीटर से ज्यादा डीजल नहीं मिलेगा

कॉमर्शियल यूजर रिटेल पेट्रोल पंप से नहीं ले पाएंगे ईंधन

भाषा ▶▶| नई दिल्ली

सरकार ने वैश्विक आपूर्ति में बाधा के बीच स्थानीय स्तर पर कमी रोकने के लिए एक वाहन को प्रतिदिन अधिकतम 200 लीटर डीजल देने की सीमा तय कर दी है। साथ ही औद्योगिक, वाणिज्यिक और संस्थागत उपभोक्ताओं के पेट्रोल पंप से पेट्रोल-डीजल खरीदने पर रोक लगा दी है। आधिकारिक आदेश में यह जानकारी दी गई। खुदरा बिक्री केंद्र डीजल केवल वाहन के टैंक में या पीईएसओ-स्वीकृत कंटेनर में ही बेच सकते हैं और प्रति ग्राहक या वाहन प्रतिदिन 200 लीटर से अधिक बिक्री नहीं कर सकते। साथ ही, औद्योगिक, वाणिज्यिक और संस्थागत उपभोक्ताओं को अब खुदरा बिक्री केंद्रों से पेट्रोल या डीजल खरीदने की अनुमति नहीं होगी। उन्हें अपनी आवश्यकता के लिए ईंधन उनके लिए निर्धारित अपने उपभोक्ता पंप से ही लेना होगा। यह प्रतिबंध अधिकतम 90 दिन तक लागू रहेगा जिसे कुछ क्षेत्रों में विशेष रूप से डीजल की असामान्य मांग में वृद्धि के बाद लगाया गया है। दिल्ली में जहां पेट्रोल पंप पर डीजल की कीमत 95.20 रुपये प्रति लीटर है, वहीं थोक बिक्री के लिए यह 134.50 रुपये प्रति लीटर है। यह अंतर इसलिए उत्पन्न हुआ क्योंकि सरकारी तेल कंपनियों ने खुदरा उपभोक्ताओं को पश्चिम एशिया संकट के बाद अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उछाल से बचाने के लिए खुदरा कीमतों को नियंत्रित रखा है। मई में सरकारी तेल कंपनियों आईओसी, बीपीसीएल और एचपीसीएल की पेट्रोल बिक्री में 4.8 प्रतिशत और डीजल बिक्री में 6.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

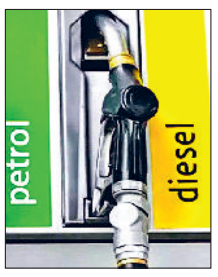

- वाणिज्यिक उपभोक्ताओं के लिए डीजल 40 रुपये महंगा
- प्रतिबंध अधिकतम 90 दिन तक लागू रहेगा
- पेट्रोल पंप पर डीजल की कीमत 95.20 रुपये प्रति लीटर
- थोक बिक्री के लिए यह 134.50 रुपये प्रति लीटर
- पेट्रोल बिक्री 4.8%, डीजल बिक्री 6.4 प्रतिशत बढ़ी

खाने पीने की चीजें महंगी होने से बढ़ी खुदरा महंगाई, 4% के करीब पहुंची

नई दिल्ली। देश में खुदरा महंगाई की रफ्तार फिर बढ़ गई है। मई में यह बढ़कर 3.93% पर पहुंच गई है, जो अप्रैल में 3.48% थी। पिछले 5 महीनों में यह पहली बार है जब खुदरा महंगाई रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के टारगेट 4% के बेहद करीब पहुंच गई है। 2026 की शुरुआत में महंगाई दर काफी कम थी। जनवरी में यह 2.74% के स्तर पर थी, जो मई तक बढ़ते हुए 3.93% पर पहुंच गई है। पिछले महीने यानी अप्रैल के मुकाबले मई में खुदरा महंगाई में 0.45% की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। मासिक आधार पर कीमतों में आया यह उछाल पिछले 16 महीनों में सबसे तेज है, जो दिखाता है कि बाजार में लगातार प्राइस प्रेशर बढ़ रहा है। इस बार भी महंगाई बढ़ने के पीछे सबसे बड़ी वजह खाने-पीने की चीजों के दामों में आई तेजी है। मई में कंज्यूमर फूड इन्फ्लेशन बढ़कर 4.78% पर पहुंच गया, जो अप्रैल में 4.20% था। खास बात यह है कि शहरों के मुकाबले ग्रामीण भारत में खाद्य महंगाई दर ज्यादा रही। मई में ग्रामीण इलाकों में फूड इन्फ्लेशन 4.85% दर्ज किया गया, जबकि शहरी केंद्रों में यह आंकड़ा 4.66% रहा।

खबर संक्षेप

657 करोड़ रुपये के बैंक घोटाले में दो चार्जशीट दाखिल

चंडीगढ़। सीबीआई ने सरकार और चंडीगढ़ स्मार्ट सिटी लिमिटेड (सीएससीएल) से जुड़े बहुचर्चित फंड गबन मामलों की जांच को आगे बढ़ाते हुए दो अलग-अलग चार्जशीट दाखिल की हैं। एजेंसी के अनुसार दोनों मामलों में सरकारी धन के कथित दुरुपयोग से कुल 657 करोड़ का नुकसान हुआ है जांच अभी भी जारी है। सीबीआई ने हरियाणा सरकार के धन के कथित गबन से जुड़े मामले में पंचकूला स्थित विशेष सीबीआई अदालत में दूसरी चार्जशीट दाखिल की है। चार्जशीट में दो निजी व्यक्तियों को आरोपी बनाया गया है, जिन्हें कथित तौर पर अपराध से अर्जित धन का लाभार्थी बताया गया है। जिसमें सावन ज्वेलर्स के मालिक राजन कटौदिया व बिल्डर विक्रम वाधवा का नाम शामिल है।

सीबीआई की कार्रवाई हुई तेज, दागियों की नींद हराम

राज्यसभा नामांकन रद्द होने को दी थी चुनौती

कांग्रेस नेता नटराजन की याचिका सुप्रीम कोर्ट में खारिज

बोलीं- पहले वोट चोरी होती थी, इस बार सीट चोरी हुई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन की याचिका खारिज कर दी। उन्होंने राज्यसभा चुनाव के लिए उनका नामांकन रद्द किए जाने के फैसले को चुनौती दी थी। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में सीधे रिट याचिका नहीं सुनी जा सकती। अगर उन्हें फैसले पर आपत्ति है तो वे चुनाव याचिका दायर करें। कोर्ट ने कहा-चुनाव से जुड़े ऐसे विवादों का समाधान चुनाव याचिका के जरिए किया जाना चाहिए। याचिका खारिज होने पर मीनाक्षी ने कहा कि पहले वोट चोरी होती थी, इस बार सीट चोरी हुई।

तेहरान को अपनी हरकतें सुधारनी चाहिएं

ईरान ने किया भारतीय जहाजों पर हमला, यह अस्वीकार्य : ट्रंप

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को दावा किया कि ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट से निकल रहे भारतीय जहाजों पर ड्रोन हमला करने की कोशिश की, लेकिन अमेरिकी सेना ने इसे नाकाम कर दिया। यह अस्वीकार्य है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि ईरान को अपनी हरकतें जल्द से जल्द सुधारनी चाहिए। उन्होंने समझौते की शर्तें लीक करने को लेकर भी ईरान की आलोचना की। ट्रंप ने कहा कि ईरान की तरफ से मीडिया में जो खबरें और दावे किए गए हैं, वे उस समझौते से मेल नहीं खाते जिस पर दोनों देश तैयार हुए हैं। ट्रंप का आरोप है कि ईरान ने यह दिखाने की कोशिश की है कि समझौता उसकी शर्तों पर हुआ है, जबकि हकीकत कुछ और है। वहीं, ईरान ने कहा कि अमेरिका से समझौते के बेहद करीब पहुंच गए हैं। शर्तों को लेकर अटकलें न लगाएं। इससे पहले ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा था कि सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई ने नई डील को मंजूर कर लिया है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के साथ शांति समझौते पर इसी सप्ताह यूरोप में साइन हो सकता है।

भारत ने कड़ा विरोध दर्ज कराया

विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी पक्ष के समक्ष भारतीय नाविकों की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता जताई और कमर्शियल जहाजों पर हो रही सैन्य कार्रवाइयों पर कड़ा विरोध दर्ज कराया। अमेरिकी चार्ज डी'अफेयर्स जेसन मीक्स शुक्रवार को करीब 45 मिनट तक विदेश मंत्रालय में रहे। उन्हें ओमान तट के पास भारतीय कू वाले कारोबारी जहाजों पर हुए हमलों को लेकर भारत की ओर से तलब किया गया था। होर्जुम के नजदीक हमलों में तीन भारतीय के मौत के बाद पूरे मामले ने तूल पकड़ लिया था।

अहमदाबाद विमान हादसा

एक वर्ष में भी जांच पूरी नहीं परिजनों को न्याय का इंतजार

नई दिल्ली। एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 171 के हादसे की जांच एक साल बाद भी पूरी नहीं हुई है। नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने शुक्रवार को कहा कि सभी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय नियमों के तहत जांच चल रही है। वहीं, मामले की जांच कर रहे विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो ने कहा कि एक साल में जांच टीम ने बारीकी से जांच की है। विमान के सिस्टम, फ्लाइट रिकॉर्डर डेटा (ब्लैक बॉक्स), इंजन के पुर्जों और ऑपरेशनल रिकॉर्ड की जांच में कामयाबी मिली है। मृतकों के परिजनों ने शुक्रवार को दुर्घटनास्थल पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया। कई परिजन मृतकों की तस्वीरें देखते ही रो पड़े। 12 जून 2025 को लंदन जाने वाली एआई-171 फ्लाइट मेघानीनगर में मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल से टकराकर क्रैश हो गई थी, जिसमें 260 लोगों की मौत हो गई थी।

एयर इंडिया ने 96% पीड़ित परिवारों को दिया मुआवजा

एयर इंडिया ने गुरुवार को कहा कि उसने अहमदाबाद में 12 जून 2025 को हुए विमान हादसे से प्रभावित 96% परिवारों को 25-25 लाख रुपये का अंतरिम मुआवजा दे दिया है। जिनके डॉक्यूमेंटेशन अधूरे हैं या जहां परिवार में झगड़े चल रहे हैं, उन परिवारों को ही मुआवजा नहीं मिला है। साथ ही जमीन पर घायल हुए 94% लोगों को या तो एक बार में पूरा मुआवजा मिला है। बाकी लोगों ने हेल्पडेस्क से फॉर्म ले लिए थे, लेकिन अभी तक उन्हें जमा नहीं किया है।

मीना परमार उपाध्यक्ष, पांच सदस्य भी नियुक्त

उषा प्रियदर्शनी बनीं हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्ष

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा की नायब सैनी सरकार ने हरियाणा राज्य महिला आयोग का पुनर्गठन कर दिया है। इसके साथ ही नई नियुक्तियां करते हुए उषा प्रियदर्शनी को हरियाणा महिला आयोग अध्यक्ष नियुक्त किया है। साथ ही मीना परमार को आयोग का उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। पूर्व महिला आयोग की अध्यक्षा रेणु भाटिया का हरियाणा की नर्सों को लेकर विवाद के बाद में इस्तीफा हो गया था। महिला आयोग में पांच नए सदस्यों की भी नियुक्ति की गई है। आयोग के सदस्यों में भारती सैनी, सुनीता लोहचब, सुमन शहजादवाला, अनुकंपा गर्ग और सुनीता चौहान को शामिल किया है।

स्पेसएक्स के आईपीओ ने दिलाया मुकाम

दुनिया के पहले ट्रिलियनेयर बने मस्क 1.1 लाख करोड़ डॉलर हुई संपत्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के सबसे अमीर शख्स इलॉन मस्क अब सिर्फ एक अरबपति नहीं रहे, बल्कि उन्होंने संपत्ति के मामले में एक ऐसा मुकाम हासिल कर लिया है जो अब तक किसी भी व्यक्ति ने नहीं किया था। रॉकेट और सैटेलाइट कंपनी स्पेसएक्स के रिकॉर्ड 75 अरब डॉलर के इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग के बाद मस्क दुनिया के पहले ट्रिलियनेयर बन गए हैं। शुक्रवार को जब शेयरों की ट्रेडिंग शुरू हुई, तो टेस्ला और उनकी अन्य कंपनियों की हिस्सेदारी को मिलाकर मस्क की कुल संपत्ति 1.1 ट्रिलियन डॉलर (1.1 लाख करोड़ डॉलर) को पार कर गई। इसमें केवल स्पेसएक्स की ही लगभग 866 अरब डॉलर की हिस्सेदारी शामिल है।

एनटीए ने जारी की नई गाइडलाइन, 21 जून को होनी है परीक्षा

अब 3:15 घंटे का होगा नीट-यूजी रीएग्जाम, मिलेंगी 4 रफ वर्क शीट

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए ने नीट यूजी रीएग्जाम में कुछ बदलाव किए हैं। नए नोटिस के तहत, परीक्षा का समय अब 180 मिनट से बढ़ाकर 195 मिनट कर दिया गया है। इसके अलावा आंसर शीट में रफ वर्क के लिए भी जगह बढ़ाई गई है। नीट यूजी 2026 इस साल पेपर लीक के चलते रद्द कर दिया गया था। रीएग्जाम अब 21 जून को आयोजित किया जाना है जिसे लेकर नए बदलाव किए गए हैं। नीट यूजी परीक्षा 3 मई 2026 को हुई थी, लेकिन पेपर लीक के आरोपों के बाद 12 मई को एनटीए ने इसे रद्द कर दिया।

पेपर लीक के आरोपों के बाद रद्द की गई थी परीक्षा

पेपर ले जाने के लिए एयरक्राफ्ट का इस्तेमाल

अधिकारियों के अनुसार एग्जाम से संबंधित सभी काम जैसे प्रश्नों की सेटिंग, ट्रांसलेशन, प्रिंटिंग, पैकेजिंग, स्टोरेज से लेकर ट्रांसपोर्टेशन और डिस्ट्रिब्यूशन की कड़ी निगरानी रखी जा रही है। सरकार द्वारा क्वेश्चन पेपर से संबंधित सभी सामान ले जाने के लिए इंडियन एयरफोर्स एयरक्राफ्ट का इस्तेमाल किया जाएगा। डिजिटल क्षेत्र में अधिकारी 24 घंटे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और मैसेजिंग पर नजर जमाए हुए हैं।

12 साल की उम्र में जीता गोल्ड, कॉमनवेल्थ गेम्स में 15 पदक

दिग्गज शूटर जसपाल राणा का निधन

जसपाल राणा ने कॉमनवेल्थ और एशियन गेम्स को मिलाकर कुल 23 मेडल अपने नाम किए थे। इनमें एशियन गेम्स में 4 गोल्ड, 2 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज मिलाकर कुल 8 मेडल थे। कॉमनवेल्थ गेम्स में उन्होंने 9 गोल्ड, 4 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज को मिलाकर कुल 15 मेडल जीते थे। उन्हें 18 साल की उम्र में अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था।

डबल ओलंपिक मेडल जीतने वाली शूटर मनु भाकर के कोच थे राणा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के दिग्गज शूटर जसपाल राणा का शुक्रवार को निधन हो गया। एक जून को जर्मनी से लौटते समय फ्लाइट में 49 साल के राणा की तबीयत बिगड़ी थी। दिल्ली पहुंचने पर उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनके हार्ट में स्टेंट डाला गया था। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रेसिडेंट कालीकेश नारायण सिंह देव ने उनके निधन की पुष्टि की। जसपाल राणा ने कॉमनवेल्थ गेम्स में 9 बार गोल्ड मेडल जीते थे। इनमें लगातार 4 एडिशन के गोल्ड शामिल रहे। राणा पेरिस ओलिंपिक में डबल ओलिंपिक मेडल जीतने वाली शूटर मनु भाकर के कोच भी थे।

दर्द से कराहते हुए जीता गोल्ड

जसपाल ने कई इंटरनेशनल इवेंट्स में मेडल जीते, लेकिन 1994 में मिलान वर्ल्ड शूटिंग चैंपियनशिप में उनकी जीत यादगार रही। प्रतियोगिता से एक दिन पहले उनके घुटने में फोड़ा हो गया था। डॉक्टरों ने उन्हें सर्जरी की सलाह दी और अस्पताल से छुट्टी देने से इनकार कर दिया था। राणा ने असहनीय दर्द के साथ कराहते हुए मैच खेला और जूनियर कैटगरी में वर्ल्ड रिकॉर्ड स्कोर के साथ अपना पहला इंटरनेशनल गोल्ड मेडल जीता।

10 साल की उम्र से शूटिंग शुरू की

जसपाल के पिता नारायण सिंह राणा इंडो-तिब्बत बॉर्डर पुलिस, यानी आईटीबीपी में तैनात थे। उन्होंने 10 साल की उम्र में ही जसपाल को पिस्टल और राइफल शूटिंग के बारे में बताया। जसपाल ने शुरुआत में पिस्टल और राइफल दोनों से अभ्यास किया, लेकिन बाद में फेडरेशन ने एक इवेंट के लिए एक ही शूटर चुनने का नियम लागू किया, जिसके बाद उन्होंने पिस्टल शूटिंग को चुना। जसपाल 11-12 साल की उम्र तक ही प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने लगे थे। 1988 में 12 वर्ष की उम्र में अहमदाबाद में 31वीं नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीता था।

खबर संक्षेप

भंडारण ढांचे को और मजबूत बनाया जाएगा

चंडीगढ़। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व जिला अध्यक्ष दादरी एडवोकेट रामकिशन शर्मा ने शुक्रवार को हरियाणा स्टेट वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन के चेयरमैन पद का कार्यभार ग्रहण किया। पंचकूला स्थित निगम मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने उन्हें पदभार ग्रहण करवाया।

अलग कृषि डिस्कॉम बनाने का किया विरोध

चंडीगढ़। ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन ने हरियाणा में कृषि उपभोक्ताओं के लिए अलग कृषि डिस्कॉम बनाने के प्रस्ताव का विरोध किया है। फेडरेशन ने कहा कि किसानों को बेहतर बिजली आपूर्ति और तेज सेवाएं देने के नाम पर नए डिस्कॉम का गठन उचित नहीं है।

लेबर कोड्स पर सुझाव देने की समय सीमा बढ़ाए सरकार

चंडीगढ़। सीटू ने लेबर कोड्स के तहत जारी किए गए नियमों पर सुझाव और संशोधन देने की समय सीमा बढ़ाने की मांग की है। संगठन के प्रदेश महासचिव जयभगवान और उपाध्यक्ष सतवीर सिंह ने कहा कि श्रम कानूनों में इतने बड़े बदलाव बिना व्यापक चर्चा के लागू नहीं किए जाने चाहिए। संगठन की ओर से श्रम आयुक्त की अनुपस्थिति में उप श्रम आयुक्त परमजीत ढुल को ज्ञापन सौंपा गया।

गुरुग्राम को जलभराव से मिलेगी राहत : राव

चंडीगढ़। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि गुरुग्राम में इस वर्ष बरसात के दौरान जलभराव की समस्या से काफी हद तक राहत मिलेगी। पिछले वर्ष जलभराव वाले 158 स्थानों की पहचान कर वहां ड्रेनेज व्यवस्था मजबूत करने, नालों की सफाई और अन्य सुधारात्मक कार्य कराए गए हैं। राव नरबीर सिंह गुरुग्राम नगर निगम क्षेत्र के गांव मैदावास और धूमसपुर में 16 करोड़ रुपये से अधिक लागत की विभिन्न विकास परियोजनाओं के शिलान्यास के बाद आयोजित कार्यक्रमों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सरकार विकास कार्यों को गति देने का काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं, कांग्रेस पर साधा निशाना

मोदी ने मजबूत और आत्मनिर्भर भारत की नींव रखी : नायब सैनी

प्रधानमंत्री के कार्यकाल के 12 वर्ष पूरे होने पर मुख्यमंत्री नायब सैनी की प्रेस कॉन्फ्रेंस

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में भारत ने विकास, सुशासन, राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक प्रतिष्ठा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने लंबे समय तक देश को भ्रमित करने का काम किया, जबकि मोदी सरकार ने भारत को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। पंचकूला स्थित पंचकमल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के 12 वर्ष पूरे होने पर आयोजित प्रेसवार्ता में मुख्यमंत्री ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में भारत की आवाज आज जी-20, ब्रिक्स, एससीओ और संयुक्त राष्ट्र जैसे वैश्विक मंचों पर प्रभावी ढंग से सुनी जाती है।

उन्होंने कहा कि अनुच्छेद-370 हटाने, आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई, सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक जैसे फैसलों ने देश की सुरक्षा को नई मजबूती दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। यूपीआई, डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर, स्टार्टअप इंडिया, स्किल इंडिया और मेक इन इंडिया जैसी योजनाओं ने देश में डिजिटल क्रांति और आर्थिक विकास को गति दी है। देश तेजी से आगे बढ़ रहा है।

भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका

उन्होंने बताया कि देश में 2.2 लाख से अधिक स्टार्टअप कार्यरत हैं और भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण, कृषि विकास, खेल, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में भी व्यापक बदलाव हुए हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम, लखपति दीदी योजना, किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना और खेलो इंडिया जैसी योजनाओं ने करोड़ों लोगों को लाभ पहुंचाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश के बुनियादी ढांचे में अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। राष्ट्रीय राजमार्ग, एक्सप्रेस-वे, रेलवे, मेट्रो और हवाई सेवाओं का तेजी से विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा को भी अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाओं की सौगात दी है, जिससे प्रदेश के विकास को नई गति मिली है। सैनी ने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आने वाले वर्षों में और अधिक सशक्त, समृद्ध और विकसित राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ेगा।

पंजाब में कानून व्यवस्था बदहाल उद्योगपति प्रदेश छोड़ रहे : सीएम

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब के राजपुरा में आयोजित सैनी समाज सम्मेलन में आम आदमी पार्टी सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन के माध्यम से उनके कार्यक्रम को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन वे समाज के लोगों के बीच पहुंचने से नहीं रुके। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब में कानून-व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक है और उद्योगपति अब हरियाणा में निवेश की इच्छा जता रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार बनने पर पंजाब में भी हरियाणा की जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की जाएंगी। सैनी ने कहा कि हरियाणा में पारदर्शी तरीके से युवाओं को रोजगार दिया जा रहा है और उनकी सरकार डेढ़ वर्ष में 50 हजार से अधिक सरकारी नौकरियां दे चुकी है। उन्होंने पंजाब सरकार पर बुजुर्गों, किसानों और युवाओं से किए गए वादे पूरे नहीं करने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में लाखों बुजुर्गों को नियमित पेंशन मिल रही है, जबकि पंजाब सरकार अपने वादों को पूरा करने में विफल रही है। इस मौके पर वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

- मुख्यमंत्री ने पटियाला के राजपुरा में सम्मेलन को संबोधित किया

हरियाणा की बिजली व्यवस्था होगी और मजबूत, 912 करोड़ के काम मंजूर

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने बिजली वितरण व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए संशोधित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के तहत 912.70 करोड़ रुपये के अतिरिक्त अवसंरचना कार्यों को मंजूरी दी है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में हुई वितरण सुधार समिति (डीआरसी) की बैठक में इस प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई। इसे अंतिम अनुमोदन के लिए पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन और केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय को भेजा जाएगा। बैठक में दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) और उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम (यूएचबीवीएन) की प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान बताया गया कि दोनों निगमों ने एटीएंडसी लॉस को घटाकर क्रमशः 9.54 और 9.33 प्रतिशत तक पहुंचा दिया है, जो 15.04 प्रतिशत के राष्ट्रीय औसत से काफी बेहतर है। वहीं प्रदेश की बिलिंग दक्षता बढ़कर 90.12 प्रतिशत हो गई है। नए स्वीकृत पैकेज में पलवल और नूंह में लाइन लॉस कम करने के कार्य, 30 नए 33 केवी सबस्टेशन स्थापित करने, 72 सबस्टेशनों के उन्नयन तथा हिसार समेत अन्य शहरों में स्काडा और डिस्ट्रीब्यूशन मैनेजमेंट सिस्टम लागू करने की परियोजनाएं शामिल हैं।

हरियाणा बनेगा प्रमाणित बीज आलू उत्पादन का राष्ट्रीय केंद्र : राणा

चंडीगढ़। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि हरियाणा कृषि और बागवानी के क्षेत्र में अग्रणी राज्य है और अब उच्च गुणवत्ता वाले प्रमाणित बीज आलू उत्पादन का राष्ट्रीय केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। वे बागवानी विभाग द्वारा आयोजित हरियाणा टिशू कल्चर-आधारित बीज आलू अधिनियम-2026, एफपीओ मिशन और हरियाणा उद्यानिकी नीति पर केंद्रित राज्य स्तरीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित अधिनियम राज्य में रोगमुक्त, उच्च गुणवत्ता और ट्रेसेबल बीज आलू उत्पादन को बढ़ावा देगा। इससे किसानों को बेहतर मूल्य मिलने के साथ नए बाजारों तक पहुंच भी सुनिश्चित होगी। उन्होंने बताया कि गुणवत्तापूर्ण बीज आलू की मांग लगातार बढ़ रही है और टिशू कल्चर व एयरोपोनिक्स जैसी आधुनिक तकनीकों के माध्यम से वैज्ञानिक उत्पादन प्रणाली विकसित की जाएगी। इस मौके पर विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

कृषि विभाग में लिंक अधिकारी नामित

चंडीगढ़। सरकार ने कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के विभिन्न बोर्डों व निगमों में प्रशासनिक कार्यों का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लिंक अधिकारी नामित किए हैं। मुख्य सचिव द्वारा जारी आदेशों के अनुसार, हरियाणा राज्य भंडारण निगम के प्रबंध निदेशक के पद के लिए महानिदेशक/निदेशक, कृषि को लिंक अधिकारी-1, हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड के मुख्य प्रशासक को लिंक अधिकारी-2 तथा हरियाणा इंटरनेशनल हॉर्टिकल्चर मार्केटिंग कॉरपोरेशन, गन्नौर के प्रबंध निदेशक को लिंक अधिकारी-3 नामित किया गया है। इसी प्रकार, एचएसएएमबी के मुख्य प्रशासक के पद के लिए हरियाणा इंटरनेशनल हॉर्टिकल्चर मार्केटिंग कॉरपोरेशन, गन्नौर के प्रबंध निदेशक को लिंक अधिकारी-1, महानिदेशक/निदेशक, कृषि को लिंक अधिकारी-2 तथा हरियाणा एग्रो इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक को लिंक अधिकारी-3 नियुक्त किया गया है।

सरकारी मकानों के आवंटन के लिए शुरू होगा ऑनलाइन सिस्टम

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने चंडीगढ़ में सरकारी आवासों के आवंटन को अधिक पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के लिए नया ऑनलाइन मॉड्यूल विकसित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके लिए सभी विभागों को आवश्यक जानकारी निर्धारित समय सीमा में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों और प्रमुख कार्यालयों को पत्र जारी कर नोडल अधिकारी नियुक्त करने तथा जरूरी विवरण भेजने को कहा है। नया मॉड्यूल चंडीगढ़ प्रशासन के ई-आवास पोर्टल पर विकसित किया जाएगा, जिससे सरकारी मकानों के आवंटन और परिवर्तन की प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल हो सकेगी। वर्तमान व्यवस्था में कर्मचारियों को ऑनलाइन आवेदन के साथ सत्यापित हार्ड कॉपी भी जमा करनी पड़ती है। कई मामलों में सत्यापन और स्थानांतरण संबंधी जानकारी समय पर अपडेट नहीं होती।

- ई-आवास पोर्टल पर विकसित किया जाएगा

स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि संस्कार : गुप्ता

चंडीगढ़। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि विकसित भारत और विकसित हरियाणा के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जीवन का संस्कार है, जबकि वृक्षारोपण आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की जिम्मेदारी है। पंचकूला के सेक्टर-5 स्थित स्नेहा मंदिर में आयोजित स्वच्छता अभियान में भाग लेते हुए डॉ. गुप्ता ने स्वयं झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया। इसके साथ ही उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का आह्वान किया। इस दौरान उन्होंने सफाई कर्मचारियों को सम्मानित किया तथा लोगों को केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

डीजल खरीद पर नई पाबंदी से किसानों पर पड़ेगा बोझ : सुरजेवाला

चंडीगढ़। कांग्रेस महासचिव एवं सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने केंद्र सरकार पर महंगाई बढ़ाने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार की नीतियों का बोझ किसानों, मध्यम वर्ग, छोटे व्यापारियों और एमएसएमई क्षेत्र पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि 200 लीटर से अधिक डीजल खरीद पर लागू नई व्यवस्था से बड़ी मात्रा में डीजल उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं की लागत बढ़ जाएगी। सुरजेवाला ने कहा कि खरीफ सीजन के दौरान किसानों को सिंचाई और कृषि कार्यों के लिए अधिक मात्रा में डीजल की आवश्यकता होती है। ऐसे में नई व्यवस्था से उनकी लागत बढ़ने की आशंका है। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों में बिजली कटौती के दौरान आवासीय सोसायटियों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में जेनरेटर चलाने के लिए भी बड़ी मात्रा में डीजल की जरूरत पड़ती है। उन्होंने दावा किया कि लघु एवं मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) की उत्पादन लागत बढ़ने से वस्तुओं की कीमतों पर असर पड़ सकता है।

महंगाई से जनता परेशान, तेल के दाम घटाए सरकार : चौटाला

चंडीगढ़। इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला ने बढ़ती महंगाई और पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बावजूद आम जनता को राहत नहीं दी जा रही है, जिससे लोगों पर आर्थिक बोझ लगातार बढ़ रहा है। अभय चौटाला ने कहा कि पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और रसोई गैस की बढ़ी हुई कीमतों का सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों के कारण महंगाई लगातार बढ़ रही है और किसान, नौजवान, महिलाएं तथा छोटे व्यापारी इसकी मार झेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि रुपये की कमजोरी और बढ़ती महंगाई से घरेलू बजट प्रभावित हुआ है।

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ ई-मेल
1	एचएसवीपी रोहतक	एक वर्ष की त्रुटि जिम्मेदारी अवधि और निःशुल्क रखरखाव समेत एचएसवीपी कार्यालय भवन सेक्टर-3, रोहतक के कमरों में एयर कंडीशनिंग सिस्टम का संवर्धन (जीएसटी को छोड़कर)।	बंद होने की तिथि 25.06.2026	79,72,548/-	https://etenders.hry.nic.in	9416191870 xenelectrtk@gmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें: www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद-13/2027/60/46191/1/88/6 दि. 12.06.26

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ ई-मेल
1	एचएसएएमबी जीन्द	उचाना निर्वाचन क्षेत्र, जिला जीन्द में रोड आईडी-10501, 6852 वाले 2 अदद सम्पर्क रोड को चौड़ा करना और मजबूतीकरण (सी.एम. घोषणा कोड-29494, 29496 दिनांक 18.02.2026) + 1 कार्य।	10.06.2026 22.06.2026	5,54,55,597/-	https://etenders.hry.nic.in	1681252003 eejrd38.hsamb@gmail.com
2	एचएसएएमबी जीन्द	एनजीएम जुलाना में फेज-III के बकाया भाग का विकास।	11.06.2026 25.06.2026	6,95,81,686/-	https://etenders.hry.nic.in	1681252003 eejrd38.hsamb@gmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें: www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद-13/2027/60/46195/1/88/6 दि. 12.06.26

Horticulture Department (Haryana)

Demonstration cum Food Processing centre,
Old court road, near Yoga Aashram Sirsa
E-mail- ftsirsa@gmail.com

सील्ड बंद कुटेशन सूचना

सेमिनार व प्रशिक्षण कार्यक्रमों के दौरान स्टेशनरी के सामान की व्यवस्था के लिए कुटेशन सूचना। सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि खाद्य प्रोद्यौगिकी प्रयोगशाला, सिरसा पर वर्ष 2026-27 में महिलाओं के लिए साप्ताहिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संचालन के दौरान स्टेशनरी की व्यवस्था करने के लिए निम्न विवरण अनुसार कुटेशन आंमत्रित है:-

Sr. No.	Stationary Particular	Description	Rate (in Rs)	G.S.T	Total
1.	Plastic Folder	Plastic Button cover			
2.	Pen	Ball point pen			
3.	Writing Pad	20-25 Page			
4.	Certificate (For Training)	A4(210mmX 297mm), 250GSM ART card Single side Print			
	Total-				

उपरोक्त कार्य के लिए इस कार्यालय में अनुबंध करने के इच्छुक फर्म उपरोक्त दिए गए विवरण अनुसार न्यूनतम दरें जी.एस.टी सहित मोहरबंद आवरण फर्म के लैटर हेड पर पूर्णतः भरे हुए सील्ड बंद लिफाफ में दिंनाक 19.06.2026 दोपहर 02:00 बजे तक उपरोक्त प्रफोर्मा अनुसार भरकर इस कार्यालय में जमा करवा सकते हैं। फर्मों से प्राप्त सील्ड बंद कुटेशन दिनांक 19.06.2026 को कमेटी द्वारा सांयः 04:00 बजे खोली जाएंगी। फर्म का रजिस्ट्रेशन न०, जी.एस.टी रजिस्ट्रेशन न०, पैन न० व बैंक पासबुक की प्रति लगाना अनिवार्य है। कुटेशनों को बिना कारण निरस्त करने का अधिकार खाद्य तकनीशियन, सिरसा के पास सुरक्षित होगा। कुटेशनों का आकलन कमेटी द्वारा जांचने उपरांत पाई गई सबसे कम मूल्य वाली कुटेशन को सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्वीकृत किया जाएगा। जिस फर्म की दरें न्यूनतम होगी, आर्डर उसी फर्म को दिया जाएगा। यदि सबसे कम दर वाली फर्म प्रशिक्षण व सेमिनारों के दौरान कार्य करने से मना कर देती है तो दूसरे नंबर पर न्यूनतम दर पाई जाने वाली फर्म को बचे हुए प्रशिक्षण व सेंमिनारों के दौरान उपरोक्त विवरण अनुसार समान सप्लाई करने का Work Order जारी कर दिया जाएगा। दरें वित्तिय वर्ष 2026-27 के लिए वैध रहेंगी। उपरोक्त प्रफोर्मा में दर्शाए गए सामान की गुणवत्ता निम्न स्तर की स्वीकार नहीं होगी। कुटेशन के विषय में अधिक जानकारी के लिए कार्यालय में कार्यालय दिवस (सोमवार से शुक्रवार) पर सम्पर्क कर सकते हैं। अनुबंध से संबधित शर्तें कार्यालय से प्राप्त करने उपरांत उस पर हस्ताक्षर करके कुटेशन के साथ कार्यालय में जमा करवानी होगी। बिना शर्तों के कुटेशन स्वीकार नहीं होगी।

हस्ता/-खाद्य तकनीशियन,
सिरसा

पीआरडीएच-1149/11/1123/2027/46176/88/6 दि. 12.06.2026

नगर निगम, रोहतक।

NOTICE
Municipal Corporation, Rohtak

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम, रोहतक क्षेत्र में स्थित पार्कों की देख-रेख का कार्य निदेशालय के पत्र क्रमांक EE-IV/DULB/2022/6995 दिनांक 13-12-2022 द्वारा बनाई गयी नीति अनुसार Resident Welfare Associates/Non-Government Organisation/Associations से करवाया जा रहा है जिनके कार्य करने की समयावधि एक वर्ष है जो कि कार्य का ठेका दिनांक 30-06-2026 को समाप्त हो जाएगा । अतः सम्बंधित स्थानीय Company/Organisation (CSR) /Resident Welfare Associates /Non-Government Organisation / Associations को नगर निगम, रोहतक में पार्कों की देख-रेख का कार्य अलॉट करने हेतू दिनांक 15-06-2026 से 22-06-2065 तक आवेदन करने का समय दिया जाता है । इच्छुक स्थानीय Company/Organisation (CSR) /Resident Welfare Associates / Non-Government Organisation / Associations उपरोक्त दिनांक में नगर निगम, रोहतक की तकनीकी शाखा में सम्पर्क कर आवेदन कर सकते हैं।

--हस्ता--
कार्यकारी अभियंता,
नगर निगम, रोहतक।

संवाद-1078/11/1075/2027/46164/C/88/6 दि. 12.06.2026

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सुभाष** पुत्र श्री रति निवासी मकान नंबर 1239 वीपीओ गांधरा तह रोहतक जिला रोहतक, हरियाणा-124001 ने **सीटी केस 5548/2019 धारा 138 एन आई अधिनियम, थाना केएनके मार्ग, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सुभाष** मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है की उक्त अभियुक्त **सुभाष** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा कि जाती है की उक्त अभियुक्त **सुभाष, सीटी केस 5548/2019 धारा 138 एन आई अधिनियम, थाना केएनके मार्ग, दिल्ली** न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **13.07.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेश से
श्री आकाश शर्मा
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-03
उत्तरी ज़िला, कमरा नंबर 213
रोहिणी न्यायालय, दिल्ली

DP/7861/RD/2026

सार्वजनिक सूचना

दी भिवानी केन्द्रीय सहकारी उपभोक्ता भण्डार लि. भिवानी के सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि भण्डार के निदेशक मण्डल के चुनाव शीघ्र ही होने जा रहे हैं। जोनल कमेटी द्वारा चुनाव के प्रस्तावित जोन व प्रस्तावित मतदाता सूचि अपनी बैठक दिनांक 15.05.2026 में अनुमोदित कर दी गई है। जो भण्डार के कार्यालय, उप-रजिस्ट्रार सहकारी समितियां भिवानी व सहायक रजिस्ट्रार सहकारी समितियां भिवानी के कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर दिनांक 15.06.2026 से 29.06.2026 तक प्रदर्शित की जा रही है। इस बारे में अगर किसी सदस्य को एतराज/आपति हो तो वह दिनांक 29.06.2026 तक महाप्रबन्धक दी भिवानी केन्द्रीय सहकारी उपभोक्ता भण्डार लि. भिवानी के कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत करें। जिन पर जोनल कमेटी द्वारा दिनांक 30.06.2026 को दोपहर 12:30 बजे सुनवाई की जायेगी। उपरोक्त अन्तिम तिथि के बाद किसी सदस्य की कोई आपति पर विचार नही किया जायेगा व प्रस्तावित जोन व प्रस्तावित मतदाता सूचि को नियमानुसार अन्तिम रूप से अनुमोदित कर दिया जायेगा।

हस्ता/- महाप्रबन्धक,
दि भिवानी केन्द्रीय सहकारी उपभोक्ता भण्डार लि. भिवानी।

Horticulture Department (Haryana)

Demonstration cum Food Processing centre,
Old court road, near Yoga Aashram Sirsa
E-mail- ftsirsa@gmail.com

सील्ड बंद कुटेशन सूचना

प्रशिक्षण कार्यक्रमों के दौरान Utility Item/Kitchen Kit की व्यवस्था के लिए सील्ड बंद कुटेशन सूचना। सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि खाद्य प्रोद्यौगिकी प्रयोगशाला, सिरसा पर वर्ष 2026-27 में महिलाओं के लिए साप्ताहिक प्रशिक्षण कार्यकमों के संचालन के दौरान Utility Item/Kitchen Kit की व्यवस्था करने के लिए निम्न विवरण अनुसार कुटेशन आंमत्रित है-

Sr. No.	Utility Item/Kitchen kit	Rate (in Rs)	G.S.T	Total
1.	Fruits & Vegetable Peeler(Sharps Stainless steel blade, 420 Grade)/ Apex/Super Mom Ganesh, Crystal Super, Godrej			
2.	Handy Plastic Giant chopper for vegetable & Fruits/Hand Press Food chopper (750 ml)			
3.	Transparent Plastic Jar (500 ml) Food Grade, Durable & shatterproof body Cello, Solimo, Miton, Naysa			
	Total-			

उपरोक्त कार्य के लिए इस कार्यालय में अनुबंध करने के इच्छुक व्यक्ति अथवा फर्म अपनी प्रति व्यक्ति न्यूनतम दरें जी.एस.टी सहित मोहरबंद आवरण फर्म के लैटर हेड पर पूर्णतः भरे हुए सील्ड बंद लिफाफे में दिंनाक 19.06.2026 दोपहर 02:00 बजे तक उपरोक्त प्रफोंमा अनुसार भरकर इस कार्यालय में जमा करवा सकते हैं। फर्मों से प्राप्त सील्ड बंद कुटेशन दिनांक 19.06.2026 को सांय 04:00 बजे कमेटी द्वारा खोली जाएगी। फर्म का जी.एस.टी रजिस्ट्रेशन न०, पैन न० व बैंक पासबुक की प्रति लगाना अनिवार्य है। कुटेशनों को बिना कारण निरस्त करने का अधिकार खाद्य तकनीशियन, सिरसा के पास सुरक्षित होगा। कुटेशनों का आकलन कमेटी द्वारा जांचने उपरांत पाई गई सबसे कम मूल्य वाली कुटेशन को सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्वीकृत किया जाएग। कुटेशन/निविदा स्वीकृत या अस्वीकृत करने के सभी अधिकार खाद्य तकनीशियन, सिरसा की आकलन कमेटी के पास होगें। जिस फर्म की दरें न्यूनतम होगी, आर्डर उसी फर्म को दिया जाएगा। दरें वित्तिय वर्ष 2026-27 के लिए वैध रहेंगी। उपरोक्त प्रफोंमा में दर्शाए गए सामान की गुणवत्ता निम्न स्तर की स्वीकार नहीं होगी। निविदा के विषय में अधिक जानकारी के कार्यालय में कार्यालय दिवस (सोमवार से शुक्रवार) व मोबाईल न0 9996788113 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

हस्ता/-खाद्य तकनीशियन,
सिरसा

पीआरडीएच-1149/11/1122/2027/46174/88/6 दि. 12.06.2026

हरियाणा सरकार — शुद्धिपत्र

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधि. का नाम	पुराना संदर्भ / एनआईटी सं.	शुद्धिपत्र की प्रकृति	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी/ सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	एचवीपीएनएल	CORRIGENDUMNO.IIAGAINSTNITNO. 09/GNL-15/B/VOL.III DATED 29.05.2026	ऑनलाइन बोली जमा की अन्तिम तिथि 16.06.2026 तक बढ़ा दी गई है।	www.hvpn.org.in	0172-2583789 PRO@HVPN.ORG.IN
2	एचवीपीएनएल	20263E4F84669E954CB8A4CEC7AC4C34A8C61056HVP/ TENDER ID- 2026_HBC_523421_1/E-TENDER ENQUIRY NO.0521202614-22-42/HVPNL DEPT/HRY DATED 21.05.2026	शुद्धिपत्र सं. 01, ऑनलाइन बोली जमा की अन्तिम तिथि 22.06.2026 तक बढ़ा दी गई है।	www.hvpn.org.in	0172-2583789 PRO@HVPN.ORG.IN
3	एचवीपीएनएल	2026F63586124CCA4A2F8D8500D5A419BBDA1056HVP/ TENDERID-2026_HBC_523417_1/E-TENDER ENQUIRY NO.0521202613-36-31/HVPNL DEPT/HRY DATED 21.05.2026	शुद्धिपत्र सं. 01, ऑनलाइन बोली जमा की अन्तिम तिथि 22.06.2026 तक बढ़ा दी गई है।	www.hvpn.org.in	0172-2583789 PRO@HVPN.ORG.IN

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें: www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद-13/2027/100/46165/I/88/6 दि. 12.06.26

खबर संक्षेप

गुरुग्राम से जींद का फर्जी डॉक्टर दबोचा

गुरुग्राम। बिना वैध डिग्री के मरीजों का इलाज कर रहे एक फर्जी डॉक्टर को सीएम फ्लाइंग और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम ने गांव रिठौज के निजी अस्पताल में छापा मारकर दबोचा। आरोपी के खिलाफ भोंडसी थाने में मामला दर्ज कर पुलिस को सौंप दिया गया है। मुख्यमंत्री उड़नदस्ता गुरुग्राम के निरीक्षक सुनील, ईएसआई सतीश कुमार और सीएचसी सोहना के चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुशांत शर्मा की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की। टीम ने गांव रिठौज स्थित राजकीय उच्च विद्यालय के निकट संचालित चिकित्सा अस्पताल नामक संस्थान का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान नरेश पुत्र राधेश्याम निवासी मनोहरपुर, जींद, अस्पताल में मौजूद मिला, जिसके पास कोई चिकित्सकीय डिग्री नहीं थी। जांच के दौरान अस्पताल से कई प्रकार की दवाइयां और चिकित्सकीय उपकरण बरामद किए।

छत पर हाईवोल्टेज लाइन की चपेट में आकर दुकानदार की मौत

कुरुक्षेत्र। झांसा चुंगी पर एक दर्दनाक हादसे में करंट लगने से ढाबा संचालक की मौत हो गई। मृतक की पहचान करीब 35 वर्षीय राहुल के रूप में हुई है। राहुल अपने परिवार का इकलौता कमाने वाला था। राहुल अपनी दुकान की छत पर जमा बारिश का पानी निकाल रहा था। इसी दौरान वह पास से गुजर रही हाई वोल्टेज बिजली की तार की चपेट में आ गया। मृतक के परिवार में दो वर्षीय बेटा और चार वर्षीय बेटी है। परिजनों का कहना है कि क्षेत्र में बिजली के तार काफी नीचे से गुजर रहे हैं। शिकायत पर भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। उनका आरोप है कि विभाग की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ है। उन्होंने न्याय की मांग की है।

ई-ट्राईसाइकिल में आग लगने से जिंदा जला दिव्यांग युवक

चरखी दादरी। गांव कन्हेटी में ई-ट्राईसाइकिल में आग लगने से दिव्यांग युवक की जिंदा जलने से मौत हो गई। मृतक की पहचान कन्हेटी निवासी रविंद्र (29) के रूप में हुई है। रविंद्र 5 साल पहले इमलोटा के समीप सड़क हादसे का शिकार हो गया था। हादसे में लगी गंभीर चोटों के कारण उसके पेट से नीचे के हिस्से ने काम करना बंद कर दिया था। रविंद्र ई-ट्राईसाइकिल के जरिए ही इधर-उधर जाता था। बीते करीब दो साल से वह झज्जर जिले के गांव बिरोहड़ के खेल मैदान पर जाता था और युवाओं को अभ्यास करवाता था। वीरवार शाम को वह गांव कन्हेटी स्थित सैयद पीर मजार पर मत्था टेकने के लिए गया था। लौटने के लिए उसने अपनी ई-ट्राईसाइकिल पर बैठकर उसे स्टार्ट किया तो इसी दौरान उसमें आग लग गई। दिव्यांग होने के कारण वह उसी में जल गया।

दिव्यांगता सर्टिफिकेट अपडेट करवाने के नाम पर मांगे पैसे

दिव्यांग से भी ली 44 हजार रुपये रिश्वत जींद सीएमओ कार्यालय का चालक काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

लालच में इंसान इतना अंधा हो गया है कि वह इंसानियत को भूल चुका है। जींद में सीएमओ कार्यालय में तैनात चालक ने एक दिव्यांग युवक से भी 44 हजार रुपये रिश्वत की मांग कर डाली। सिरसा एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने शुक्रवार को नगरिक अस्पताल सीएमओ कार्यालय में तैनात चालक को दिव्यांगता प्रमाण पत्र अपडेट करवाने के नाम पर 44 हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई को सिरसा से इंस्पेक्टर सुरेश कुमार के नेतृत्व में आई सिरसा एंटी करप्शन की टीम ने अंजाम दिया। इस मामले में सिरसा के जिला खेल अधिकारी जगदीप को ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया था। जगदीश के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। अब यह पता लगाया जा रहा है कि इस खेल में और कौन-कौन शामिल है क्योंकि केवल एक चालक दिव्यांगता प्रमाण पत्र अपडेट नहीं करवा सकता।

गांव फुलिया खुर्द निवासी सोनू ने एंटी करप्शन ब्यूरो को दी शिकायत में बताया कि उसके एक हाथ में दिक्कत है। पिछले 16 साल से उसका दिव्यांगता प्रमाण पत्र बना हुआ है। पांच साल में इसे रिन्यू करवाना होता है। उसने अपने दिव्यांगता प्रमाण पत्र को रिन्यू करवाने के लिए नागरिक अस्पताल के चक्कर काटने शुरू किए। उसका प्रमाण पत्र तो बन गया लेकिन वह ऑनलाइन अपडेट नहीं हो रहा था। सोनू ने बताया कि उसके ही गांव का जगदीश नागरिक अस्पताल में चालक के पद पर कार्यरत है। इस पर उसने जगदीश से संपर्क किया। जगदीश ने कहा कि इसके लिए 90 हजार रुपये लगेंगे। इतने पैसे देने में सोनू ने असमर्थता जताई। दोनों की 45 हजार रुपये में बातचीत तय हो गई। इसके बाद जगदीश ने कहा कि एक हजार रुपये वह छोड़ देगा, 44 हजार रुपये देने होंगे। इसी बीच सोनू ने इसकी शिकायत सिरसा की एंटी करप्शन ब्यूरो टीम को कर दी। सिरसा एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने सोनू को 44 हजार रुपये पाउडर लगाकर थमा दिए। शुक्रवार सुबह सोनू ने जगदीश के पास फोन किया। जगदीश ने कहा कि वह अस्पताल के मुख्य गेट पर स्थित वीटा बूथ में आ जाए। सोनू जगदीश के पास पहुंच गया। टीम भी उनके पीछे-पीछे पहुंच गई। जगदीश ने सोनू को वीटा बूथ के अंदर बुला लिया और पैसे ले लिए। इशारा मिलते ही एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने जगदीश को पकड़ लिया। उसके पास से 44 हजार रुपये बरामद कर लिए और जब उसके हाथ धुलवाए तो वह लाल हो गए।

जींद। एसीबी की गिरफ्त में आरोपी चालक।

सीएमओ ने कहा - मेरी गाड़ी नहीं चलाता आरोपी जगदीश

नागरिक अस्पताल की सीएमओ डॉ. सुमन कोहली ने बताया कि चालक द्वारा रिश्वत लेने का मामला संज्ञान में आया है। उनके चालक ईश्वर सिंह सेवानिवृत्त हो चुके हैं। 30 जून के बाद से कुलदीप सिंह उनके पास चालक हैं। जगदीश चंद्र कार्यालय की अन्य गाड़ियों पर नियुक्त है। मामले की जांच करवाई जा रही है।

केस से नाम हटाने के लिए 50 हजार लेती हेडकांस्टेबल गिफ्तार

गुरुग्राम। मानेसर महिला थाने में तैनात हेड कांस्टेबल कविता को 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, मानेसर महिला थाने में दर्ज एक आपराधिक मामले में शिकायतकर्ता के भाई बलराम और मुकेश का नाम शामिल था। हेड कांस्टेबल कविता इस मामले की जांच में शामिल थी। उसने शिकायतकर्ता के भाइयों को मुकदमे से बाहर करने और उनका नाम केस से हटाने के एवज में 50 हजार रुपये मांगे। इस पर एसीबी ने जाल बिछाकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

फरीदाबाद में लाइनमैन 5 हजार रुपये रिश्वत लेते दबोचा

फरीदाबाद। स्टेट विजिलेंस एवं एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के छायंसा उपमंडल कार्यालय में तैनात सहायक लाइनमैन सोनू राम को 5 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी शिकायतकर्ता से बिजली चोरी का मामला दबाने के एवज में कुल 8 हजार रुपये की रिश्वत मांग रहा था। 12 जून को आरोपी सोनू राम को छायंसा उपमंडल कार्यालय के पास एक परचून की दुकान से पकड़ा।

नारनौल। नेशनल हाईवे 152डी पर हादसे का शिकार हुई वॉल्वो बस। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़ में नेशनल हाईवे पर हादसा, झपकी बनी जानलेवा

खड़े ट्रक में लोहे के एंगलों में जा घुसी जयपुर की टूरिस्ट बस, दो की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

महेंद्रगढ़ जिले में नेशनल हाईवे-152डी पर शुक्रवार सुबह करीब पांच बजे सड़क पर खड़े ट्रक से सवारियों से भरी एक निजी वोल्वो बस जा टकराई। इसमें जयपुर के विजयनगर निवासी चालक 30 वर्षीय सोमवीर व 31 वर्षीय परिचालक दिलखुश की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में 16 अन्य घायल हो गए। यह बस हिमाचल के मनाली से चलकर जयपुर जा रही थी, तभी बूचावास कट के पास यह हादसे की शिकार हो गई। बताया जा रहा है कि चालक को नींद की झपकी आने की वजह से हादसा हुआ। अभी पूरी जांच के बाद ही फाइनल रिपोर्ट सामने आएगी। जानकारी के अनुसार, जयपुर से पर्यटकों का एक दल छुट्टियां मनाने मनाली गया हुआ था। वापसी के दौरान उनकी वॉल्वो बस नेशनल हाईवे-152डी से होकर जयपुर लौट रही थी। जब बस बुचावास क्षेत्र में पास पहुंची तो वह सड़क पर खड़े एक ट्रक से जा टकराई। ट्रक में लोहे के एंगल भरे थे। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस का अगला हिस्सा सरियों से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस एवं एंबुलेंस को सवारियों ने ही फोन पर सूचना दी। पुलिस ने लोगों की मदद से बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला और उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया।

ट्रेनी ड्राइवर ने दौड़ाई रोडवेज बस, एक को कुचला

गुरुग्राम। सेक्टर 37 में शुक्रवार को रोडवेज ट्रेनिंग स्कूल की एक बस बेकाबू हो गई और कई लोगों को कुचल दिया। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हो गए। बस चालक के न रुकने पर गुस्साए लोगों ने बस पर पथराव कर दिया। बस कई वाहनों को टक्कर मारते हुए आगे बढ़ती रही। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बस को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। जांच में सामने आया है कि बस नए ड्राइवरों की ट्रेनिंग के लिए डिपो से निकली थी। लंच ब्रेक के दौरान ट्रेनिंग लेने आया एक युवक भारत किसी को बिना बताए बस लेकर निकल गया। लोगों को टक्कर मारने के बाद युवक लेजर वैली पार्क के पास बस खड़ी कर फरार हो गया। मृतक की पहचान मध्यप्रदेश के सतना निवासी रवि शंकर (56) के रूप में हुई है। वह सेक्टर-37 स्थित एक फैक्ट्री में काम करता था। वहीं, पता चला है कि ट्रेनी ड्राइवरों के इस बैच की 35 दिन की ट्रेनिंग 18 मई से शुरू हुई थी।

फर्जी जमानती बनकर कोर्ट में पेश होने वाला गिरफ्तार

कैथल। अदालत में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर जमानती बनने के मामले की जांच थाना सिविल के एसआई सतीश कुमार की टीम द्वारा करते हुए गांव प्योदा निवासी आरोपी कृष्ण को गिरफ्तार किया गया है। एसएचओ थाना सिविल लाइन इंस्पेक्टर रमेश चंद्र ने बताया कि प्राप्त शिकायत के अनुसार न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, कैथल की अदालत में एक आपराधिक मामले में आरोपी की जमानत के लिए कृष्ण कुमार जमानती के रूप में पेश हुआ था। अदालत में जांच के दौरान सामने आया कि उक्त व्यक्ति के पास दो अलग-अलग आधार कार्ड थे तथा वह विभिन्न अदालतों में अलग-अलग पहचान के आधार पर कई मामलों में जमानती बन चुका था। इसके अतिरिक्त आरोपी द्वारा अदालत में शपथपत्र देकर यह गलत जानकारी भी दी गई कि वह पहले केवल एक मामले में ही जमानती बना है। आरोपी के खिलाफ थाना सिविल लाइन में मामला दर्ज किया गया था। आरोपी न्यायालय में पेश किया जाएगा।

चुलकाना धाम में लगे नोटों के अंबार

22 दानपात्रों की होगी गिनती

समालखा। पानीपत के चुलकाना धाम स्थित श्याम बाबा मंदिर में श्राइन बोर्ड के अधीन आने के बाद पहली बार दानपात्र खोला गया। समालखा के एसडीएम अमित कुमार के निर्देश पर बीडीपीओ शक्ति सिंह और अकाउंटेंट मदन लाल की देखरेख में दानपात्र में रखी रकम की गिनती शुरू की गई। 15 सदस्य कमेटी ने शुक्रवार सुबह एक दानपात्र खोला। सुबह से शाम तक एक भी दानपात्र की गिनती पूरी नहीं हुई है। मंदिर में कुल 22 दानपात्र हैं।

30 से ज्यादा कर्मी जुटे

पटवारी विजय और बीडीपीओ कार्यालय समालखा के लगभग दो दर्जन कर्मचारियों के साथ-साथ पूर्व प्रधान रोशन लाल, ग्राम सचिव प्रवीण सैनी और सरपंच सतीश ने सुचारु व्यवस्था सुनिश्चित की। इस काम में पांच बैंक कर्मचारियों को भी नियुक्त किया गया है। श्याम सेवक रवि, सोनू और कालू ने भी व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग किया। इस पूरी प्रक्रिया में लगभग पांच दिन लगने की उम्मीद है। दानपात्र खोलने वाले स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की सेवा समाप्ति बरकरार

चेहरा देखकर गर्भवती नहीं लग रही थी यह बहाना नहीं चलेगा : हाईकोर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चंडीगढ़

हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अपने दायित्वों में लापरवाही को इस आधार पर नहीं छिपा सकती कि संबंधित महिला का हाव-भाव देखकर उसे गर्भवती होने का आभास नहीं हुआ था। अदालत ने गर्भवती महिला की मौत के मामले में सेवा से हटाई आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की बर्खास्तगी को सही ठहराते हुए उसकी अपील खारिज कर दी। जस्टिस अश्विनी कुमार मिश्रा और जस्टिस रोहित कपूर की खंडपीठ ने यह फैसला सुनाया। मामले के अनुसार, पंचकूला निवासी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कौशल्या देवी के क्षेत्र में एक गर्भवती महिला की मृत्यु हो गई। हैरानी की बात यह रही कि महिला की गर्भावस्था के संबंध में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की ओर से कोई रिपोर्ट या सूचना विभाग को नहीं दी गई थी। अपीलकर्ता ने दलील दी कि मृतक के परिवार ने उसे गर्भावस्था के बारे में कुछ जानकारी नहीं दी थी। घर के दौरे के दौरान उसने महिला को छत पर तेजी से जाते और गीला भारी कंबल उठाकर घरेलू काम करते देखा था। उसके अनुसार महिला के हाव-भाव से ऐसा प्रतीत नहीं होता था कि वह गर्भवती है। इस पर कोर्ट ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता का दायित्व केवल परिवार से सूचना मिलने का इंतजार करना नहीं, बल्कि सक्रिय रूप से क्षेत्र में गर्भवती महिलाओं की पहचान और निगरानी करना है।

शादी के नाम पर लाखों की ठगी करने वाले फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

- फेसबुक पर 'रॉयल रिश्ते' पेज बनाकर युवाओं को फंसाते थे, महिला की आवाज में कॉल कर विश्वास में लेते थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

साइबर पुलिस को एक बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने सोशल मीडिया के जरिए शादी कराने के नाम पर देशव्यापी ठगी करने वाले एक फर्जी कॉल सेंटर का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने कानपुर से फर्जी कॉल सेंटर के संचालक और मैनेजर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपियों की पहचान कानपुर के संजयग्राम निवासी सुधीर साहू व छत्तीसगढ़ के कोड़ेतरह गांव के तुकेश्वर नंद उर्फ शिवा के तौर पर हुई है। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी फेसबुक पर 'रॉयल रिश्ते' नाम से एक फर्जी पेज चलाते थे। जैसे ही कोई यूजर इस पेज को लाइक या क्लिक करता था, आरोपियों के पास उस यूजर की पूरी प्रोफाइल और पर्सनल डिटेल पहुंच जाती थी। इसके बाद आरोपी अलग-अलग नंबरों से लगातार कॉल करके सामने वाले को अपनी बातों के जाल में फंसा लेते थे। पुलिस ने आरोपियों से 19 कीपैड फोन (जिनका इस्तेमाल सिंपल कॉल पर महिला की आवाज में बात करके लोगों को लुभाने के लिए किया जाता था) इसके अलावा 10 एंड्रॉयड स्मार्टफोन (जिनसे केवल व्हाट्सएप कॉल की जाती थी) 1 टैबलेट (जिसमें शिकार हुए लोगों का पूरा डेटा और पैसों का हिसाब-किताब रखा जाता था)

इस पूरे मामले का खुलासा तब हुआ जब अंबाला शहर के जग्गी गार्डन के सुरेश कुमार ने 6 जून 2026 को साइबर पुलिस को शिकायत दर्ज कराई। आरोपियों ने फेसबुक पेज के जरिए उनसे दोस्ती की और शादी का झांसा देकर कुल 7,14,000 रुपये ठग लिए। साइबर थाना पुलिस ने तुरंत केस दर्ज कर तफ्तीश शुरू की। पुलिस टीम ने साइबर सैल की मदद से तकनीकी संसाधनों, और साक्ष्यों को खंगालते हुए आरोपियों का सुराग लगाया और कानपुर में छापेमारी कर दोनों मुख्य आरोपियों को धर दबोचा। पुलिस ने दोनों को न्यायालय के समक्ष पेश कर रिमांड हासिल किया है।

गैंगस्टर दिनेश को साइप्रस से किया डिपोर्ट

हिसार। स्पेशल टास्क फोर्स ने शहर के महेंद्रा शोरूम पर हुई ताबड़तोड़ फायरिंग मामले में गैंगस्टर काला खैरमपुरिया के साथी दिनेश खैरमपुरिया को साइप्रस से डिपोर्ट किया है। वह वर्ष 2020 में स्टडी वीजा पर साइप्रस गया था और वहां बैठकर भारत में अपराध को अंजाम देता था। वर्ष 2026 में एसटीएफ द्वारा कराई गई यह 11वीं प्रत्यार्पण कार्रवाई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दिनेश उर्फ मित्तू, काला खैरामपुर गैंग के साथ-साथ हिमांशु भाऊ गैंग से भी जुड़ा हुआ था। वह साइप्रस में रहते हुए अवैध डब्बा कॉलिंग नेटवर्क के जरिए रंगदारी की कॉल करवाने और गैंग के सदस्यों की पहचान व लोकेशन छिपाने का काम कर रहा था। वह विदेश में बैठे अपराधियों और स्थानीय अपराधियों के बीच कड़ी था।

खेल राज्यमंत्री गौरव गौतम ने जांच के बाद लिया कड़ा एक्शन

नियमों की अनदेखी, 10 खेल नर्सरी बंद

- मेवात, यमुनानगर, हिसार और भिवानी में मिलीं खामियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चंडीगढ़

खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने प्रदेश की खेल नर्सरियों में चल रही अनियमितताओं पर कड़ा संज्ञान लेते हुए बड़ा प्रशासनिक फैसला लिया है। इसके तहत नियमों को ताक पर रखकर संचालित की जा रही 10 खेल नर्सरियों को तत्काल प्रभाव से बंद करने के आदेश जारी किए गए हैं। गत दिनों खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने खेल विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की थी। इस बैठक में उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए थे कि वे प्रदेश भर में चल रही सभी राजकीय स्कूलों और पंचायत के अंतर्गत आने वाली खेल नर्सरियों की एक विस्तृत ग्राउंड रिपोर्ट तैयार करें। सौंपी गई जमीनी हकीकत की रिपोर्ट का बारीकी से अध्ययन करने के बाद खेल मंत्री ने यह कड़ी कार्रवाई की है। बंद की गई खेल नर्सरियों में मुख्य रूप से चार जिलों मेवात, यमुनानगर, हिसार और भिवानी की नर्सरियां शामिल हैं।

इन खेल नर्सरियों पर गिरी गाज

मंत्री ने बताया कि खेल विभाग के अनुसार नूंह के राजकीय माडल संस्कृति स्कूल की 3, यमुनानगर के शहीद परमिंद्र सिंह राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल, तेजली में साइक्लिंग की 1, हिसार के राजकीय गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल (आर्य नगर ग्राम पंचायत) की बॉक्सिंग की 1, हिसार के राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल (गंगवा) की फुटबॉल की 2, हिसार के मसूदपुर पंचायत में फुटबाल की 2 और भिवानी के जीएमएसएसएस की बॉक्सिंग व वॉलीबॉल की 1-1 नर्सरी को बंद किया गया है। उन्होंने बताया कि जांच में इन नर्सरियों में खेल उपकरणों का अभाव, खेल के मैदानों का रखरखाव बेहद खराब, रिकॉर्ड में दर्ज खिलाड़ियों की संख्या और मैदान पर उपस्थित खिलाड़ियों की वास्तविक संख्या में भारी विसंगतियां पाई गईं। उन्होंने नर्सरी अलॉट करते वक्त तमाम औपचारिकताएं पूरी करने की हिदायत दी।

चिंता दिल्ली के होटल और रोहतक की मार्केट में हुए अग्निकांड ने खड़े किए बड़े सवाल

ऊंची इमारतों में आग लगी तो बचाने के नहीं इंतजाम

- अधिकतर जिलों में हाईड्रोलिक लैडर नहीं, दमकल विभाग में 50 प्रतिशत से ज्यादा पद खाली
- दूसरे जिलों से मंगवानी पड़ती हैं आग बुझाने के लिए गाड़ियां

योगेंद्र शर्मा ▶▶ चंडीगढ़

तपती गर्मी में आग लगने की घटना व कई जान चली जाने के बाद से विभागीय अफसरों और कर्मियों की चिंता बढ़ गई है। दिल्ली के होटल और रोहतक मार्केट में अग्निकांड ने एक बार फिर सोचने को मजबूर कर दिया है। एक ओर दमकल विभाग के पास साधनों की कमी तो दूसरी ओर सड़क पर नासूर बनता अतिक्रमण आग बुझाने में बड़ी चुनौती हैं। हरियाणा के पास फायर टेंडर, आधुनिक मशीनों और प्रशिक्षित कर्मचारियों की कमी आज भी बनी हुई है। शहरीकरण की वजह से शहरों में बहुमंजिला आवासीय टॉवर बन गए हैं,

लेकिन ऊपरी मंजिल तक आग बुझाने के लिए विभाग के पास हाईड्रोलिक रेस्क्यू प्लेटफॉर्म फायर टेंडर नहीं है। एनसीआर के तहत गुरुग्राम, फरीदाबाद और अन्य जिलों से लेकर बात चंडीगढ़ से लगते पंचकूला की करें तो लगभग 137 फीट तक पहुंचने के लिए एक-एक हाईड्रोलिक लैडर थी, इनमें से कई के हालात तो कंडम वाले बने हैं। अंबाला में हालात देखें, तो अंबाला छावनी में कम्युनिटी सेंटर और नारायणगढ़ में वृद्धाश्रम में फायर स्टेशन चल रहे हैं। विभाग में स्टाफ के स्वीकृत पदों में 52 फीसदी खाली हैं। 3831 पदों के मुकाबले 1852 कर्मचारी हैं। क्षेत्रफल-आबादी के हिसाब से स्वीकृत पद कम हैं। 485 दमकल वाहन हैं, लेकिन जरूरत 671 की है। 186 दमकल वाहनों की कमी है। गुरुग्राम में 500 फीट तक भवन, विभाग के पास इस तरह की चुनौती से निपटने के इंतजाम कम ही हैं। इनके पास में 35 फीट तक की सीढ़ी ही हैं। 137 फीट ऊंचाई वाली हाईड्रोलिक मशीन कंडम हैं। इमरजेंसी में डीएलएफ के 295 फीट ऊंचे प्लेटफॉर्म पर निर्भरता है। फरीदाबाद और सोनीपत में भी ऊंची इमारतों तक पहुंचने के इंतजाम नहीं हैं। वहीं, दमकल विभाग के पास संसाधन इतने कम हैं कि आग लगने के बाद दूसरे जिलों से गाड़ियों को बुलाना मजबूरी है। कई जगह तो दमकल की गाड़ियों को पानी भरने के लिए 10 से 15 किलोमीटर तक जाना होता है।

उपकरणों की कमी को जल्द करेंगे पूरा : विद्यार्थी

विभाग के निदेशक आईएएस शेखर विद्यार्थी का कहना है कि प्रदेश के सभी फायर स्टेशनों पर आगामी समय में वायरलेस कम्युनिकेशन सिस्टम स्थापित किया किया जाएगा। करीब 500 से 800 वायरलेस कम्युनिकेटर की खरीद की जानी है। फायर सूट और कॉम्बी टूल की खरीद भी की जानी है। निदेशक स्वीकार करते हैं कि विभाग के पास विभिन्न जिलों में राहत कार्य के लिए साधनों की कमी है लेकिन उनका दावा है कि जल्द ही कमी को पूरा करने के प्रयास हैं।

विभाग के दावे : 16 हाईड्रोलिक प्लेटफॉर्म खरीदेंगे

विभाग की ओर से बताया जा रहा है कि 16 हाईड्रोलिक प्लेटफॉर्म रेस्क्यू फायर टेंडर की खरीद होगी। इनमें दो हाईड्रोलिक 104 मीटर के और दो 190 मीटर, तीन 70 मीटर जबकि दो 55 मीटर, तीन 42, चार 68 मीटर के टाइम टेबल लेडर (टीटीएल) खरीदे जाने हैं। फॉम टेंडर और वाटर मिस्ट की भी खरीद की जानी प्रस्तावित है, लेकिन इसकी कोई डेडलाइन फिलहाल, तो है नहीं।

नशा मुक्ति अभियान को गांव-गांव तक लेकर जाएंगी खाप पंचायतें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

अंतरराष्ट्रीय जाट धर्मशाला में आयोजित तीन दिवसीय उत्तर भारत सर्वखाप महापंचायत एवं चिंतन शिविर का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में देशवाल खाप, माजरा खाप, कंडेला खाप, उझाना खाप, दहिया खाप, दहाड़न खाप, सहारण खाप, नरवाल खाप सहित उत्तर भारत की अनेक खापों के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर सामाजिक एकता एवं समाज सुधार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय जाट धर्मशाला के प्रधान कृष्ण श्योकंद, देशवाल खाप के प्रधान संजय देशवाल, राष्ट्रीय संयोजक संदीप सहरावत एवं डॉ. जोगेंद्र मोर सहित अनेक वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। चिंतन सत्र में युवाओं में बढ़ती सामाजिक उदासीनता, परिवार एवं समाज के प्रति घटती संवेदनशीलता, ग्रामीण एवं शहरी जीवनशैली के प्रभाव तथा सामाजिक समरसता के विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित प्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से नशा मुक्ति अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देने, गांव-गांव जागरूकता कार्यक्रम चलाने तथा युवाओं को खेल, शिक्षा एवं सामाजिक गतिविधियों से जोड़ने पर बल दिया।

निवेशकों की संपत्ति 9.66 लाख करोड़ रुपये बढ़ी

खाड़ी में शांति के संकेत, सेंसेक्स 1,695 अंक चढ़ा

एजेंसी ▶▶| मुंबई

अमेरिका एवं ईरान में शांति कायम होने के संकेतों से वैश्विक बाजारों में तेजी और कच्चे तेल की कीमतें गिरने से शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजारों में जोरदार उछाल आया। सेंसेक्स 1,695 अंक से अधिक चढ़ गया जबकि निफ्टी में करीब 461 अंक की तेजी दर्ज की गई। इस तेजी से निवेशकों की संपत्ति 9.66 लाख करोड़ रुपए बढ़ गयी बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 1,695.40 अंक उछलकर 75,527.95 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,775.47 अंक चढ़कर 75,608.02 अंक तक पहुंच गया। इसी तरह निफ्टी 461.30 अंक बढ़कर 23,622.90 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 483.75 अंक प्रतिशत चढ़कर 23,645.35 तक पहुंच गया था।

उछला बाजार

- कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आनी शुरू
- निफ्टी में करीब 461 अंक की तेजी दर्ज
- वैश्विकधारणा में सुधार से आक्रामक खरीदारी देखी गई

ट्रंप की घोषणा से निवेशकों की धारणा हुई मजबूत

विश्लेषकों के मुताबिक, ईरान युद्ध पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सकारात्मक बयान से शेयर बाजार में तेजी आई। ट्रंप ने ईरान के साथ युद्ध खत्म होने और दोनों देशों के बीच समझौते को लेकर सहमति बनने की बात कही है।

एशियाई और अमेरिकी बाजार में रही मजबूती

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी 4.63 प्रतिशत और जापान का निक्की सूचकांक 2.81 प्रतिशत चढ़ा। चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक भी बढ़त में रहे। यूरोपीय बाजार भी बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार बृहस्पतिवार को मजबूती के साथ बंद हुए थे।

इन शेयरों में रही तेजी

सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, इंटरग्लोब एविएशन (इंडिगो), टाइटन, इटर्नल और एचडीएफसी बैंक के शेयर प्रमुख रूप से लाभ में रहे। दूसरी तरफ, सेंसेक्स में शामिल टेक महिंद्रा और पावर ग्रिड ही नुकसान में रहने वाली कंपनियों में शामिल रहीं।

कच्चा तेल 88 डॉलर के नीचे

बजाज ब्रोकिंग रिसर्च ने अपनी टिप्पणी में कहा, 'वैश्विक धारणा में सुधार और आक्रामक लिवाली से भारतीय बाजारों में तगड़ा उछाल देखा गया। अमेरिका-ईरान के बीच शांति समझौता होने की उम्मीद पैदा होने और कच्चा तेल 88 डॉलर के नीचे आ जाने के साथ रुपये में मजबूती से भी निवेशक धारणा को बल मिला।'

टाटा मोटर्स जुलाई से डेढ़ फीसदी बढ़ाएगी यात्री वाहनों की कीमत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- आईसीई और ईवी सहित यात्री वाहनों की कीमतों में वृद्धि का फैसला

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड ने आंतरिक दहन इंजन (आईसीई) और इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) सहित अपने यात्री वाहनों की कीमतों में एक जुलाई से 1.5 प्रतिशत तक की वृद्धि करने का फैसला किया है। यह पिछले तीन महीने में दूसरी बढ़ोतरी है। कंपनी ने पश्चिम एशिया संघर्ष से उत्पन्न लागत दबावों के बीच एक अप्रैल से अपने आईसीई वाहनों की कीमतें बढ़ाई थीं। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, '' यह मूल्य संशोधन कच्चे माल की बढ़ती लागत और मुद्रास्फीति के निरंतर दबाव के प्रभावों को आंशिक रूप से संतुलित करने के लिए किया जा रहा है। इसमें कहा गया कि टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स इन लागत वृद्धि का एक बड़ा हिस्सा स्वयं वहन कर रही है, लेकिन इसका कुछ प्रभाव इस मूल्य समायोजन के जरिये ग्राहकों पर डाला जा रहा है।

मारुति, हुंडई पहले बढ़ा चुकी दाम

इससे पहले, कार बाजार की अग्रणी कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने मुद्रास्फीति दबाव और प्रतिकूल लागत का हवाला देते हुए एक जून से अपने विभिन्न मॉडल की कीमतों में 30,000 रुपये तक की बढ़ोतरी की थी। हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड ने भी एक जून से अपने वाहनों की कीमतों में मॉडल और संस्करणों के अनुसार 12,800 रुपये तक की वृद्धि की थी।

सोना 3,000 रुपये मजबूत और चांदी में 10,000 रुपये की तेजी

- सोना बढ़कर 1.56 लाख रुपये प्रति दस ग्राम

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में शुक्रवार को सोने की कीमत 3,000 रुपये बढ़कर 1.56 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। वहीं चांदी 10,000 रुपये बढ़कर 2.55 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।

अमेरिका-ईरान तनाव में कूटनीतिक समाधान के संकेतों से इन कीमती धातुओं में दिलचस्पी फिर से बढ़ गई है। स्थानीय बाजार के जानकारों के मुताबिक, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत बृहस्पतिवार के 1,53,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के बंद भाव से 3,000 रुपये बढ़कर 1,56,900 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स सहित) हो गई। चांदी की कीमत में भी जोरदार उछाल आया और यह 10,000 रुपये बढ़कर 2,55,700 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स सहित) हो गई। पिछले सत्र में चांदी 2,45,700 रुपये प्रति किलोग्राम पर रही थी।

रुपया 77 पैसे की बढ़त के साथ 95.08 प्रति डॉलर

मुंबई। रुपया शुक्रवार को 77 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.08 (अस्थायी) पर बंद हुआ। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के साथ जल्द समझौते के संकेत दिए जाने के बाद वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला है। अमेरिकी डॉलर में कमजोर रुख ने भी रुपये को समर्थन दिया।

31 जुलाई का न करें इंतजार, समय से पहले आयकर रिटर्न भरने के फायदे, आर्थिक लेन-लेन को बेहतर बना सकते हैं

नई दिल्ली। कई करदाता आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने को महज एक वार्षिक कार्य मानते हैं। समय से आईटीआर फाइल करना यह भी बड़ी जिम्मेदारी होती है। लेकिन समय पर रिटर्न दाखिल करने से आपको कर से जुड़ी औपचारिकता पूरी करने के अलावा और भी कई फायदा मिल सकते हैं। रिफंड जल्दी हासिल करने से लेकर भविष्य के आर्थिक लेन-देन को बेहतर बनाने तक, आईटीआर आपके आर्थिक जीवन के सबसे जरूरी इस्तेमाल होने वाले दस्तावेजों में से एक हो सकता है। बहरहाल 31 जुलाई की समय सीमा नजदीक आ रही है। शेयर बाजार में निवेश या व्यावसायिक गतिविधियों से नुकसान उठाने वाले करदाता उस नुकसान को आगे ले जा सकते हैं और भविष्य की आय के मुकाबले संतुलित कर सकते हैं। हालांकि, यह फायदा आमतौर पर तभी मिलता है जब आयकर रिटर्न तय समय सीमा के भीतर दाखिल किया जाता है। इसी को लेकर विशेषज्ञों का कहना है कि समय पर और सही आयकर रिटर्न दाखिल करने से कर अधिकारियों से नोटिस या जांच की संभावना भी कम हो जाती है। समय सीमा से पहले रिटर्न दाखिल करने से न केवल अंतिम समय के तनाव से बचा जा सकता है, बल्कि यह भी सुनिश्चित होता है कि आप खास तौर पर आर्थिक फायदा बिना किसी देरी के प्राप्त कर सकें। सबसे पहले और जरूरी यह कि आयकर विवरण (आईटीआर) आय और आर्थिक स्थिरता के सबूत के रूप में काम करता है।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

देश का खाद्य तेल आयात मई में 6.7 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। देश का खाद्य तेल आयात मई में 6.7 प्रतिशत बढ़कर लगभग 13.39 लाख टन रहा। कच्चे सोयाबीन तेल की अधिक मांग इसकी मुख्य वजह रही। उद्योग संगठन सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, वनस्पति तेल का आयात मई में बढ़कर 13,38,936 टन हो गया, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 12,54,883 टन था। वनस्पति तेल में खाद्य एवं गैर-खाद्य दोनों तेल शामिल हैं। यह वृद्धि मुख्य रूप से कच्चे सोयाबीन तेल के आयात में बढ़ोतरी के कारण हुई, जो इस अवधि में 3,98,585 टन से बढ़कर 4,93,854 टन हो गया। गैर-खाद्य तेलों का आयात भी दोगुने से अधिक होकर पिछले महीने 26,202 टन हो गया, जो मई 2025 में 12,040 टन था। इससे मई 2026 में भारत का कुल वनस्पति तेल आयात (खाद्य और गैर-खाद्य) 8 प्रतिशत बढ़कर 13.65 लाख टन हो गया, जबकि पिछले वर्ष यह 12.67 लाख टन था। तेल वर्ष 2025-26 के पहले सात महीनों में कुल वनस्पति तेल आयात 12 प्रतिशत बढ़कर 93.65 लाख टन हो गया, जो 2024-25 की इसी अवधि में 83.39 लाख टन था। एसईए ने बताया कि नवंबर 2025 से मई 2026 (तेल वर्ष के पहले सात महीनों) में खाद्य तेल आयात 13 प्रतिशत बढ़कर 92.17 लाख टन रहा, जबकि गैर-खाद्य तेल आयात घटकर 1,47,710 टन रहा।

राशिफल

मेष — मन परेशान हो सकता है। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। पिता का साथ मिलेगा। नौकरी में यात्रा पर जा सकते हैं।

वृष — नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान मिलेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। खर्च अधिक रहेंगे।

मिथुन — कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। मन प्रसन्न रहेगा। व्यर्थ के क्रोध से बचें।

कर्क — किसी मित्र के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते है। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। पारिवारिक समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

सिंह — परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। सम्मान में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। यात्रा पर जाना हो सकता है।

कन्या — संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त हो सकते हैं। अफसरों से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

तुला — नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। वाणी में मधुरता रहेगी। अपनी भावनाओं को वश में रखें। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक — मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

धनु — सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। परिवार में व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

मकर — किसी भवन या सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। कारोबार में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। भाई-बहनों का साथ मिलेगा।

कुंभ — आय में वृद्धि तो होगी, परन्तु अनियोजित खर्चों में वृद्धि होगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों के लिए यात्रा पर जा सकते हैं।

मीन — शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। आय भी बढ़ेगी। क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा।

तीन कंपनियों को आईपीओ के लिए सेबी की मंजूरी

नई दिल्ली। बोनफिग्लियोली ट्रांसमिशन्स, बॉम्बे कोटेड एंड स्पेशल स्टील्स लिमिटेड और स्वराज ग्रीन पावर एंड फ्यूल लिमिटेड को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये पूंजी जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी की मंजूरी मिल गई है। सेबी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। बॉम्बे कोटेड एंड स्पेशल स्टील्स ने जनवरी 2026 में, बोनफिग्लियोली ट्रांसमिशन्स ने फरवरी में और स्वराज ग्रीन पावर एंड फ्यूल लिमिटेड ने मार्च में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष आईपीओ दस्तावेज दाखिल किए थे। इन तीनों कंपनियों को 11-12 जून 2026 के दौरान सेबी से आईपीओ लाने की मंजूरी मिली। बोनफिग्लियोली ट्रांसमिशन्स इटली स्थित बोनफिग्लियोली ग्रुप की भारतीय इकाई है। इसका प्रस्तावित आईपीओ पूरी तरह ब्रिकी पेशकश पर आधारित है जिसमें प्रवर्तक 4.7 करोड़ शेयर बेचेंगे। सूत्रों के अनुसार इस निर्गम का आकार 2,000 करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है।

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ ई-मेल
1	नगर निगम सोनीपत	एम.सी. सोनीपत में विभिन्न स्थानों पर सैनीटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन, इन्सिनरेटर, डैशबोर्ड और सैनीटरी नैपकिन्स का प्रावधान व फिक्सिंग + 1 कार्य।	बंद होने की तिथि 22.06.2026	69,56,270/-	https://etenders.hry.nic.in	1302260100 xenhortmcs@gmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद-13/2027/40/46199/I/88/6 दि. 12.06.26

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ ई-मेल
1	नगर निगम रोहतक	एम.सी. रोहतक में विभिन्न वार्डों 07,10,11,12,15,18, 20,21 में नाला की गाद निकालना (पुनः आमंत्रण)।	11.06.2026 18.06.2026	24.53 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9467283967 xenmcrohtak@gmail.com
2	नगर निगम रोहतक	वार्ड नं. 9, एम.सी. रोहतक में शीला बाईपास से सुखपुरा चौक तक नाला की सफाई और गाद निकालना।	11.06.2026 18.06.2026	20.52 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9467717422 xenmcrohtak@gmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें: www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in
संवाद-13/2027/60/46169/I/88/6 दि. 12.06.26

उत्तर रेलवे

इलेक्ट्रोनिक निविदा ई-प्रणाली के अंतर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे, जगाधरी वर्कशॉप-135002 द्वारा फर्मों को निम्नलिखित मदों के लिए ई-निविदाओं के माध्यम से आमंत्रित किया जाता है:-

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	बंद होने की तिथि
01	61265720	सप्लाई, इंस्टालेशन एंड कमीशनिंग ऑफ़ इंटर कोच गैंगवे। (टेंडर शर्तों में बदलाव)	11 नग	25 जून 2026

निविदा शर्तें 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है।
2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जाएगी।
टेंडर नोटिस सं. 61265720 2027/2026
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

महिला एवं बाल विकास विभाग, नारनौल, हरियाणा

महिला एवं बाल विकास विभाग, हरियाणा के तहत जिला महेन्द्रगढ स्थित नारनौल के आंगनवाडी केन्द्रों में पूरक पौषाहार की ढुलाई हेतू टासपोर्टेशन की ई- निविदाएं आंमत्रित हैं जिसका ई-टैण्डर 2026_HRY_5287341 है। आंमत्रित निविदाएं दिनांक 23.06.2026 को सुबह 11 बजे खोली जानी हैं तथा निविदाएं दिनांक 22.06.2026 को सायं 5 बजे तक ऑनलाईन अपलोड की जा सकती हैं। दस्तावेज जिनमें नियम व शर्तें शामिल हैं, वेबसाईट e-tenders.hry.nic.in पर देखे/डाउनलोड किए जा सकते हैं।

हस्ता/-जिला कार्यक्रम अधिकारी
महिला एवं बाल विकास नारनौल

पीआरडीएच-1128/11/653/2027/46201/88/6 दि. 12.06.2026

Horticulture Department (Haryana)

Demonstration cum Food Processing centre,
Old court road, near Yoga Aashram Sirsa
E-mail- ftsirsa@gmail.com

सील्ड बंद कुटेशन सूचना

प्रशिक्षण व सेमिनार कार्यकमों के दौरान जलपान के लिए कुटेशन सूचना।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि खाद्य प्रोद्यौगिकी प्रयोगशाला, सिरसा पर वर्ष 2026-27 में महिलाओं के लिए साप्ताहिक प्रशिक्षण कार्यकमों के संचालन के दौरान जलपान की व्यवस्था के लिए निम्न विवरण अनुसार कुटेशन आंमत्रित हैः-

क्रमांक	विवरण	खाद्य वस्तुए	दर (रूपये)	G.S.T	कुल
1.	जलपान	मैगां फ्रूटी (160 ml) / चाय			
		भुजिया 35 ग्राम (हल्दी राम या बीका जी)			
		भुजिया 70 ग्राम (हल्दी राम या बीका जी)			
		बिस्कुट (50 ग्राम)			
		Total-			

उपरोक्त कार्य के लिए इस कार्यालय में अनुबंध करने के इच्छुक फर्म उपरोक्त दिए गए विवरण अनुसार न्यूनतम दरें जी.एस.टी सहित मोहरबंद आवरण फर्म के लैटर हेड पर पूर्णतः भरे हुए सील्ड बंद लिफाफ में दिंनाक 19.06.2026 दोपहर 02:00 बजे तक उपरोक्त प्रर्फोमा अनुसार भरकर इस कार्यालय में जमा करवा सकते हैं। फर्मों से प्राप्त सील्ड बंद कुटेशन दिनांक 19.06.2026 को सांयः 04:00 बजे कमेटी द्वार खोली जाएंगी। फर्म का रजिस्ट्रेशन न०, जी.एस.टी रजिस्ट्रेशन न०, पैन न० व बैंक पासबुक की प्रति लगाना अनिवार्य है। कुटेशनों को बिना कारण निरस्त करने का अधिकार खाद्य तकनीशियन, सिरसा के पास सुरक्षित होगा। कुटेशनों का आकलन कमेटी द्वारा जांचने उपरांत पाई गई सबसे कम मूल्य वाली कुटेशन को सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्वीकृत किया जाएग। जिस फर्म की दरें न्यूनतम होगी, आर्डर उसी फर्म को दिया जाएगा। यदि सबसे कम दर वाली फर्म प्रशिक्षण व सेमिनारों के दौरान कार्य करने से मना कर देती है तो दूसरे नंबर पर न्यूनतम दर पाई जाने वाली फर्म को बचे हुए प्रशिक्षण व सेंमिनारों के दौरान उपरोक्त विवरण अनुसार समान सप्लाई करने का Work Order जारी कर दिया जाएगा। दरें वित्तिय वर्ष 2026-27 के लिए वैध रहेंगी। उपरोक्त प्रर्फोमा में दर्शाए गए सामान की गुणवत्ता निम्न स्तर की स्वीकार नहीं होगी। कुटेशन के विषय में अधिक जानकारी के लिए कार्यालय में कार्यालय दिवस (सोमवार से शुकवार) पर सम्पर्क कर सकते हैं। अनुबंध से संबधित शर्तें कार्यालय से प्राप्त करने उपरांत उस पर हस्ताक्षर करके कुटेशन के साथ कार्यालय में जमा करवानी होगी। बिना शर्तों के कुटेशन स्वीकार नहीं होगी।

हस्ता/-खाद्य तकनीशियन,
सिरसा

पीआरडीएच-1149/11/1125/2027/46210/88/6 दि. 12.06.2026

कब्जा सूचना-(अचल सम्पति हेतु) नियम 8-(1)

चूंकि, प्रतिभूति हित अधिनियम, 2002 के प्रवर्त्तन और वित्तीय परिसम्पत्तियों के प्रत्याभूतिकरण और पुनर्निर्माण के तहत आईआईएफएल होम फाइनैंस लिमिटेड (पूर्व में इंडिया इंफोलाइन हाउसिंग फाइनैंस लि. के रूप में जानी जाती) (आईआईएफएल एचएफएल) का प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमों, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुये अधोहस्ताक्षरी ने कम्पनी के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा यहां नीचे वर्णित कर्जदार / सह-कर्जदारों को राशि का पुनर्भुगतान करने के लिए एक डिमांड नोटिस जारी किया गया था, कर्जदार को और आम जन को सामान्यतः एतद द्वारा सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमों की धारा 13 (4) के तहत उनको प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये यहां नीचे वर्णित सम्पत्ति का कब्जा ले लिया है। कर्जदार को विशेषतः और आमजन को सामान्यतः एतद द्वारा सम्पत्ति के साथ डील नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्ति के साथ कोई भी डीलिंग उस पर ब्याज सहित यहां नीचे वर्णितानुसार राशि के लिये आईआईएफएल एचएफएल की वसूली के अधीन होगी। ''कर्जदार का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों की तरफ आमंत्रित किया जाता है, यदि कर्जदार बिक्री अथवा हस्तांतरण के लिये निर्धारित तिथि से पूर्व किसी भी समय सभी लागतों, हुये परिव्ययों और व्यय सहित ''आईआईएफएल एचएफएल'' को देय भुगतान कर देता है, प्रत्याभूत परिसम्पत्तियों को ''आईआईएफएल एचएफएल'' द्वारा बेचा अथवा हस्तांतरित नहीं किया जाएगा और प्रत्याभूत परिसम्पत्तियों के हस्तांतरण अथवा बिक्री हेतु ''आईआईएफएल एचएफएल'' द्वारा आगे कोई कदम नहीं उठाया जाएगा।''

कर्जदार(ों)/सह-कर्जदार(ों) का नाम	प्रत्याभूत परिसम्पत्ति (अचल सम्पत्ति) का वर्णन	कुल बकाया देय	डिमांड नोटिस की तिथि	कब्जे की तिथि
श्री नरेन्द्र सुश्री रेनु नरेन्द्र मिल्क डेयरी (प्रोस्पैक्ट नं. IL10434703)	गांव सांगा तहसील व जिला भिवानी, हरियाणा 127021 में स्थित खेवट नं. 240, खतौनी नं. 281, खसरा नं. 209(0-9)363(1-3) में निहित सम्पत्ति प्लॉट/भूमि के सभी भाग व हिस्से। क्षेत्रफल माप (वर्गफुट में): सम्पत्ति प्रकार : Area_Admeasuring, सम्पत्ति क्षेत्रफल : 1053	रु. 675245/- रुपये छह लाख पचहत्तर हजार दो सौ पैंतालीस केवल	05-01-2026	09-06-2026
श्री पुरषोत्तम श्रीमती पुष्पा शर्मा डेयरी (प्रोस्पैक्ट नं. IL10450108)	खेवट नं. 86, खतौनी नं. 96, गांव बडाला, भिवानी, हरियाणा-127026 में सम्पत्ति के सभी भाग व हिस्से। क्षेत्रफल माप (वर्गफुट में): सम्पत्ति प्रकार : Land_Area, Built_Up_Area, सम्पत्ति क्षेत्रफल : 954.00, 1403.00	रु. 629754/- रुपये छह लाख उनत्तीस हजार सात सौ चव्वन केवल	22-10-2025	09-06-2026
श्री दीपा श्रीमती गुड्डी श्रीमती कैलाशो दीपा राज मिस्त्री (प्रोस्पैक्ट No IL10801001)	3113, 57 कुरसार, सिरसा, कुरसार, निकट वाटर बॉक्स, सिरसा, हरियाणा, भारत-125060 में निहित सम्पत्ति के सभी भाग व हिस्से। क्षेत्रफल माप (वर्गफुट में): सम्पत्ति प्रकार : Land_Area, Built_Up_Area, सम्पत्ति क्षेत्रफल : 3035.00, 756.00	रु. 329686/- रुपये तीन लाख उनत्तीस हजार छह सौ छियासी केवल	09-01-2026	10-06-2026

अधिक विवरण हेतु कृपया प्राधिकृत अधिकारी से शाखा कार्यालय : करनाल-एससीओ-408, जीएफ, मुगल कैनल, करनाल, हरियाणा-132001/अथवा कॉर्पोरेट कार्यालय : प्लॉट नं. 98, फेज-IV, उद्योग विहार, गुड़गांव, हरियाणा में सम्पर्क करें।
स्थान : हरियाणा, दिनांक : 13.06.2026 हस्ता/- प्राधिकृत अधिकारी, कृते आईआईएफएल होम फाइनैंस लि.

Haryana Government Gazette

EXTRAORDINARY
Published by Authority
©Govt. of Haryana

No. 86-2026/Ext.] CHANDIGARH, FRIDAY, JUNE 5, 2026 (JYAISTHA 15, 1948 SAKA)

हरियाणा सरकार
नगर तथा ग्राम आयोजना विभाग
अधिसूचना
दिनांक 05 जून, 2026

संख्या सी०सी०पी० (एन०सी०आर०)/जे०आर०/ ई० डब्लयु० के०एम०पी०/ सी०ए०/ 2026/846. चूंकि, हरियाणा के राज्यपाल की राय में, नीचे दी गई अनुसूची में विनिर्दिष्ट तथा इससे संलग्न नक्शे में दशार्या गया क्षेत्र निर्माण क्रियाकलापों, औद्योगिक, वाणिज्यिक, संस्थागत या आमोद-प्रमोद संबंधी सम्पदाओं / क्रियाकलापों तथा उपरोक्त के सहायक उपयोगों के लिए संभाव्य है;

इसलिए, अब हरियाणा अनुसूचित सड़क तथा नियंत्रित क्षेत्र अनियमित विकास निर्बन्धन अधिनियम, 1963 (1963 का पंजाब अधिनियम 41) की धारा 4 की उप-धारा (1) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, नीचे दी गई अनुसूची में यथा विनिर्दिष्ट तथा इससे सलग्न नक्शे में दर्शाए गए उक्त क्षेत्र को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों हेतु नियंत्रित क्षेत्र के रूप में घोषित करते हैं, अर्थात :-

अनुसूची

जिला झज्जर में कुंडली-मानेसर-पलवल (के.एम.पी.) एक्सप्रेसवे के साथ छूटे हुए पॉकेट (पॉकेट ए से एच तक) के नियंत्रित क्षेत्रों की सीमाओं की अनुसूची को ड्राइंग संख्या डी०टी०पी० (जे०एच०) 680/2022, दिनांक 12 दिसंबर, 2022 /16 फरवरी, 2026 के साथ पढ़ा जाए।

पॉकेट ए : गाँव खेड़ी जट (हदबस्त संख्या 89) के आयत संख्या 14, 15 और 30।
पॉकेट बी : गाँव खेड़ी जट (हदबस्त संख्या 89) के आयत संख्या 3, 4, 10, 11, 18, 19 और 26 (भाग)।
पॉकेट सी : गाँव खेड़ी जट (हदबस्त संख्या 89) के आयत संख्या 37 (भाग), 38 (भाग), 41, 42, 54 और 55 तथा गाँव बादली (हदबस्त संख्या 72) के आयत संख्या 62 (भाग), 63, 66, 67, 68 (भाग) और 97।
पॉकेट डी : गाँव बादली (हदबस्त संख्या 72) के आयत संख्या 294 और 299, गाँव पेलपा (हदबस्त संख्या 85) के आयत संख्या 3, 12, 13, 21, और 22।
पॉकेट ई : गाँव पेलपा (हदबस्त संख्या 85) के आयत संख्या 70।
पॉकेट एफ : गाँव पेलपा (हदबस्त संख्या 85) के आयत संख्या 72।
पॉकेट जी : गाँव बादली (हदबस्त संख्या 72) के आयत संख्या 368 ।
पॉकेट एच : गाँव बादली (हदबस्त संख्या 72) के आयत संख्या 379, 380, 387, और 388।

अनुराग अग्रवाल,
अपर मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,
नगर तथा ग्राम आयोजना विभाग।

नोट : उपरोक्त अधिसूचना से संबंधित नियंत्रित क्षेत्र की ड्राइंग, संदर्भ हेतु विभाग की वेबसाइट ((https://www.tcpharyana.gov.in) पर नियंत्रित क्षेत्र से संबंधित प्रभाग के अंतर्गत उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त, उक्त ड्राइंग का निरीक्षण जिला नगर योजनाकार, झज्जर के कार्यालय में कार्यालय समय के दौरान किसी भी कार्य दिवस पर भी किया जा सकता है।

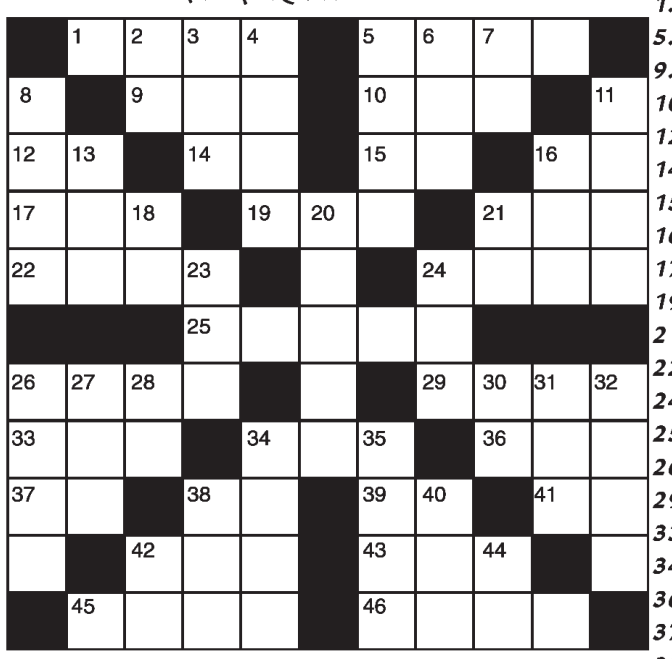

पीआरडीएच-1118/11/194/2027/46203/88/6 दि. 12.06.26

शब्द पहेली - 6255

बाएँ से दाए
1. मूर्ख, बेवकूफ (उर्दू-4)
5. संपत्ति-4
9. कटि, पीठ -3
10. प्रणाम, नमस्कार-3
12. अधीन-2
14. पितामह-2
15. कार्य-2
16. पराजय-2
17. अच्छे कुल का-3
19. तरंग, हिलोर-3
21. एक प्रकार की दाल-3
22. ओस, रजनी जल(उर्दू-4)
24. गगन, आकाश-4
25. स्वच्छ करना-5
26. आश्चर्यजनक-4
29. जो लायक न हो-4
33. उल्टी, कै-3
34. रनिवास, जनवासा-3
36. पंक्ति, लाइन-3
37. सुर, लय, आलाप-2
38. दंड, शिक्षा-2
39. पराजय-2
41. झुका हुआ -2
42. कर्म, भाग्य-3
43. भार-3
45. भूल, गलती (उर्दू-4)
46. भाग्य, नसीब-4

ऊपर से नीचे
2. अधिकार-2
3. मां का दुलार-3
4. ताली की आवाज-4
5. अनुभवी-4
6. जुड़वा-3
7. दक्षिणा-2
8. राम के पुत्र-2,2
11. अभिलाषा, -4
13. क्रूस, सूली-3
16. पाचनशक्ति-3
18. ईसाई साध्वी-2
20. जीवनसाथी -5
21. गरबा, नृत्य-2
23. मालिश-3
24. दर्पण, शीशा-3
26. ईश्वर-4
27. बाग, गुलिस्तां-3
28. क्रिकेट में बनते हैं-2
30. दुलारा, पुत्र-2
31. भरोसा, विश्वास-3
32. करामात-4
34. शेविंग करना-4
35. हाथी साधने वाला-4
38. आसान, सीधा-3
40. कपड़े धोने वाला-3
42. बलगम-2
44. सरिता-2

शब्द पहेली - 6254 का हल

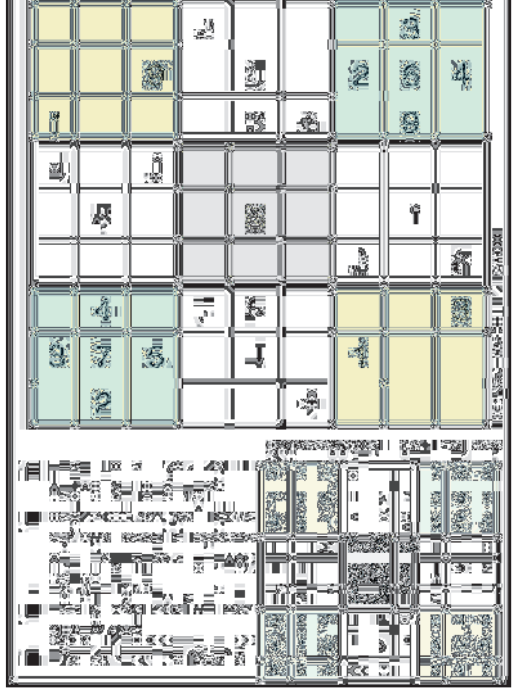

पीएम बोले- 12 वर्षों में महिला विकास को दिया बढ़ावा

विज्ञान, अंतरिक्ष और नवाचार में बढ़ रही महिलाओं की भागीदारी

पीएम मोदी ने कहा कि वित्तीय समावेशन, उद्यमिता, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, स्वच्छता, आवास, खेल, विज्ञान और शासन जैसे क्षेत्रों में महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। पीएम मोदी ने कहा कि भारत की नारी शक्ति राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। अपनी प्रतिभा, परिश्रम और कौशल से हर क्षेत्र में भारत का गौरव बढ़ा रही हैं

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा है कि पिछले 12 वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा महिला नेतृत्व वाले विकास को बढ़ावा देने के लिए किए गए प्रयासों का प्रभाव विभिन्न क्षेत्रों में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि वित्तीय समावेशन, उद्यमिता, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, स्वच्छता, आवास, खेल, विज्ञान और शासन जैसे क्षेत्रों में महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। पीएम मोदी ने कहा कि भारत की नारी शक्ति राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि देश की माताएं, बहनें और बेटियां अपनी प्रतिभा, परिश्रम और कौशल से हर क्षेत्र में भारत का गौरव बढ़ा रही हैं।

ड्रोन प्रौद्योगिकी जैसे उभरते क्षेत्रों में महिलाओं के लिए नए अवसर

नारी शक्ति राष्ट्र निर्माण की आधारशिला

महिला स्वयं सहायता समूहों को मिल रहा सक्रिय समर्थन

महिला सशक्तिकरण सरकार की प्राथमिकता

पीएम मोदी ने कहा कि सरकार के सभी प्रयास गरिमा, अवसर और सशक्तिकरण के सिद्धांतों पर आधारित हैं। इन पहलों ने ऐसा वातावरण तैयार करने में मदद की है, जहां महिलाएं अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर सकें और राष्ट्र निर्माण में अधिक प्रभावी योगदान दे सकें। उन्होंने 12 वर्षों में नारी शक्ति का उल्लेख करते हुए महिला सशक्तिकरण को सरकार की प्राथमिकता बताया।

नए क्षेत्रों में बढ़ी भागीदारी

पीएम ने विज्ञान, अंतरिक्ष और नवाचार जैसे क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि ड्रोन प्रौद्योगिकी जैसे उभरते क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी नए अवसरों के द्वार खोल रही है और देश के विकास परिदृश्य को नई दिशा दे रही है। सरकार स्वयं सहायता समूहों को सक्रिय रूप से समर्थन दे रही है। ये समूह महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बना रहे।

महिलाओं को सम्मान दिया

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार का 'विमेन-लेड डेवलपमेंट' मॉडल नारी

शक्ति के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण का नया अध्याय लिख रहा है। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान से लेकर उज्ज्वला योजना के तहत 10 करोड़ से अधिक गैस कनेक्शन और 12 करोड़ से अधिक शौचालयों के निर्माण तक महिलाओं के सम्मान और सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है।

रक्षा क्षेत्र में आगे आईं महिलाएंः राजनाथ सिंह

राजनाथ सिंह ने रक्षा क्षेत्र में महिलाओं के बढ़ते योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि

महिलाएं परिचालन, रणनीतिक और नेतृत्वकारी भूमिकाओं में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं, जिससे सशस्त्र बलों और देश की सुरक्षा को मजबूती मिल रही है। वर्ष 2014 में सेना में महिलाओं की संख्या लगभग 3,000 थी, जो 2025 तक बढ़कर 11,000 हो गई है।

खबर संक्षेप

तमिलनाडु में किसानों को 134.83 करोड़ दिए

चेन्नई। तमिलनाडु के सीएम सी. जोसेफ विजय ने राज्य में धान की खेती को बढ़ावा देने के लिए

'कुरुवई विशेष पैकेज योजना 2026' की घोषणा की है। इस योजना पर 134.83 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इसका लाभ कावेरी डेल्टा और गैर-डेल्टा दोनों क्षेत्रों के किसानों को मिलेगा। राज्य में बड़े पैमाने पर धान की खेती होती है। खेती के साथ-साथ सीएम ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए 'सिंगापेन स्पेशल फोर्स' की भी शुरुआत की है।

खड़े ट्रक से टकराई कार, 4 लोगों की मौत

उन्नाव। उन्नाव जिले में गंगा एक्सप्रेसवे पर एक कार के खड़े ट्रक से टकरा जाने के कारण चार

लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, यह हादसा आसीवन थाना क्षेत्र में हुआ, जब तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराई। कार में सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। उसने बताया कि घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें भी मृत घोषित कर दिया। क्षतिग्रस्त वाहनों को एक्सप्रेसवे से हटा दिया गया है और यातायात सामान्य कर दिया गया है।

दिल्ली में आग से परिवार के 3 लोगों की मौत

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के गोविंदपुरी इलाके में पांच मंजिला आवासीय इमारत में आग लगने से

बोलने में अक्षम एक महिला समेत एक परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई जबकि 70 वर्षीय महिला समेत दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि आशंका है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी है। उनके मुताबिक, मृतकों की पहचान मोबाइल मरम्मत की दुकान चलाने वाले पंकज (28), बोलने में अक्षम उनकी मां गुड्डी (50) और बहन सोनी (20) के तौर पर हुई है। ये सभी इमारत की तीसरी मंजिल पर रहते थे।

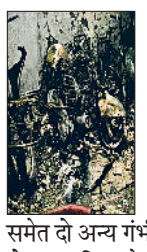

कोलकाता में खुला भारत का पहला एआई डेटा लैब

कोलकाता। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने एआई की

दुनिया में एक बड़ा कदम उठाया है। टीसीएस ने टेक दिग्गज ओरेकल के साथ साझेदारी करते हुए कोलकाता के 'डेल्टा पार्क लॉड्र्स' में भारत का पहला ओरेकल एआई डेटा प्लेटफॉर्म लैब और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस लॉन्च किया। किया। इस अत्याधुनिक लैब का मुख्य उद्देश्य बड़े उद्यमों को अपने कामकाज में एआई को तेजी से अपनाने और डेटा-आधारित डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन को बढ़ावा देने में मदद करना है।

टीएमसी में असली-नकली की लड़ाई: बागी संसदीय समूह की मान्यता चाह रहे

ममता के बागी 19 सांसदों के नामों का खुलासा सोमवार को लोकसभा स्पीकर बिरला से मिलेंगे

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

बागी सांसद बसुनिया ने बताया कि हम स्पीकर से हमारे दावे को मान्यता देने का आग्रह करेंगे। उन्होंने दावा किया कि 19 सांसदों ने ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। हस्ताक्षर इकट्ठा करने की प्रक्रिया 8 जून को शुरू हुई थी

ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस में फूट अब तय है। विधानसभा के 80 में से 58 विधायकों के बगावत के बाद लोकसभा के बागी 19 सांसदों का लेटर शुक्रवार को सामने आया। सूत्रों के मुताबिक इसे 18 मई को लोकसभा स्पीकर को भेजा गया था और अलग गुट बनाने की मांग की गई है। इससे साफ है कि ममता की हार के 14 दिन बाद ही पार्टी में बगावत शुरू हो गई थी। इस चिठ्ठी में यूसुफ पठान, सायोनी घोष, काकोली घोष और शताब्दी रॉय जैसे बड़े नाम शामिल हैं। अब ममता बके बागी सांसदों ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मिलकर पार्टी के 'असली टीएमसी' संसदीय समूह के तौर पर मान्यता की मांग पाने की तैयारी शुरू कर दी है। कूचबिहार से सांसद जगदीश चंद्र बर्मा बसुनिया ने स्पीकर से मिलने की बात कही है और बागी सांसदों के समूह को असली टीएमसी होने का दावा किया है। बागी सांसद बसुनिया ने बताया कि हमने लोकसभा स्पीकर को पत्र सौंप दिया है। सोमवार को हम स्पीकर के पास जाएंगे और असली टीएमसी संसदीय समूह बनाने का अपना दावा पेश करेंगे।

19 सांसदों ने 'असली टीएमसी' दावे के ज्ञापन पर 18 मई को ही कर दिए थे हस्ताक्षर

जगदीश बसुनिया

ओम बिरला

लोकसभा अध्यक्ष के पास जमा कराए नाम

वरिष्ठ नेताओं काकोली घोष दस्तिदार और शताब्दी रॉय सहित 19 अलग हुए सांसदों ने 18 मई को लोकसभा अध्यक्ष के कार्यालय में अपने नाम जमा कराए थे। इस सूची में शामिल हैं- बापी हलदार, डॉ. शर्मिला सरकार, प्रसून बंद्योपाध्याय, जगदीश बर्मा बसुनिया, असित कुमार माल, अरूप चक्रवर्ती, रचना बनर्जी, सायोनी घोष, खलीलुर रहमान, अबू ताहेर खान, यूसुफ पठान, मिताली बाग, माला रॉय, कालिपदा सोरेन, दीपक अधिकारी, जून मालिया और पार्थ भौमिक।

पार्टी को नए सिरे से खड़ा करेंगे

टीएमसी के बागी सांसद अरूप चक्रवर्ती ने दावा किया कि करीब 20

सांसद उनके गुट का समर्थन कर रहे हैं। उनका गुट टीएमसी को नए रूप में फिर से खड़ा करना चाहता है और राज्य तथा केंद्र के बीच 'डबल इंजन सरकार' के साथ काम करना चाहता है। हम टीएमसी को बचाना चाहते हैं। हमारे चुने हुए प्रतिनिधि टीएमसी के साथ मिलकर एक नई पार्टी बनाएंगे। हम अपनी 20 सीटों के साथ अलग बैठना चाहते हैं। हम किसी की चापलूसी करने नहीं जा रहे हैं।

ममता बनर्जी के खिलाफ शिकायत दर्ज

चुनाव से पहले सांप्रदायिक बयान देने का आरोप

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है। उन पर विधानसभा चुनाव से पहले कोलकाता में धरना मंच से कथित तौर पर सांप्रदायिक टिप्पणी करने का आरोप है। ममता बनर्जी के खिलाफ नेताजी नगर थाने में शिकायत दर्ज की गई है। मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

सीएम मोहन मांझी दो साल पूरे होने पर उपलब्धियों की जानकारी देते हुए

केजी से लेकर पीजी तक की पढ़ाई पूरी तरह 'मुफ्त'

एजेंसी ⏭ भुवनेश्वर

ओडिशा सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐसा फैसला लिया है, जो तमाम राज्यों के लिए भी एक उदाहरण बन सकता है।ओडिशा के सीएम मोहन चरण माझी ने ऐलान किया है कि अब राज्य के सरकारी स्कूलों और कॉलेजों में किंडरगार्टन (केजी) से लेकर पोस्टग्रेजुएट (पीजी) स्तर तक की पढ़ाई बिल्कुल मुफ्त होगी। इस फैसले से राज्य के तमाम छात्रों को फायदा होगा और शिक्षा को लेकर जागरुकता भी आएगी। सबसे ज्यादा उन परिवारों को इसका लाभ मिलेगा, जिनके बच्चे पैसों की तंगी के चलते स्कूल या फिर कॉलेज नहीं जा पाते हैं। ओडिशा के सीएम ने राज्य में भाजपा सरकार के दो साल पूरे होने के मौके पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

युवाओं का भविष्य मजबूत होगा

सीएम ने कहा कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य शिक्षा को हर वर्ग तक पहुंचाना और आर्थिक कारणों से पढ़ाई छोड़ने की समस्या को कम करना है। फैसले से राज्य के सभी छात्रों को फायदा होगा, खासतौर पर उन लड़कियों और आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के बच्चों को, जो स्कूल नहीं जा पाते हैं। शिक्षा पर होने वाले खर्च को कम करके अधिक से अधिक छात्रों को उच्च शिक्षा तक पहुंचने का अवसर मिलेगा। शिक्षा को पूरी तरह से मुफ्त बनाने और सभी के लिए आसान करने के लिए सरकार की तरफ से ये फैसला लिया गया है।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में हादसा

सीमा के पास प्रैक्टिस के दौरान ग्रेनेड फटा, दो जवान शहीद

एजेंसी ⏭ जम्मू

पुंछ। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में शुक्रवार को पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के पास प्रैक्टिस सेशन के दौरान गलती से ग्रेनेड फटने से भारतीय सेना के दो सैनिक घायल हो गए जिन्हें अस्पताल पहुंचाया गया जहां दोनों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि यह घटना तब हुई जब सैनिक बॉर्डर के पास एक फॉरवर्ड एरिया में ट्रेनिंग एक्सरसाइज़ कर रहे थे। इस इलाके में पहले भी ट्रेनिंग और ऑपरेशनल गतिविधियों के दौरान गलती से ग्रेनेड फटने की ऐसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं। सुरक्षा एजेंसियों और सेना के अधिकारी जांच कर रहे हैं कि आखिर किन हालात में यह धमाका हुआ।

दोनों जवान महाराष्ट्र के निवासी

श्रीनगर में सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल मनोज साहू ने बताया कि शहीद सैनिकों की पहचान अर्जुन जाधव और विक्रम बालकृष्ण के रूप में हुई है। दोनों महाराष्ट्र के निवासी थे। गंभीर रूप से घायल होने के बाद उन्हें श्रीनगर के बादामीबाग छावनी स्थित सेना के बेस अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन डॉक्टरों के तमाम प्रयासों के बावजूद उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। दोनों सैनिक 8 राष्ट्रीय राइफल्स से संबद्ध थे।

एलओसी पर सेना डटी

जम्मू-कश्मीर में बारामूला, कुपवाड़ा और बांदीपोरा जिलों से होकर लगभग 740 किलोमीटर लंबी एलओसी गुजरती है। जम्मू डिवीजन में एलओसी पुंछ, राजौरी और आंशिक रूप से जम्मू जिले में स्थित है। इसके अलावा, केंद्र शासित प्रदेश की लगभग 240 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा सांबा, जम्मू और कठुआ जिलों से होकर गुजरती है। एलओसी की सुरक्षा भारतीय सेना करती है।

वित्त, कॉरपोरेट कानून और ऊर्जा पर गहन 'मंथन'

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

कॉर्पोरेट कानून (संशोधन) विधेयक, वित्त और ऊर्जा क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करते हुए, शुक्रवार को नई दिल्ली में तीन महत्वपूर्ण संसदीय समिति की बैठकें हुईं। तीनों समितियां अपने-अपने क्षेत्रों में नीतियों और विधायी सुधारों को आकार देने के उद्देश्य से विस्तृत चर्चाओं और विचार-विमर्श में सक्रिय रूप से लगी हुई हैं। कॉर्पोरेट कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 पर संयुक्त समिति की बैठक हुई। बैठक में समिति के सदस्य सुधीर गुप्ता, संजय के झा और मगुंटा एस रेड्डी ने भाग लिया। ऊर्जा संबंधी स्थायी समिति की बैठक के एजेंडे में विद्युत मंत्रालय और उत्तर पूर्वी विद्युत निगम लि. (एनईईपीको) के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। वित्त संबंधी समिति के सत्र में प्रतिभूति बाजार संहिता, 2025 विधेयक पर आंतरिक विचार-विमर्श किया गया।

खाड़ी देशों में फंसे सीबीएसई छात्रों के लिए खुशखबर

जिनके नतीजे रुके थे, ऐसे छात्रों के लिए विशेष नीति बना रहा केंद्र

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया के कई देशों में जारी तनाव और संघर्ष के कारण जिन छात्रों के सीबीएसई बोर्ड परीक्षा परिणाम घोषित नहीं हो सके हैं, उनके लिए राहत की खबर सामने आई है। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि वह ऐसे छात्रों के लिए एक विशेष नीति बनाने पर विचार कर रही है। इससे उन विद्यार्थियों को फायदा मिल सकता है जिनकी परीक्षाएं प्रभावित हुईं।

22 जून तक टली सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि यह केवल एक छात्र का मामला नहीं है, बल्कि ऐसे कई छात्र हैं जो समान परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने अदालत को बताया कि सरकार इस मुद्दे पर व्यापक स्तर पर विचार कर रही है और जल्द ही कोई निर्णय सामने आ सकता है। इसके बाद न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 22 जून तक टाल दी।

सऊदी अरब के छात्र ने लगाई थी याचिका

यह मामला सऊदी अरब में रहने वाले छात्र प्रांशु जिगरकुमार पटेल की याचिका से जुड़ा है। छात्र का कहना है कि उसका परिणाम अब तक घोषित नहीं किया गया है और उसकी स्थिति 'आरएल (रिजल्ट लेटर)' दिखाई जा रही है। परिणाम न आने की वजह से वह उच्च शिक्षा के कई अवसरों से वंचित हो सकता है।

अपने पुराने बैंक खाते में पैसे जमा करके भूल गए?

जो आपका है उसे वापस दिलाने में आरबीआई आपकी मदद करेगा।

आपके बैंक के निष्क्रिय खाते (2 वर्ष से ज़्यादा और 10 वर्ष तक असक्रिय) में जमा पैसे / दावा न की गई जमा राशि (10 वर्ष से अधिक) को आरबीआई के डीईए फंड में ट्रांसफर कर दिया जाता है। आप या आपके क़ानूनी वारिस उसे कभी भी वापस ले सकते हैं।

आपके पैसे वापस पाने के 3 आसान चरण

1. आपके बैंक की किसी भी शाखा में जाएं, भले ही वो आपकी नियमित शाखा न हो।
2. केवाईसी दस्तावेजों (आधार, पासपोर्ट, मतदाता पहचान पत्र या ड्राइविंग लाइसेंस) के साथ फॉर्म जमा करें।
3. सत्यापन के बाद ब्याज समेत, यदि है तो, अपने पैसे वापस पाएं।

आपके दावा न किए गए पैसे के बारे में जानने के लिए

आपके बैंक की वेबसाइट पर खोजें या आरबीआई के UDGAM पोर्टल (https://udgam.rbi.org.in) पर देखें, जिसमें फ़िलहाल 30 बैंक शामिल हैं।

अधिक जानकारी के लिए https://rbikehtahai.rbi.org.in देखिए
प्रतिक्रिया के लिए rbikehtahai@rbi.org.in पर लिखिए
क्यूआर कोड स्कैन कीजिए
आधिकारिक व्हॉट्सऐप नंबर 99990 41935

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

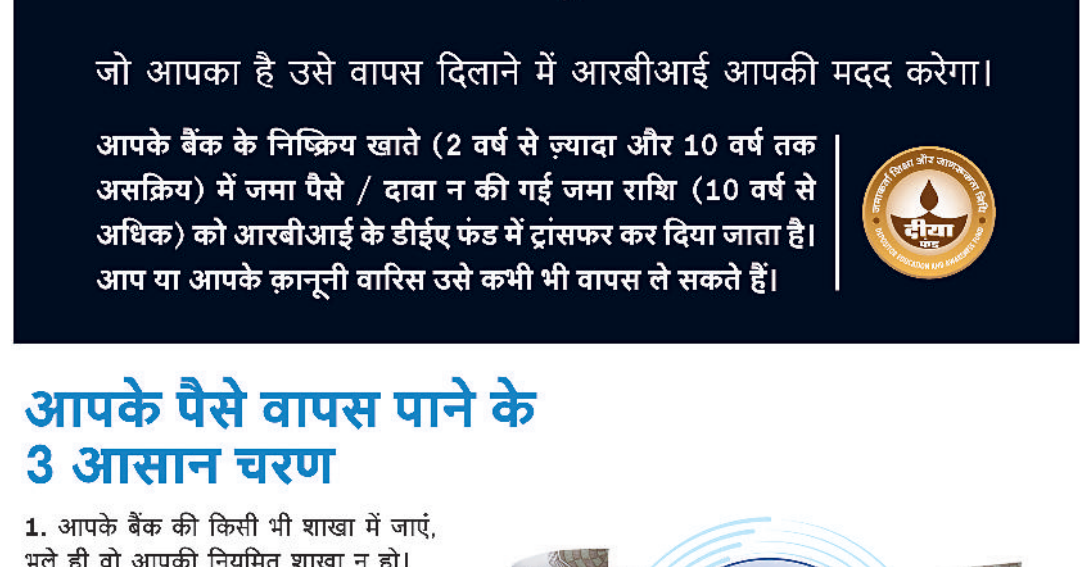

चिंतन

गरीब की थाली तक खाड़ी युद्ध का दबाव

अमेरिका-ईरान के बीच जारी जंग का असर अब गरीब की थाली पर भी दिखने लगा है। हाल के महीनों में खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों ने गरीब और मध्यम वर्ग की चिंता को और बढ़ा दिया है। मई में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 3.93 प्रतिशत और खाद्य महंगाई 4.78 प्रतिशत तक पहुंच जाना इस बात का संकेत है कि रसोई का बजट लगातार दबाव में है। टमाटर, अदरक और अन्य आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतों में तेज उछाल ने परिवारों की मासिक योजनाओं को प्रभावित किया है। वहीं, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और खाड़ी क्षेत्र में युद्ध जैसी स्थिति इस समस्या को लगातार गंभीर बनाती जा रही है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर खाड़ी देशों से आयातित कच्चे तेल पर निर्भर है। जब भी इस क्षेत्र में युद्ध या राजनीतिक तनाव बढ़ता है, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें अस्थिर हो जाती हैं। तेल महंगा होने का असर केवल पेट्रोल और डीजल तक सीमित नहीं रहता, बल्कि परिवहन, भंडारण और उत्पादन लागत बढ़ने के कारण इसका प्रभाव खाद्य पदार्थों की कीमतों पर भी पड़ता है। यही कारण है कि खाड़ी क्षेत्र में चल रहे संघर्ष का दबाव अंततः गरीब की थाली तक पहुंच रहा है। महंगाई का सबसे अधिक असर उन परिवारों पर पड़ता है, जिनकी आय सीमित है। गरीब और निम्न मध्यम वर्ग के लिए भोजन, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी जरूरतों के बीच संतुलन बनाना कठिन हो जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य महंगाई दर शहरी क्षेत्रों से अधिक होना इस बात का प्रमाण है कि किसान और ग्रामीण परिवार भी इस संकट से अछूते नहीं हैं। खाद्य महंगाई के पीछे केवल अंतरराष्ट्रीय कारण ही नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन, अत्यधिक गर्मी, बेमौसम बारिश और आपूर्ति श्रृंखला में आने वाली बाधाएं भी कीमतों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। कई फसलों के उत्पादन में कमी और समय पर बाजार तक आपूर्ति न हो पाने से मांग और उपलब्धता के बीच अंतर बढ़ रहा है। इसका सीधा परिणाम उपभोक्ताओं को अधिक कीमत चुकाने के रूप में भुगतना पड़ रहा है। रोजमर्रा की जरूरत वाली सब्जियों और अन्य खाद्य पदार्थों की महंगाई आम उपभोक्ता के लिए बड़ी चिंता बनी हुई है। यही वजह है कि भारतीय रिजर्व बैंक ने भी आगामी वित्त वर्ष के लिए महंगाई के अनुमान को बढ़ाया है। यह संकेत है कि आने वाले समय में कीमतों पर दबाव बना रह सकता है। दूसरी ओर, रिजर्व बैंक को भी महंगाई नियंत्रण और आर्थिक विकास के बीच संतुलन बनाए रखना होगा। केवल ब्याज दरों में बदलाव से खाद्य महंगाई पर पूरी तरह नियंत्रण संभव नहीं है, क्योंकि इसके पीछे आपूर्ति संबंधी कारण अधिक प्रभावी हैं। इसलिए केंद्र और राज्यों को मिलकर कृषि, भंडारण और वितरण व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। कुल मिलाकर यह समझना होगा कि महंगाई केवल आर्थिक आंकड़ों का विषय नहीं है, बल्कि यह करोड़ों परिवारों की रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ा सवाल है। खाड़ी क्षेत्र का युद्ध, वैश्विक तनाव, जलवायु परिवर्तन और घरेलू आपूर्ति संबंधी चुनौतियां मिलकर आम आदमी की थाली को प्रभावित कर रही हैं। यदि समय रहते प्रभावी नीतिगत कदम नहीं उठाए गए, तो इसका सबसे बड़ा बोझ उन लोगों पर पड़ेगा, जो पहले से ही सीमित संसाधनों के सहारे जीवन यापन कर रहे हैं। इसलिए सरकार, रिजर्व बैंक और समाज के सभी हितधारकों को मिलकर ऐसा समाधान तलाशना होगा, जो आर्थिक स्थिरता के साथ-साथ गरीब की थाली की सुरक्षा भी सुनिश्चित कर सके।

सियासत

कांतिलाल मांडोत

कांग्रेस-तृणमूल में अस्तित्व की लड़ाई

दिल्ली में राहुल गांधी और अभिषेक बनर्जी की मुलाकात तथा उससे पहले सोनिया गांधी और ममता बनर्जी के बीच हुई बातचीत ने राष्ट्रीय राजनीति में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। इन बैठकों को लेकर भले ही किसी भी पक्ष ने औपचारिक रूप से किसी गठबंधन या विलय की संभावना की पुष्टि नहीं की हो, लेकिन राजनीति में संकेतों का महत्व हमेशा शब्दों से अधिक माना जाता है। विशेष रूप से तब, जब दोनों दल अपने-अपने राजनीतिक जीवन के कठिन दौर से गुजर रहे हों।

ऐसे समय में लगातार हो रही मुलाकातें केवल शिष्टाचार तक सीमित नहीं मानी जा सकतीं। इनके पीछे बदलते राजनीतिक समीकरणों और भविष्य की रणनीतियों की झलक भी दिखाई देती है। भारतीय राजनीति में कांग्रेस कभी देश की सबसे शक्तिशाली राजनीतिक पार्टी रही है। स्वतंत्रता आंदोलन की विरासत और लंबे समय तक केंद्र तथा राज्यों में सत्ता के कारण कांग्रेस का प्रभाव लगभग पूरे देश में फैला हुआ था। लेकिन पिछले एक दशक में पार्टी का जनाधार लगातार कमजोर हुआ है। कई राज्यों में उसका संगठन लगभग निष्क्रिय हो चुका है। उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे बड़े राज्यों में कांग्रेस अब मुख्य राजनीतिक शक्ति नहीं रह गई है। राष्ट्रीय स्तर पर भी उसका वोट प्रतिशत और सीटों की संख्या पहले की तुलना में काफी घट चुकी है। कांग्रेस की सबसे बड़ी चुनौती यह रही है कि वह भाजपा के उभार के सामने एक प्रभावी वैकल्पिक राजनीतिक कथा प्रस्तुत नहीं कर सकी। कई राज्यों में क्षेत्रीय दलों ने कांग्रेस के पारंपरिक वोट बैंक में सेंध लगाई। कहीं जातीय राजनीति ने जगह बनाई तो कहीं क्षेत्रीय अस्मिता का मुद्दा कांग्रेस पर भारी पड़ा। परिणाम यह हुआ कि राष्ट्रीय पार्टी होने के बावजूद कांग्रेस का प्रभाव सीमित क्षेत्रों तक सिमटता गया। हालांकि राहुल गांधी की यात्राओं और विपक्षी एकता के प्रयासों ने पार्टी को कुछ हद तक राजनीतिक चर्चा के केंद्र में बनाए रखा, लेकिन यह भी सच है कि कांग्रेस अभी तक अपनी पुरानी ताकत हासिल नहीं कर सकी है। दूसरी ओर, तृणमूल कांग्रेस की कहानी भी कम दिलचस्प नहीं है। ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में तीन दशक से अधिक समय तक सत्ता में रही वामपंथी सरकार को हटाकर एक नई राजनीतिक शक्ति खड़ी की थी। बाद में उन्होंने भाजपा की चुनौती का भी सफलतापूर्वक मुकाबला किया। एक समय ऐसा लगा कि तृणमूल कांग्रेस केवल बंगाल तक सीमित पार्टी नहीं रहेगी, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यदि बंगाल में तृणमूल कांग्रेस को अपेक्षित समर्थन नहीं मिलता और पार्टी के भीतर असंतोष बढ़ता है, तो यह उसके लिए गंभीर चुनौती बन सकती है। किसी भी क्षेत्रीय दल की ताकत उसके मजबूत संगठन और निर्विवाद नेतृत्व पर आधारित होती है। जब संगठन में टूट-फूट शुरू होती है और नेताओं का विश्वास डगमगाने लगता है, तब राजनीतिक भविष्य को लेकर चिंताएं स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती हैं। ऐसे माहौल में राष्ट्रीय स्तर पर सहयोगी तलाशना एक व्यावहारिक राजनीतिक विकल्प बन जाता है। यही कारण है कि राहुल गांधी और अभिषेक बनर्जी की मुलाकात को केवल एक सामान्य राजनीतिक बैठक के रूप में नहीं देखा जा रहा। यह

मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब कांग्रेस अपने खोए हुए जनाधार को वापस पाने की कोशिश कर रही है और तृणमूल कांग्रेस अपने राजनीतिक प्रभाव को बनाए रखने की चुनौती से जूझ रही है। दोनों दलों की परिस्थितियां अलग-अलग हैं, लेकिन उनकी चिंता एक जैसी है- राजनीतिक प्रासंगिकता को बनाए रखना। दोनों दलों के संबंधों का इतिहास भी उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। ममता बनर्जी स्वयं कांग्रेस की ही उपज हैं। उन्होंने कांग्रेस से अलग होकर तृणमूल कांग्रेस बनाई थी और बाद में बंगाल की राजनीति में कांग्रेस को काफी पीछे छोड़ दिया। लंबे समय तक दोनों दलों के बीच प्रतिस्पर्धा और अविश्वास का माहौल रहा। कई चुनावों में दोनों एक-दूसरे के खिलाफ लड़े। इसलिए आज यदि दोनों दलों के बीच संवाद बढ़ रहा है तो यह केवल वैचारिक निकटता का परिणाम नहीं, बल्कि राजनीतिक आवश्यकता का संकेत भी माना जा सकता है। राजनीति में स्थायी मित्र और स्थायी शत्रु नहीं होते। परिस्थितियां बदलती हैं तो रणनीतियां भी बदलती हैं। यदि कांग्रेस को लगता है कि क्षेत्रीय दलों के साथ बेहतर तालमेल के बिना भाजपा का मुकाबला कठिन है, तो वह पुराने मतभेदों को पीछे छोड़ सकती है। इसी प्रकार यदि तृणमूल कांग्रेस को लगता है कि राष्ट्रीय स्तर पर अकेले आगे बढ़ना मुश्किल है, तो वह भी पुराने रिश्तों को फिर से मजबूत करने की कोशिश कर सकती है। हालांकि किसी संभावित गठबंधन या समझौते के सामने कई चुनौतियां भी हैं। कांग्रेस एक राष्ट्रीय पार्टी है और उसकी अपनी संगठनात्मक संरचना है। वहीं, तृणमूल कांग्रेस का पूरा राजनीतिक मॉडल ममता बनर्जी के नेतृत्व के इर्द-गिर्द विकसित हुआ है। ऐसे में किसी भी बड़े राजनीतिक समझौते को जमीन पर लागू करना आसान नहीं होगा। फिर भी यह तथ्य नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि भारतीय राजनीति में जनाधार का क्षरण दलों को नए विकल्प तलाशने के लिए मजबूर करता है। जब राजनीतिक समर्थन घटने लगता है तो विचारात्मक मतभेद भी अपेक्षाकृत कम महत्वपूर्ण हो जाते हैं और अस्तित्व का प्रश्न प्रमुख हो जाता है। कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस की वर्तमान स्थिति को इसी दृष्टि से देखा जाना चाहिए। आज कांग्रेस अपने गौरवशाली अतीत और अनिश्चित भविष्य के बीच खड़ी है। वहीं तृणमूल कांग्रेस अपने क्षेत्रीय प्रभुत्व को बचाए रखने की चुनौती का सामना कर रही है। दोनों दलों के सामने सबसे बड़ी आवश्यकता जनता का विश्वास दोबारा अर्जित करने की है। केवल राजनीतिक समीकरणों और नेताओं की मुलाकातों से जनाधार वापस नहीं आता। इसके लिए मजबूत संगठन, स्पष्ट नेतृत्व, विश्वसनीय नीतियां और जनता के मुद्दों से निरंतर जुड़ाव आवश्यक होता है। राहुल गांधी, सोनिया गांधी, ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी की हालिया मुलाकातों ने राजनीतिक अटकलों को जरूर हवा दी है, लेकिन इन मुलाकातों का वास्तविक महत्व आने वाले समय में ही स्पष्ट होगा।

फिलहाल इतना जरूर कहा जा सकता है कि यह दौर भारतीय राजनीति में नए समीकरणों के निर्माण का है। जिन दलों ने कभी एक-दूसरे के खिलाफ अपनी राजनीतिक पहचान बनाई थी, वे आज बदलती परिस्थितियों के कारण संवाद की राह पर दिखाई दे रहे हैं। जब जनाधार मजबूत होता है तो दल आत्मविश्वास से भरे रहते हैं, लेकिन जब वह कमजोर पड़ने लगता है तो नए सहयोगियों की तलाश और पुराने रिश्तों की पुनर्स्थापना राजनीति की अनिवार्यता बन जाती है। कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस की मौजूदा स्थिति भी इसी राजनीतिक यथार्थ को प्रतिबिंबित करती है। आने वाले महीनों में यह स्पष्ट होगा कि ये मुलाकातें केवल राजनीतिक शिष्टाचार थीं या फिर भारतीय राजनीति में किसी नए अध्याय की शुरुआत का संकेत।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

श्रद्धांजलि

डॉ. घनश्याम बादल

गोल्डन बॉय शूटर जसपाल राणा का यूं अचानक जाना

भारतीय खेल जगत के लिए 12 जून 2026 का दिन एक गहरे शोक में बदल गया, जब देश के महानतम निशानेबाजों में से एक, अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शूटर और कोच जसपाल राणा के निधन का समाचार सामने आया। मात्र 49 वर्ष की आयु में उनका जाना न केवल भारतीय निशानेबाजी के लिए, बल्कि पूरे खेल जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। जिस खिलाड़ी ने दशकों तक अपने अचूक निशाने से भारत का तिरंगा विश्व मंच पर लहराया और बाद में प्रशिक्षक के रूप में नई पीढ़ी के खिलाड़ियों को सफलता का मार्ग दिखाया, उसका इस प्रकार अचानक चले जाना विश्वास करना कठिन है। उत्तराखंड के उत्तरकाशी की धरती पर जन्मे जसपाल राणा ने उस समय भारतीय निशानेबाजी को पहचान दिलानी शुरू की, जब यह खेल देश में अपेक्षाकृत कम लोकप्रिय था। कम उम्र में ही उनकी प्रतिभा ने खेल विशेषज्ञों का ध्यान आकर्षित कर लिया था। उनके पिता नारायण सिंह राणा स्वयं शूटिंग से जुड़े रहे और उन्होंने ही अपने पुत्र की प्रतिभा को तराशने का कार्य किया। देखते ही देखते, यह युवा खिलाड़ी भारतीय निशानेबाजी का पर्याय बन गया। जसपाल राणा की उपलब्धियों की सूची इतनी लंबी है कि उसे संक्षेप में समेटना कठिन है। वे भारत के सबसे सफल कॉमनवेल्थ गेम्स खिलाड़ियों में गिने जाते हैं। उन्होंने 1994 से 2006 के बीच आयोजित चार राष्ट्रमंडल खेलों में कुल 15 पदक जीते, जिनमें 9 स्वर्ण, 4 रजत और 2 कांस्य पदक शामिल हैं। यह उपलब्धि उन्हें भारतीय खेल इतिहास के सर्वाधिक सफल खिलाड़ियों की श्रेणी में स्थापित करती है। एशियाई खेलों में भी उनका

प्रदर्शन असाधारण रहा। 1994 एशियन गेम्स में उन्होंने स्वर्ण पदक जीतकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। इसके बाद 2006 के एशियाई खेलों में उन्होंने 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल और 25 मीटर सेंटर फायर पिस्टल स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीतकर भारत का गौरव बढ़ाया। सेंटर फायर पिस्टल प्रतियोगिता में उन्होंने विश्व रिकॉर्ड की बराबरी भी की थी। एशियाई खेलों में उनके खाते में कुल आठ पदक दर्ज हैं, जो उनकी निरंतरता और उत्कृष्टता का प्रमाण हैं। देश ने भी उनकी उपलब्धियों का सम्मान किया। मात्र 18 वर्ष की आयु में उन्हें 1994 में प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार प्रदान किया गया। यह सम्मान प्राप्त करने वाले वे सबसे कम उम्र के खिलाड़ियों में शामिल थे। इसके बाद 1997 में उन्हें देश के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मश्री से अलंकृत किया गया। खेल जगत में उनकी सेवाओं और प्रशिक्षक के रूप में योगदान को देखते हुए वर्ष 2020 में उन्हें द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह एक दुर्लभ उपलब्धि है कि किसी खिलाड़ी को खिलाड़ी और प्रशिक्षक दोनों रूपों में देश के सर्वोच्च सम्मानों से नवाजा जाए। हालांकि जसपाल राणा की महानता केवल उनके जीते गए पदकों तक सीमित नहीं थी। खेल जीवन के बाद उन्होंने भारतीय निशानेबाजी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का बीड़ा उठाया। वे उन प्रशिक्षकों में रहे जिन्होंने खिलाड़ियों के भीतर आत्मविश्वास, अनुशासन और विजेता मानसिकता का विकास किया। भारतीय निशानेबाजी की नई पीढ़ी, विशेषकर मनु भाकर जैसी खिलाड़ियों की सफलता के पीछे उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। पेरिस ओलंपिक में मनु भाकर की ऐतिहासिक सफलता ने यह सिद्ध कर दिया था कि जसपाल राणा केवल महान खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि असाधारण गुरु भी थे। उनका असमय निधन इसलिए भी अधिक पीड़ादायक है क्योंकि वे अभी भी भारतीय शूटिंग के विकास में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। उनके अनुभव, मार्गदर्शन और नेतृत्व की देश को आगे भी आवश्यकता थी। उनके जाने से जो रिक्तता पैदा हुई है, उसे भर पाना आसान नहीं होगा। पदक जीतने वाले खिलाड़ी समय-समय पर आते रहेंगे, लेकिन खेल को दिशा देने वाले व्यक्तित्व विरले ही जन्म लेते हैं। आज जब हम जसपाल राणा को अंतिम विदाई दे रहे हैं, तब उनके द्वारा जीते गए स्वर्ण पदकों, स्थापित रिकॉर्डों और प्राप्त सम्मानों से कहीं अधिक उनकी वह विरासत स्मरणीय है जो उन्होंने आने वाली पीढ़ियों को सौंपी है। उनके निशाने ने केवल लक्ष्य भेदे नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीय युवाओं के सपनों को भी दिशा दी। भारतीय खेल इतिहास में उनका नाम सदैव स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा। भारतीय खेल जगत का यह सितारा भले ही अस्त हो गया हो, किंतु उसकी चमक कभी मंद नहीं पड़ेगी। भावभीनी श्रद्धांजलि।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

चेतना की चौथी अवस्था है शिव तत्व

संकलित

दर्शन

शिव को अनुभव करने का प्रयास न करें। आपको बस उस पल में मौजूद रहना है और निश्चिंत रहना है, शिव तत्व पहले से ही वहां मौजूद है। हमारी चेतना की 3 अवस्थाएं हैं - जाग्रत, स्वप्न और सुषुप्ति, और चेतना की एक चौथी अवस्था भी है, जहां हम न तो जाग्रत होते हैं, न स्वप्न देखते हैं और न ही सोते हैं। इसका अनुभव ध्यान में होता है। उस चौथी अवस्था की झलक को ही शिव तत्व कहा जाता है। उपनिषद कहते हैं शिवम्, शांतम्, अद्वैतम्, चतुर्थम्, मन्यन्ते, सा आत्मा, सा विज्ञेय। अर्थात शुभ, शांतिपूर्ण चौथी अवस्था, जहां दो नहीं हैं, वह तुम्हारा स्वरूप है, वही जानने योग्य है। आपको क्या लगता है कि आप क्या हैं? आप केवल एक नाम नहीं हैं, मात्र एक रूप नहीं हैं। आप वह प्रकाशमान चेतना हैं जो शिव तत्व है। शिव का मंदिर पत्थरों से नहीं मनुष्य की चेतना से बना है। वह जो संपूर्ण ब्रह्मांड को समाहित करता है, वह सत्ता जिसमें हर जीवन समाया है, वह रहस्यमय शिव तत्व है। नटराज स्वयं चेतना हैं, उनमें पांच तत्वों को दर्शाया गया है। चेतना का नृत्य संपूर्ण ब्रह्मांड है। यह ब्रह्मांड संघर्ष या कष्ट नहीं दे रहा है; यह हर क्षण उत्सव मना रहा है। ये आनंद है, जो यह नहीं जानता, वह दुःखी होता है, निराश होता है, पीड़ित होता है। जो यह जानता है कि यह संपूर्ण सृष्टि एक नृत्य है, उसे आनंद मिलता है। यह सत्य शिव तत्व है।

व्यक्ति की अच्छी बातों को याद कर उसे जीवन में उतारें

संकलित

प्रेरणा

महाभारत में श्रीकृष्ण की मदद से पांडवों ने कौरवों का पराजित कर दिया था, इसके बाद युधिष्ठिर राजा बन गए। महाभारत युद्ध के बाद जब श्रीकृष्ण द्वारका पहुंचे तो कुछ समय बाद यदुवंशी आपस में लड़कर मारे गए। जब श्रीकृष्ण का अपने धाम लौटने का समय आया तो उन्होंने अपना अंतिम ज्ञान उद्धव को दिया था। उद्धव श्रीकृष्ण के काका के बेटे थे और बहुत विद्वान थे। उद्धव ने श्रीकृष्ण से कई प्रश्न पूछे और भगवान ने सभी प्रश्नों के उत्तर दिए। जब उद्धव श्रीकृष्ण की बातों से संतुष्ट हो गए तो श्रीकृष्ण ने कहा कि उद्धव, अब मैं अपने धाम जाऊंगा यानी मैं इस संसार को छोड़कर जाने वाला हूं। अब तुम्हें भी मुझसे विदा होना होगा। ये बात सुनकर उद्धव दुखी हुए और उन्होंने श्रीकृष्ण का हाथ पकड़ लिया और कहा कि आप इस तरह मुझे छोड़कर नहीं जा सकते, मैं भी आपके साथ चलूंगा। श्रीकृष्ण ने उद्धव को समझाते हुए कहा कि इस दुनिया में सभी अकेले आते हैं और अकेले ही जाते हैं। इतना कहने के बाद श्रीकृष्ण ने अपनी चरण पादुकाएं उद्धव को भेंट में दे दीं और कहा, इस भेंट को याद रखना और अब तुम बद्रीकाश्रम चले जाओ। बद्रीनाथ के पर्वतों पर मैंने तुम्हें जो बातें बताई हैं, उन बातों का चिंतन करना। ये पादुकाएं तुम्हें मेरी अच्छी बातें याद दिलाएंगी। जो ज्ञान मैंने तुम्हें दिया है, उसका लोगों के हित में सही उपयोग करना। श्रीकृष्ण की ये बातें सुनकर उद्धव वहां से चले गए। इसके कुछ समय बाद जरा नाम के शिकारी का बाण श्रीकृष्ण के पैर के तलवे पर लगा। इसके बाद श्रीकृष्ण अपने धाम लौट गए।

अंतर्मन

आज की पाती

पाकिस्तान की बर्बरता पर ये मौन क्यों?

पाकिस्तानी कब्जे वाले कश्मीर के नागरिक लंबे समय से सम्मानजनक जीवन जीने के लिए मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग करते आ रहे हैं, किंतु पाकिस्तानी सरकार अपने कब्जे वाले कश्मीरी क्षेत्र के लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, पेयजल और अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के बजाय सेना के दमन चक्र से वहां के नागरिकों की हत्याएं करती आई है। पाकिस्तानी हुकूमत और सेना द्वारा वर्षों से अधिकृत कश्मीरी लोगों को जबरन जेलों में बंद कर प्रताड़ित किया जाता है, उनके घरों की महिलाओं और बच्चियों की अस्मिता लूटी जाती है और विरोध के बदले मौत दी जाती है। अभी हाल ही में, इस बार भी कश्मीरियों की मांग नागवार गुजरी और सेना प्रमुख मुनीर के इशारे पर बर्बरतापूर्वक अंधाधुंध गोलाबारी की गई।

- संगीता देवी, हांसी

ट्रेंड

कांग्रेस और एनडीए

कांग्रेस और एनडीए की विकास दर में साफ़ फर्क है! एक ऐसा सिस्टम था जहां काम हमेशा अटकता और टलता रहता था, जबकि आज का सिस्टम कहता है कि काम समय पर और बड़े पैमाने पर होगा।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

त्रिपक्षीय समझौता

भारत सरकार, असम और नागालैंड सरकार के बीच एक ऐतिहासिक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इससे पूर्वोत्तर में दशकों से चला आ रहा विवाद खत्म हो गया है। इस क्षेत्र में तेल और गैस की खोज का रास्ता खुल गया है। यह भारत की एकता का बेहतरीन उदाहरण है।

-अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

विपक्ष गैरजिम्मेदार

आज विपक्ष कितना गैरजिम्मेदार हो गया है! अगर हम हिमाचल प्रदेश जीत जाते हैं, तो हम शेर बन जाते हैं, लेकिन अगर चुनाव हार जाते हैं, तो चुनाव आयोग खराब हो जाता है! आप किस तरह की पार्टी बन गए हैं, आपकी क्या हालत है?

- जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

राणा को श्रद्धांजलि

भारत के सर्वश्रेष्ठ निशानेबाजों में से एक और एथलीटों की कई पीढ़ियों को प्रेरित करने वाले मार्गदर्शक जसपाल राणा के निधन से मैं अत्यंत दुखी हूं। उत्कृष्टता के प्रति उनके समर्पण और भारतीय खेल जगत में उनके अपार योगदान ने हमारे राष्ट्र पर अमिट छाप छोड़ी है।

- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

करंट अफेयर

पाक में गरीबों की संख्या बढ़कर सात करोड़ हुई

पाकिस्तान में पिछले छह वर्षों में गरीबी सात प्रतिशत बढ़ गई है जिससे लगभग 2.7 करोड़ लोग गरीबी के दायरे में आ गए हैं और इसके साथ ही देश में कुल गरीबों की संख्या बढ़कर सात करोड़ हो गई है। देश के राष्ट्रीय आर्थिक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई है। पाकिस्तान आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26, को बृहस्पतिवार को वार्षिक प्रक्रिया के तहत जारी किया गया। यह प्रक्रिया संघीय बजट पेश किए जाने से पहले आर्थिक संकेतकों को साझा करने के लिए की जाती है। इस सर्वेक्षण में सामने आया है कि वर्ष 2018-19 में गरीबी का स्तर 21.9 प्रतिशत था, जो 2024-25 में बढ़कर 28.9 प्रतिशत हो गया। सर्वेक्षण के अनुसार ग्रामीण गरीबी 28.2 प्रतिशत से बढ़कर 36.2 प्रतिशत हो गई जबकि शहरी गरीबी 11 प्रतिशत से बढ़कर 17.4 प्रतिशत तक पहुंच गई। प्रांतीय स्तर के आंकड़ों से पता चलता है कि सभी क्षेत्रों में गरीबी में वृद्धि दर्ज की गई है। पंजाब प्रांत में यह 16.5 प्रतिशत से बढ़कर 23.3 प्रतिशत हो गई, सिंध में 24.5 प्रतिशत से बढ़कर 32.6 प्रतिशत, खैबर पख्तूनख्वा में 28.7 प्रतिशत से बढ़कर 35.3 प्रतिशत और बलूचिस्तान में 41.8 प्रतिशत से बढ़कर 47 प्रतिशत हो गई। बलूचिस्तान में गरीबी दर सबसे अधिक दर्ज की गई, जबकि चारों प्रांतों में पंजाब में गरीबी दर सबसे कम रही।

ऑफ बीट

क्या युवाओं में कैंसर के लिए रसायन ज़िम्मेदार हैं

पहले कैंसर को आमतौर पर बुजुर्गों की बीमारी माना जाता था लेकिन अब 50 साल से कम उम्र के लोगों में कैंसर के मामले बढ़ रहे हैं, जो चिंताजनक है। आपके शरीर की प्रत्येक कोशिका में आपके डीएनए की एक प्रति होती है - जो उस कोशिका को ठीक से कार्य करने का निर्देश देती है। हालांकि, डीएनए में ऐसे तरीकों से म्युटेशन हो सकता है जिससे वह कोशिका अपना वह कार्य करना बंद कर देती है जो उसे करना होता है। कुछ म्युटेशन कोशिका को अनियंत्रित रूप से बढ़ने में सक्षम बनाते हैं। कुछ म्युटेशन इसे मरने से बचाते हैं। और कुछ इसे शरीर के अन्य भागों में फैलने में मदद करते हैं जहां यह नहीं होना चाहिए। डीएनए में अधिक मात्रा में म्युटेशन कैंसर को जन्म दे सकता है। जब भी शरीर में नई कोशिका बनती है, तो डीएनए की एक नई प्रति भी बनती है। कभी-कभी संयोगवश गलतियां हो जाती हैं, जिससे म्युटेशन हो सकता है। इसे आप ऐसे समझें जैसे एक फोटोकॉपी की फोटोकॉपी बनाना। इस प्रक्रिया में हर प्रति दूसरे से थोड़ी भिन्न होती है। ज्यादातर डीएनए म्युटेशन हानिरहित होते हैं। लेकिन शरीर में हर दिन अरबों कोशिकाएं बनती हैं। इसलिए जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, शरीर में डीएनए की प्रतियों की संख्या बढ़ती जाती है, जिससे गलतियां होने की संभावना भी बढ़ जाती है। साथ ही, उम्र बढ़ने पर शरीर इन खराब कोशिकाओं को पहचान कर हटाने में भी कमजोर हो जाता है।

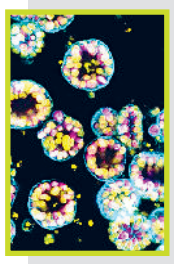

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड,
रोहतक-124001 फोनः 9253681019-20
ई-मेल : haribhoomi@gmail.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

बीओम ने दागा शानदार गोल, दक्षिण कोरिया ने चेक गणराज्य को हराया

एजेंसी ▶▶| गुआडालाजारा

ह्वांग इन-बीओम ने एक गोल किया और एक अन्य गोल में मदद की, जिससे दक्षिण कोरिया ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए विश्व कप फुटबॉल के दूसरे मैच में चेक गणराज्य को 2-1 से हरा दिया। पहले हाफ में दोनों टीमों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और मैदान से बाहर जाते समय दर्शकों ने उनकी हूटिंग की। इसके बाद चेक गणराज्य ने 59वें मिनट में कप्तान लादिस्लाव क्रेजी के हेडर से किए गए शानदार गोल से बढ़त हासिल कर ली। यह गोल पेनल्टी एरिया में एक लंबी थ्रो-इन के बाद हुआ।

दक्षिण कोरिया ने 67वें मिनट में बराबरी कर ली, जब ह्वांग ने दो खिलाड़ियों को चकमा देने के लिए शॉट मारने का नाटक किया और गोल दाग दिया। इसके बाद उन्होंने दाहिनी ओर से क्रॉस पास दिया, जिस पर ओह ह्योन-ग्यू ने 80वें मिनट में निर्णायक गोल दागा। यह मैच ग्वाडालाजारा स्टेडियम में खेला गया जहां सैकड़ों सीट खाली पड़ी थी। मैच खत्म होने के बाद दक्षिण कोरियाई टीम ने गोलपोस्ट के पीछे खड़े होकर अपने प्रशंसकों के साथ जश्न मनाया।

विश्व कप से बाहर हुए एंडो ने की संन्यास की घोषणा

एजेंसी ▶▶| टोकियो

जापान के कप्तान वतारू एंडो पांव में चोट के कारण विश्व कप से बाहर हो गए हैं, जिसके बाद लिवरपूल की तरफ से खेलने वाले इस मिडफील्डर ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी। जापान को विश्व कप के ग्रुप एफ में अपना पहला मैच नीदरलैंड के खिलाफ खेलना है लेकिन इससे पहले 33 वर्षीय एंडो ने अपने एक्स अकाउंट पर जापानी भाषा में टूर्नामेंट से हटने का अपना फैसला सुनाया। जापान की टीम टेनेसी के नैशविले में अभ्यास कर रही है। फरवरी में अपने बाएं पैर की सर्जरी कराने वाले एंडो ने कहा, 'चोट लगने के बाद से अब तक मैंने अपनी तरफ से हर संभव कोशिश की है और मुझे कोई पछतावा नहीं है। मैं अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से भी संन्यास ले रहा हूं।'' एंडो ने 31 मई को तोक्यो में आइसलैंड के खिलाफ अभ्यास मैच में वापसी की थी लेकिन वह हाफटाइम के बाद मैदान पर वापस नहीं लौटे थे। जापान की टीम के निदेशक मसाकुनी यामामोटो ने बताया कि डिफेंडर को इटाकुरा को नया कप्तान बनाया गया है, जबकि फॉरवर्ड शुटो माचिनो को एंडो की जगह टीम में शामिल किया गया है।

खबर संक्षेप

द. अफ्रीका क्रिकेट के लिए बेकरार : स्टेन

बेंगलुरु। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने एसए20 लीग की सफलता में आईपीएल और दक्षिण अफ्रीका की इस टी20 लीग के बीच तालमेल को बड़ा पहलू बताते हुए कहा कि एसए20 ने उनके देश में दर्शकों को फिर स्टेडियम में लौटाया है। पहले चार सत्रों में एसए 20 काफी कामयाब रही है और क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका को पांचवें सत्र में भी यह सिलसिला जारी रहने की उम्मीद है। स्टेन ने एसए 20 के पांचवें सत्र से कहा,' दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट के लिए बेकरार है। कोरोना काल में दक्षिण अफ्रीका भी खेल से दूर हो गया था। स्थानीय खेलों पर उसकी बड़ी गाज गिरी। एसए 20 कमिश्नर ग्रीम स्मिथ और लीग ने क्रिकेट को देश में लौटाया है।' स्ट्रेन ने कहा,' लोग क्रिकेट देखने को उतावले थे और हमने दर्शकों को वह दिया। उन्होंने इसे हाथोंहाथ लिया और एसए20 ने भी निराश नहीं किया। लोग बड़ी तादाद में अपनी टीमों का समर्थन करने स्टेडियम आ रहे हैं।'

बेंगलुरु में 3 सितंबर से ग्लोबल शतरंज लीग

नई दिल्ली। ग्लोबल शतरंज लीग (जीसीएल) का चौथा सत्र 3 सितंबर से बेंगलुरु में आयोजित किया जाएगा। लीग आयोजकों ने इसकी घोषणा की। टेक महिंद्रा और शतरंज की वैश्विक संचालक फिडे की संयुक्त पहल के रूप में शुरू हुई ग्लोबल शतरंज लीग ने शतरंज के पारंपरिक प्रारुप में कई नए बदलाव किए हैं। इसमें फ्रेंचाइजी आधारित टीमें, मिश्रित (पुरुष और महिला) टीम संयोजन तथा तेज गति वाले मुकाबलों का प्रारुप शामिल है। चौथे सत्र में भी दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी टीम आधारित प्रारुप में खिताब के लिए मुकाबला करते नजर आएंगे। ग्लोबल शतरंज लीग के आयुक्त गौरव रक्षित ने कहा, ग्लोबल शतरंज लीग की स्थापना शतरंज को वास्तव में एक वैश्विक दर्शक खेल बनाने के उद्देश्य से की गई थी।

दोपहर 1.30 बजे से धर्मशाला में गिल और शाहिदी की टीमों में मुकाबला

अफगानिस्तान के खिलाफ आज से टीम इंडिया का 'मिशन वर्ल्ड कप'

रोहित की फिटनेस-नीतीश के प्रदर्शन पर रहेगी नजर

एजेंसी ▶▶| धर्मशाला

भारतीय क्रिकेट टीम अफगानिस्तान के खिलाफ शनिवार से शुरू होने वाली तीन मैच की एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से अगले साल होने वाले विश्व कप की तैयारी शुरू करेगी। इस श्रृंखला में जहां रोहित शर्मा की मैच फिटनेस की परीक्षा होगी, वहीं चोटिल हार्दिक पंड्या के बैकअप के रूप में नीतीश कुमार रेड्डी के प्रदर्शन पर भी कड़ी नजर रहेगी।

आईपीएल के दौरान मांसपेशियों में खिंचाव के कारण कुछ मैच नहीं खेल पाने वाले रोहित अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला के लिए समय रहते पूरी तरह से फिट हो गए हैं, लेकिन भारतीय टीम और दर्शकों को विराट कोहली की कमी खलेगी, जो मांसपेशियों में खिंचाव के कारण इस श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। भारत अक्टूबर-नवंबर 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले विश्व कप की तैयारी कर रहा है। ऐसे में इस बात पर संदेह बना हुआ है कि क्या 39 वर्षीय रोहित वनडे विश्व कप तक टीम में बने रहेंगे या नहीं। भले ही उम्र उनके पक्ष में नहीं हो लेकिन वह अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने में सक्षम रहे हैं।

टीमें इस प्रकार

भारत: शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, प्रसिद्ध कृष्णा, श्रेयस अय्यर, रोहित शर्मा, हार्दिक पंड्या, वॉशिंगटन सुंदर, हर्ष दुबे, इशान किशन, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बराड़, प्रिंस यादव।

अफगानिस्तान: हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), सेदिकुल्लाह अटल, रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इकराम अलिखिल (विकेटकीपर), अजमतुल्लाह उमरजई, बिलाल सामी, नांगेयालिया खरोती, फरीद अहमद मलिक, एएम गजनफर, मोहम्मद नबी, राशिद खान, दरविश रसूली, इब्राहिम जादरान, जिया उर रहमान शरीफी।

विश्व कप से पहले भारत खेलेगा 25 वनडे

विश्व कप से पहले भारत को लगभग 25 वनडे मैच खेलने हैं, जिससे टीम को खिलाड़ियों और अलग-अलग संयोजन आजमाने का पर्याप्त मौका मिलेगा। शुभमन गिल की कप्तानी में भारत ने तीन वनडे श्रृंखला खेली हैं, जिनमें से दो में उसे हार का सामना करना पड़ा था। मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ मिलकर वह इस रिकॉर्ड में सुधार करने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहेंगे। गिल और रोहित के पारी की शुरुआत करने की उम्मीद है, जबकि कोहली की अनुपस्थिति में तीसरे नंबर पर ईशान किशन और यशस्वी जायसवाल में से किसी एक को उतारा जा सकता है।

अच्छी फॉर्म में नहीं कुलदीप

टीम में दूसरे ऑलराउंडर ऑफ स्पिनर वाशिंगटन सुंदर हैं। स्पिन गेंदबाजी में कुलदीप यादव दूसरे विकल्प हो सकते हैं लेकिन वह अभी अच्छी फॉर्म में नहीं हैं। कुलदीप ने हालांकि 120 वनडे में 194 विकेट लिए हैं और उनका अनुभव काफी मायने रखता है। अभी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेलने वाले बाएं हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे टीम में स्पिन गेंदबाजी का एक और विकल्प हैं। दुबे अच्छे बल्लेबाज भी हैं। अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा तेज गेंदबाजी आक्रमण की कमान संभालेंगे, जबकि प्रिंस यादव या गुरनूर बराड़ तीसरे तेज गेंदबाज के रूप में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण कर सकते हैं।

क्रिकेट

केन विलियमसन ने किया हैरान अचानक क्रिकेट से लिया संन्यास

एजेंसी ▶▶| क्राइस्टचर्च

अपने दौर के सबसे उम्दा बल्लेबाजों में से एक न्यूजीलैंड क्रिकेट के सबसे सफल दौर के नायक और अपने गरिमामय आचरण से विरोधी टीम को भी मुरीद बना लेने वाले केन विलियमसन ने 15 बरस से अधिक के सुनहरे कैरियर के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदा लेने की घोषणा की।

इसके साथ ही न्यूजीलैंड क्रिकेट में तीनों प्रारुपों में एक युग का अंत हो गया। अपने शानदार कैरियर में विलियमसन ने देश के लिए 378 मैच खेले, अनगिनत बल्लेबाजी रिकॉर्ड बनाए और पूरी दुनिया में सम्मान पाया। विलियमसन ने 2025 में ही टी20 प्रारुप से संन्यास ले लिया था ।

विलियमसन ने कई प्रारुपों में बनाए 19346 रन

35 वर्ष के विलियमसन ने न्यूजीलैंड के लिए विभिन्न प्रारुपों में 19346 रन बनाए हैं, जिनमें टेस्ट क्रिकेट में 33 शतक और छह दोहरे शतक समेत 9500 से अधिक रन हैं। उनकी कप्तानी में न्यूजीलैंड दो बार आइसीसी विश्व कप फाइनल , तीन सेमीफाइनल में पहुंचा और 2021 में पहली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीती।

संन्यास का सही समय : विलियमसन

विलियमसन ने कहा,' मैंने इस पर काफी सोचा और पिछले कुछ दिन से लग रहा था कि यह सही समय है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए मेरे भीतर हमेशा मजबूत इच्छाशक्ति और ललक रही है और मुझे इस बात में गर्व है कि न्यूजीलैंड के लिए हर मैच में मैंने अपना सब कुछ दिया है।' उन्होंने कहा,' इससे कम पर खेलते रहना सही नहीं होगा और मैं खुशकिस्मत हूं कि अपने हिसाब से मैंने यह फैसला लिया है।' विलियमसन ने कहा,' मैं पिछले कुछ दिन से इसके बारे में सोच रहा था और लगा कि यह सही समय है इसका दूसरा पहलू यह है कि मैं एक प्रतिभाशाली समूह देख रहा हूं, जिनके आगे एक सफर है, जो इस न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के साथ कुछ खास चीजें कर सकते हैं। वही टीम, जिसका मैं इतने लंबे समय तक हिस्सा बनकर बहुत खुशकिस्मत रहा हूं।' उन्होंने कहा, 'न्यूजीलैंड टीम के लिए मेरे मन में काफी सम्मान है और इस खेल के लिए भी।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन

सिंधू ने सू यू को मात्र 27 मिनट में हराया, सेमीफाइनल में एंट्री

एजेंसी ▶▶| सिडनी

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया। तीसरी वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी ने क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे की चेन सू यू को मात्र 27 मिनट तक चले एकतरफा मुकाबले में सीधे गेमों में 21-6, 21-9 से पराजित किया। सिंधू ने शुरुआत से ही मुकाबले पर अपना दबदबा बनाए रखा और आसानी से अंतिम चार में जगह पक्की कर ली। सेमीफाइनल में

सिंधू का सामना जापान की शीर्ष वरीयता प्राप्त अकाने यामागुची से होगा। यामागुची ने भारतीय किशोरी तन्वी शर्मा के शानदार अभियान का अंत करते हुए उन्हें 21-14, 21-14 से हराया। यह मुकाबला 32 मिनट तक चला।

डब्ल्यूएफआई की कार्रवाई, 500 से अधिक पहलवान अयोग्य

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने उम्र में धोखाधड़ी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अंडर-17 राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग कुश्ती प्रतियोगिता से 500 से अधिक पहलवानों को अयोग्य घोषित कर दिया है। आधार आधारित सख्त सत्यापन प्रणाली लागू होने के बाद खिलाड़ियों के दस्तावेजों में बड़े पैमाने पर विसंगतियां सामने आईं। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में 6 से 8 जून तक आयोजित इस प्रतियोगिता में पुरुष फ्रीस्टाइल, ग्रीको रोमन और महिला वर्गों में करीब 1,200 पहलवानों ने पंजीकरण कराया था। आयु सत्यापन के लिए जन्म प्रमाण पत्र के साथ-साथ खिलाड़ियों से मोबाइल नंबर से जुड़े आधार कार्ड प्रस्तुत करने और आधार ऐप के जरिए ओटीपी प्रमाणीकरण कराने को कहा गया।

आधार और जन्म प्रमाण पत्र की जानकारी में विसंगति

जांच के दौरान कई ऐसे मामले सामने आए, जिनमें आधार और जन्म प्रमाण पत्र की जानकारी मेल नहीं खा रही थी। कई जन्म प्रमाण पत्र खिलाड़ियों के जन्म के वर्षों बाद जारी किए गए थे, जिससे संदेह और गहरा गया। एक मामले में एक पहलवान ने जन्म प्रमाण पत्र में अपनी जन्म तिथि वर्ष 2007 और जन्म स्थान दिल्ली के नरेला क्षेत्र का बताया था, जबकि उसके आधार रिकॉर्ड में जन्म वर्ष 2004 और जन्म स्थान हरियाणा दर्ज था।

वेस्टइंडीज ने श्रीलंका को 7 विकेट से हराया

एजेंसी ▶▶| किंग्स्टन

रोवमैन पॉवेल ने अंतिम ओवर में छक्का लगाया, जिससे वेस्टइंडीज ने तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में श्रीलंका को 7 विकेट से हराया। श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 147 रन बनाए। उसकी तरफ से कामिंदु मेंडिस ने 51 रन तथा कप्तान और सलामी बल्लेबाज कुसल मेंडिस ने 36 रन बनाए। वेस्टइंडीज की तरफ से जेसन होल्डर और शमर जोसेफ ने तीन-तीन विकेट लिए। वेस्टइंडीज ने 3 विकेट पर 149 रन बनाकर जीत दर्ज की। उसकी तरफ से कप्तान और सलामी बल्लेबाज शाई होप ने नाबाद 65 रन बनाए। इसके बाद पॉवेल ने नाबाद 10 रन

बनाकर टीम को चार गेंद पहले ही लक्ष्य तक पहुंचा दिया। सलामी बल्लेबाज ब्रैंडन किंग ने 37 रन का योगदान दिया। टी20 श्रृंखला के आखिरी दो मैच शनिवार और रविवार को किंग्स्टन के सबीना पार्क में ही खेले जाएंगे।

उत्तर रेलवे
ई–निविदा
खुली निविदा संख्या 13–अम्बाला / 2026–27 दिनांक 11.06.2026

वरिष्ठ मंडल अभियंता-समन्वय/अम्बाला के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई-निविदा के माध्यम से इच्छुक ठेकेदारों से निम्न लिखित कार्यों हेतु खुली निविदायें आमंत्रित की जाती है जो कि उन कार्यों के सामने दी गयी तिथि को 15:00 बजे तक खुली रहेगी और उसके बाद खोली जाएगी।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (Rs.)	अग्रिम राशि (Rs.)	कार्य समाप्ति का समय	निविदा खुलने की तिथि
1	वरिष्ठ मंडल अभियंता–IV/अंबाला के अधीन सहायक मंडल अभियंता/राजपुरा खंड में 52 किग्रा./60 किग्रा. रेलों की ए.टी. वेल्डिंग (सिंगल शॉट फ्लूसिबल एवं ऑटो थिम्बल सहित) का कार्य।	97,10,465	1,94,200	08 महीने	06.07.2026
2	एडीईएन/बीटीआई के अधीन एसएसई/डब्ल्यू/एबीएस अनुभाग में बीटीआई (अपवर्जित) से एसजीएनआर (अपवर्जित) तक जोन संख्या 3 एवं 4 के अंतर्गत स्थित रेलवे कर्मचारी आवासों एवं सेवा भवनों की 30.06.2027 तक की अवधि हेतु वार्षिक मरम्मत, सफेदी एवं पेंटिंग का कार्य।	79,99,944	1,60,000	11 महीने	06.07.2026
3	सहायक मंडल इंजीनियर/पटियाला के अधीन वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर (वर्क्स)/धूरी के सेक्शन में लुधियाना (अपवर्जित) से धूरी (समाविष्ट) तक जोन संख्या–2 के अंतर्गत स्थित रेलवे कर्मचारी आवासों एवं सेवा भवनों की 30.06.2027 तक की अवधि हेतु वार्षिक मरम्मत, सफेदी एवं पेंटिंग का कार्य।	79,99,909	1,60,000	11 महीने	06.07.2026
4	सहायक मंडल इंजीनियर/पटियाला (ADEN/PTA) के अधीन वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर/कार्य/संगरूर (SSE/W/SAG) के सेक्शन में धूरी (अपवर्जित) से जाखल (अपवर्जित) तक जोन संख्या–3 के अंतर्गत रेलकर्मी आवासों एवं सेवा भवनों की 30.06.2027 को समाप्त होने वाली अवधि हेतु वार्षिक मरम्मत, सफेदी एवं रंगाई–पुताई का कार्य।	59,99,996	1,20,000	11 महीने	06.07.2026
5	सहायक मंडल इंजीनियर/पटियाला (ADEN/PTA) के अधीन वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर/कार्य/पटियाला (SSE(W)/PTA) के सेक्शन में पटियाला (सम्मिलित) से धूरी (अपवर्जित) तक जोन संख्या–1 के अंतर्गत रेलकर्मी आवासों एवं सेवा भवनों की 30.06.2027 को समाप्त होने वाली अवधि हेतु वार्षिक मरम्मत, सफेदी एवं रंगाई–पुताई का कार्य।	79,99,968	1,60,000	11 महीने	06.07.2026
6	सहायक मंडल इंजीनियर/पटियाला (ADEN/PTA) के अधीन वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर/कार्य/संगरूर (SSE(W)/SAG) के सेक्शन में जाखल (अपवर्जित) से हिसार (अपवर्जित) तक जोन संख्या–4 के अंतर्गत रेलकर्मी आवासों एवं सेवा भवनों की 30.06.2027 को समाप्त होने वाली अवधि हेतु वार्षिक मरम्मत, सफेदी एवं रंगाई–पुताई का कार्य।	54,99,994	1,10,000	11 महीने	06.07.2026
7	एग्जीक्यूटिव इंजीनियर, पंजाब जलापूर्ति एवं सिवरेज बोर्ड, अबोहर (पंजाब) हेतु बीटीआई-एसजीएनआर सेक्शन में अबोहर एवं पंजकोसी स्टेशनों के मध्य कि.मी. 74/7–8 के निकट रेलवे ट्रैक/भूमि के नीचे 20 डिग्री स्क्यू पर 1500 मिमी एवं 1700 मिमी व्यास के दोहरे एम.एस. केसिंग पाइप के माध्यम से 1200 मिमी व्यास की डी.आई. (K–9) सिवरेज पाइप लाइन बिछाने के कार्य के शेष कार्य।	52,06,563	1,04,100	06 महीने	06.07.2026

नोट :– 1. ठेकेदार को शर्तों के अनुसार निविदा योग्यता पूरी करने हेतु सभी जरूरी सम्बंधित डॉक्यूमेंटों के स्कैनिंग कॉपी को रेलवे वेबसाइट IREPS पर अपलोड करनी जरूरी है। 2. अग्रिम राशि ऑन लाइन पेमेन्ट नेट बैंकिंग / गेटवे पेमेंट / बैंक गारंटी बांड अनुबंध IV के द्वारा ही स्वीकार्य होंगे। 3. निविदा की विस्तृत जानकारी हेतु रेलवे वेबसाइट www.ireps.gov.in पर लोग ऑन करें। 4. ठेकेदार को ई–निविदा में भागीदारी हेतु (क्लास– I I) डिजिटल सिगनेचर सार्टिफिकेट द्वारा लोग ऑन करना होगा। 5. जी. एस. टी. एक्ट 2017 के अनुसार लागू होगी। 2019/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अंडर-20 एशियन चैंपियनशिप : 27 जून से 5 जुलाई तक थाईलैंड में होगी प्रतियोगिता

हरियाणा के विनित, आर्यन, विकास व दिशांत दिखाएंगे दम

रोहित डागर ▶▶| रोहतक

अंडर-20 एशियन चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में हरियाणा के खिलाड़ियों ने अपना दबदबा कायम किया है। प्रदेश के चार होनहार पहलवानों ने शानदार प्रदर्शन के दम पर राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह पक्की कर ली है। चयनित खिलाड़ियों में झज्जर जिले से विकास दलाल व दिशांत, पानीपत से आर्यन मलिक और जींद से विनित शामिल हैं। ये सभी खिलाड़ी आगामी 27 जून से 5 जुलाई तक थाईलैंड में आयोजित होने वाली एशियन चैंपियनशिप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए देश के लिए पदक जीतने उतरेंगे।

कंधे और टखने की चोट को मात देकर चमके विकास दलाल

झज्जर जिले के मांडौठी गांव के रहने वाले विकास दलाल ने विपरीत परिस्थितियों में हार न मानने का जज्बा दिखाया है। एक किसान परिवार से ताल्लुक रखने वाले विकास ने बताया कि उन्होंने साल 2019 में गांव के अखाड़े में बच्चों को देखकर अभ्यास शुरू किया था। साल 2025 में उनके कंधे में गंभीर चोट लगी, जिससे उबरने में तीन महीने का समय लगा। इसके बाद अंडर-20 नेशनल चैंपियनशिप से ठीक पहले उनके टखने में भी चोट लग गई थी, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और जल्द रिकवरी कर नेशनल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया। इसी प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन एशियन चैंपियनशिप के लिए हुआ है। विकास इससे पहले 2024 में स्कूली गेम्स में स्वर्ण और 2026 में नेशनल रैंकिंग प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीत चुके हैं। पिता रामनिवास किसान हैं।

ताऊ की प्रेरणा से दिशांत ने तय किया सफर

झज्जर के ही दहकौरा गांव के निवासी दिशांत ने साल 2021 में पहलवानी की शुरुआत की थी। उनके पिता धर्मबीर किसान हैं और पूर्व में खुद भी पहलवानी कर चुके हैं। दिशांत ने बताया कि उन्होंने अपने ताऊ राजेंद्र की प्रेरणा से अखाड़े में कदम रखा था। उन्होंने बताया कि मेरा ताऊ ही मुझे अखाड़े में लेकर जाता हैं। हिंद केसरी सोनू के अखाड़े में माड़ौठी में अभ्यास करता हूं। इससे पहले स्कूली नेशनल प्रतियोगिता में पदक जीत चुके हैं और अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का मान बढ़ाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। 2025 में इंटर कॉलेज प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। 2026 में स्टेट प्रतियोगिता में रजत पदक जीता।

पिता के पदचिन्हों पर आगे बढ़ रहे आर्यन

पानीपत के आर्यन मलिक ने साल 2020 में कुश्ती की शुरुआत की थी। आर्यन को खेल की प्रेरणा अपने पिता जसबीर सिंह से मिली। उन्होंने साल 2023 में स्कूली गेम्स और जिला स्तरीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद साल 2025 में उन्होंने ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया था।

कैडेट वर्ल्ड चैंपियनशिप खेल चुके हैं विनित

जींद के रहने वाले विनित एक बेहद साधारण परिवार से आते हैं, उनके पिता अनिल पेशे से ड्राइवर हैं। अपने चाचा सुरेंद्र से प्रेरित होकर साल 2019 में खेल की शुरुआत करने वाले विनित का ट्रैक रिकॉर्ड बेहद शानदार रहा है। उन्होंने साल 2024 में खेलो इंडिया और कैडेट नेशनल प्रतियोगिता, दोनों में स्वर्ण पदक हासिल किया था। इसके अलावा वह कैडेट एशिया और कैडेट वर्ल्ड चैंपियनशिप में भी देश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

यात्रा 2026 की सुरक्षा तैयारियों की गृह मंत्री ने की समीक्षा

अमरनाथ यात्रा से पहले हाई अलर्ट: बाबा बर्फानी के दर्शन होंगे सुरक्षित, अमित शाह ने की उच्चस्तरीय बैठक

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को आगामी अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा और संचालन संबंधी तैयारियों की समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस वर्ष अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होने जा रही है, जिसके मद्देनजर सुरक्षा एजेंसियां और प्रशासन व्यापक स्तर पर तैयारियों में जुटे हुए हैं

- बैठक की अध्यक्षता अमित शाह ने की
- आधुनिक तकनीकों के व्यापक उपयोग पर भी जोर दिया
- पर्यटन स्थलों पर भी मजबूत सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नई दिल्ली में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को अमरनाथ यात्रा 2026 की तैयारियों को लेकर आयोजित सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में जम्मू-कश्मीर के उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल, केंद्रीय गृह सचिव, थलसेना प्रमुख, आसूचना ब्यूरो (आईबी) के निदेशक, जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव एवं पुलिस महानिदेशक, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के महानिदेशक तथा गृह मंत्रालय, भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। इस वर्ष भी अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से 28 अगस्त 2026 तक आयोजित होगी।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम यात्रा पर जोर

अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार अमरनाथ यात्रा के श्रद्धालुओं की सर्वोच्च सुरक्षा और सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी सुरक्षा एजेंसियों को आपसी समन्वय के साथ यात्रा के लिए एकीकृत और अभेद्य सुरक्षा कवच तैयार करने के निर्देश दिए।

मल्टी-लेयर्ड सुरक्षा ग्रिड स्थापित करने के निर्देश

गृह मंत्री ने कहा कि यात्रा मार्ग पर जम्मू-कश्मीर पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के सहयोग से मल्टी-लेयर्ड सुरक्षा ग्रिड स्थापित किया जाए। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए ड्रोन, सीसीटीवी निगरानी, सर्विलांस सिस्टम और अन्य आधुनिक तकनीकों के व्यापक उपयोग पर भी जोर दिया।

शिविर स्थलों पर वरिष्ठ अधिकारी करेंगे निगरानी

अमित शाह ने निर्देश दिया कि यात्रा के दौरान विभिन्न सीएपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी शिविर स्थलों पर मौजूद रहकर व्यवस्थाओं की निरंतर निगरानी करें। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं के पंजीकरण, आवास, स्वास्थ्य सेवाओं और आपदा प्रबंधन सहित सभी आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए।

मौसम के अनुसार आगे बढ़ेंगे श्रद्धालुओं के जत्थे

बैठक में गृह मंत्री ने कहा कि मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए ही श्रद्धालुओं के जत्थों को आगे बढ़ाने की व्यवस्था की जाए। उन्होंने यात्रा मार्ग के अलावा अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलों पर भी मजबूत सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि श्रद्धालु सुरक्षित रूप से पर्यटन गतिविधियों का आनंद ले सकें।

स्थानीय लोगों और पशुओं को मिलेंगे क्यूआर कोड युक्त पहचान पत्र, स्वास्थ्य शिविर लगाएं जाएंगे

बैठक में जानकारी दी गई कि यात्रा से जुड़े स्थानीय लोगों और पशुओं का पंजीकरण किया जाएगा तथा उन्हें क्यूआर कोड युक्त पहचान पत्र जारी किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त पशुओं के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए विशेष शिविर भी लगाए जाएंगे। यात्रा पंजीकरण और श्रद्धालुओं की सहायता संबंधी जानकारी https://jksasb.nic.in/ पर उपलब्ध है

खबर संक्षेप

नेपाल: बस दुर्घटना में 8 लोगों की मौत

काठमांडू। नेपाल के कावेरपलानचौक जिले में शुक्रवार को एक यात्री बस के गहरी खाई में

गिर जाने से आठ लोगों की मौत हो गई और 16 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, रोशी ग्रामीण नगरपालिका के सुंगुरे जा रही थी। काठमांडू से लगभग 60 किलोमीटर पूर्व बनेपा-बरदीबास राजमार्ग पर बुच्चाकोट के निकट सेल्फी हिलॉक में यह हादसा हुआ। पुलिस ने बताया कि बस में 24 यात्री सवार थे। पुलिस के मुताबिक, बस पहाड़ी सड़क से करीब 200 मीटर नीचे खाई में जा गिरी।

भारत ने अपने नागरिकों को सावधान किया

ओटावा। कनाडा में भारतीय मिशन ने भारतीय नागरिकों को परामर्श जारी कर कहा है कि वे

फोन करने वाले ऐसे लोगों से सावधान रहें जो खुद को दूतावास का अधिकारी बताकर वीजा, आव्रजन स्थिति और नौकरी की पेशकश से जुड़ी धोखाधड़ी करते हैं। टोरंटो में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि देश में भारतीय नागरिकों को धोखाधड़ी करने वाले लोगों से लगातार फोन आ रहे हैं, जो कभी-कभी दूतावास के अधिकारी होने का दावा करते हैं। नौकरी की पेशकश जैसी चीजों के बारे में होती हैं।

पाक: अलग हमलों में दो पुलिसकर्मियों की मौत

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शुक्रवार को निशाना बनाकर की गयी अलग-

अलग गोलीबारी की घटनाओं में दो पुलिसकर्मी मारे गए। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि पहली घटना सेदगी बकाखेल इलाके में उस समय हुई, जहां अज्ञात बंदूकधारियों ने घर के बाहर ही कांस्टेबल मोहम्मद रोशन की गोली मारकर हत्या कर दी। दूसरी घटना में, आजाद मंडी के पास अज्ञात हमलावरों ने पुलिस अधिकारी मिशक्वत उल्ला अमीर को निशाना बनाया।

अमेरिकी नौसेना की ओर से लगातार किए जा रहे हमलों पर विरोध जताया

अपने 3 नागरिकों की मौत पर भड़का भारत, अमेरिकी दूत को फिर किया तलब, 40 मिनट तक चला विरोध

जहाज पर हुए अमेरिकी हमले में 3 भारतीय नाविकों की दुखद मौत के बाद भारत ने सख्त रुख अपनाया है। नई दिल्ली में अमेरिकी राजनयिक जेसन मीक्स को तलब कर 40 मिनट तक कड़ा विरोध दर्ज कराया गया

18 हजार नाविकों के लिए सुरक्षा एडवाइजरी

अमेरिकी राजनयिक को विदेश मंत्रालय के अपर सचिव ने बातचीत के लिए बुलाया था। यह दूसरी बार है जब भारत ने इस मुद्दे को लेकर अमेरिकी दूतावास के अधिकारी को तलब किया है। व्यापारिक जहाजों पर लगातार हो रहे हमलों के बाद डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ शिपिंग ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज, ओमान की खाड़ी और उसके आस-पास के समुद्री इलाकों में काम करने वाले लगभग 18,000 भारतीय नाविकों के लिए एक नई समुद्री सुरक्षा एडवाइजरी जारी की थी। इस एडवाइजरी के जारी होने के कुछ ही घंटों बाद अमेरिकी राजनयिक को दोबारा तलब किया गया। यह सुरक्षा एडवाइजरी हाल ही में हुई ।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ओमान के समुद्र तट के पास भारतीय नाविकों वाले जहाजों पर लगातार हो रहे हमले को लेकर भारत ने अमेरिका के कार्यकारी राजदूत जैशने मीक्स को तलब किया।

विदेश मंत्रालय के ऑफिस में वह करीब 45 मिनट रुके और फिर वहां से निकले। हाल ही में एक और जहाज पर हमला हुआ, जिसमें 20 भारतीय क्रू मेंबर सवार थे। यह चार दिनों में भारतीय नाविकों से जुड़ी इस तरह की तीसरी घटना है। भारत ने इस पर कड़ा विरोध जताने के लिए अमेरिकी अधिकारी को बुलाया था।

अमेरिकी राजदूत को तलब करने के बाद विदेश मंत्रालय का बयान, इस प्रकार के हमले चिंताजक

विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में बताया गया, 'भारत ने ओमान की खाड़ी में व्यापारिक जहाजों पर अमेरिकी नौसेना की ओर से लगातार किए जा रहे हमलों पर विरोध जताया। इन हमलों के कारण तीन भारतीय नाविकों की दुखद और दर्दनाक मौत हो चुकी है, जिसे रोका जा सकता था'। विदेश मंत्रालय ने एक बार फिर साफ किया कि आम नागरिक वाले व्यापारिक जहाजों पर इस तरह जानलेवा और घातक हथियारों का इस्तेमाल करना चिंताजनक है। इसे किसी भी हाल में मंजूर नहीं है। ऐसी कार्रवाइयों से अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार की सुरक्षा और स्थिरता खतरे में पड़ती है। भारत ने अमेरिकी दूत से कहा है।

कब-कब हुए जहाज पर अटैक

पहली घटना 8 जून की है जब एमटी मारिवेक्स नाम के जहाज पर अटैक हुआ। इस हमले के बाद जहाज में आग लग गई थी। जहाज पर सवार सभी 24 भारतीय चालक दल के सदस्य सुरक्षित बताए गए। दूसरी घटना 10 जून की है जब ओमान की खाड़ी में एमटी सेटेबेलो नाम के टैंकर पर हमला हुआ। इस जहाज पर भी 24 भारतीय नाविक सवार थे। इनमें से 21 नाविकों को सुरक्षित बचा लिया गया, लेकिन शुरुआत में लापता बताए गए 3 भारतीय नाविकों की बाद में मौत की पुष्टि हो गई।

पीएम भारत माता के बेटों की रक्षा नहीं कर सकते, राहुल गांधी ने नाविकों की मौत पर चुप्पी पर घेरा

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक वाणिज्यिक जहाज पर अमेरिकी हमले में तीन भारतीय नागरिकों की मौत पर चुप्पी को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर शुक्रवार को निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि कंप्रोमाइज्ड पीएम भारत माता के बेटों की रक्षा नहीं कर सकते क्योंकि इन बेटों की जान लेने वालों को नाराज करने की इनमें न हिम्मत है, न ताकत। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने एक्स पर एक पोस्ट में, इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री की चुप्पी पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, अन्तरराष्ट्रीय जल (क्षेत्र) में तीन दिन में तीन जहाजों पर अमेरिकी हमलों में तीन भारतीयों की मृत्यु हो गई। और हमारे कंप्रोमाइज्ड (दबाव में आ चुके) पीएम... एक शब्द तक नहीं कहा। जब कोई विदेशी ताकत किसी भारतीय की हत्या करे, तो प्रधानमंत्री को बोलना पड़ता है। लेकिन मजाल है जो ये एक शब्द बोल जाएं। राहुल गांधी ने कहा, अगले हफ्ते जी7 में, हमारे नाविकों की हत्या के बस चंद दिनों बाद, मोदी जी मुस्कुराएंगे, गले मिलेंगे और समझौते करेंगे- मगर, उन तीन भारतीयों के लिए उनके पास एक शब्द भी नहीं होगा। उन्होंने कहा, कंप्रोमाइज्ड पीएम भारत माता के बेटों की रक्षा नहीं कर सकें।

होर्मुज में देवरिया के शिवानंद की मौत गरीबी से लड़ने के लिए छोड़ा था घर

नई दिल्ली। दो साल तक परिवार से दूर रहकर शिवानंद ने कभी आधा पेट खाकर तो कभी भूखे रहकर दिन गुजारे, मगर उसके हौसले कभी नहीं टूटे। उसका एक ही सपना था कि परिवार की आर्थिक स्थिति सुधरे, बच्चे अच्छे स्कूल में पढ़ें, माता-पिता और पत्नी को परेशानी न हो। परिजनों के अनुसार, पानी के जहाज पर नौकरी पाने के लिए काफी धन की आवश्यकता थी। गरीब परिवार से होने के कारण शिवानंद ने दो साल तक जी-तोड़ मेहनत कर एक-एक रुपए जोड़कर अपना सपना पूरा किया। उसने कहा था, अब हमारी सारी परेशानियां दूर हो जाएंगी। बच्चों को अच्छे स्कूलों में पढ़ाएंगे और परिवार को किसी चीज की कमी नहीं रहने देंगे। बेटे की बात सुनकर माता-पिता और पत्नी की आंखों में भी सुनहरे भविष्य के सपने सज गए थे, मगर किस्मत को कुछ और ही मंजूर था।

फिनलैंड में पहुंचे विदेश मंत्री एस जयशंकर

आपके हथियारों से हम बन रहे शिकार, रूस संग दोस्ती पर घेरने वाले यूरोप को लताड़ा

यूरोप का चेहरा बेनकाब किया

एजेंसी ▶▶ हेलसिंकी

रूस-यूक्रेन जंग में भारत शुरू से ही किसी एक गुट का हिस्सा नहीं रहा है। इसके बावजूद यूरोप ने भारत पर शक जताया। इसी के मद्देनजर भारत को घेरने की यूरोप की कोशिश को बड़ा झटका लगा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने फिनलैंड की धरती से ही यूरोप का चेहरा बेनकाब कर दिया और ऐसे सबूत पेश किए, जिससे यूरोपियन यूनियन की आंखें खुल गई हैं। भारत की विदेश नीति पर सवाल उठाने वाले यूरोपीय देशों को विदेश मंत्री एस जयशंकर ने फिनलैंड में करारा जवाब दिया। जयशंकर ने यूरोप को आइना दिखाते हुए कहा कि भारत के हथियार से कभी यूरोप पर हमले नहीं हुए, लेकिन उल्टा यूरोप के हथियारों से भारत पर हमले किए गए।

उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि भारत पर सालों से ऐसे हथियारों से हमले होते रहे हैं जिन्हें यूरोपीय देशों ने बेचा था। फिनलैंड में आयोजित कुल्तारांता टॉक्स कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे एस जयशंकर की फिनलैंड की विदेश मंत्री एलीना वाल्टोनेन और यूएई की सहायक विदेश मंत्री लाना नुसैबेह के साथ चर्चा हुई। पैनल डिस्कशन में जब एस जयशंकर से पूछा गया कि यूरोप में यह धारणा है कि भारत रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर नैतिक समानता की बात करता है लेकिन रूस से तेल खरीदकर उसके प्रति नरम रुख भी दिखाता है। इस पर विदेश मंत्री ने ऐसा जवाब दिया, जिसे सुनकर यूरोपीय नेता सन्न रह गए।

जयशंकर ने यूरोप को दिखाया आइना

जयशंकर ने साफ शब्दों में कहा कि किसी भी यूरोपीय देश पर कभी भारतीय हथियारों से हमला नहीं हुआ है। काश मैं यही बात भारत के संदर्भ में यूरोपीय हथियारों के लिए भी कह पाता- विदेश मंत्री ने आगे कहा कि कई सालों से यूरोपीय देश ऐसे हथियार बेचते रहे हैं, जिनका इस्तेमाल भारत पर हमलों में किया गया। इसके बावजूद भारत ने कभी ऐसा कोई कदम नहीं उठाया जिससे यूरोप की सुरक्षा को खतरा पहुंचा हो। जयशंकर ने कहा कि भारत तेल लागत और उपलब्धता के आधार पर खरीदता है। उस समय बाजार में उपलब्ध अधिकांश तेल रूसी था। इसकी वजह यह थी कि यूरोपीय देश मिडिल ईस्ट से तेल खरीद रहे थे, जो भारत का पारंपरिक आपूर्तिकर्ता रहा है। ऐसे में परिस्थितियों ने हमें एक अलग दिशा में जाने के लिए मजबूर किया। उन्होंने याद दिलाया कि 2022 से पहले भारत रूस से बड़ी मात्रा में तेल नहीं खरीदता था लेकिन रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद ऊर्जा बाजार में बदलाव आया और अमेरिका ने ही गुहार लगाई थी कि भारत रूस से तेल खरीदे।

मंत्री बोले- 10 सीटों पर इस्तेमाल हुईं, साजिश की आशंका

कोलकाता की सरकारी बिल्डिंग में आग, 4 हजार ईवीएम जलीं

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल के कोलकाता में एक सरकारी बिल्डिंग में आग लगने से करीब 4 हजार ईवीएम जल गईं। ये मशीनें इसी साल हुए विधानसभा चुनाव में 10 सीटों पर इस्तेमाल की गई थीं। घटना के बाद टीएमसी ने चुनाव आयोग से सवाल किए हैं। वहीं, कांग्रेस और आप ने भी सरकार से जवाब मांगा है। पश्चिम बंगाल पुलिस ने जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम बनाई है।

बिल्डिंग में दक्षिण 24 परगना जिला परिषद समेत कई सरकारी दफ्तर हैं। आग पर पूरी तरह काबू पाने में करीब 24 घंटे लगे। पश्चिम बंगाल सरकार के मंत्री कौशिक चौधरी ने कहा कि आग सामान्य नहीं लगती। साजिस की आंशका खारिज नहीं की जा सकती है।

नौकरी छोड़ने का दबाव बनाने का आरोप

पुणे में टीसीएस कर्मचारी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

एजेंसी ▶▶ पुणे

टीसीएस के एक कर्मचारी ने आत्महत्या कर ली। सुसाइड नोट में उन्होंने दो महिला सहकर्मियों पर प्रताड़ित करने और नौकरी छोड़ने का दबाव बनाने का आरोप लगाया है। बेटे की शिकायत पर पुलिस ने दोनों महिलाओं समेत तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

मृतक की पहचान 48 साल के अमित ब्रह्मे के रूप में हुई है। वह टीसीएस के हिंजेवाड़ी ऑफिस में काम करते थे। 2 जून को उन्होंने मोसरी स्थित अपने घर में फांसी लगाकर जान दे

दी थी। पुलिस के मुताबिक, अमित ने सुसाइड नोट में सहकर्मी अर्चना और शाश्वती का नाम लिखा है। नोट में आरोप लगाया कि दोनों उन्हें बार-बार सहकर्मियों के सामने अपमानित करती थीं। पसंद के प्रोजेक्ट नहीं देती थीं। उनकी एक्सपर्टिज से बाहर के काम सौंपती थीं।

दीक्षांत समारोह में विक्रम मिसरी ने छात्रों को डिग्री प्रदान कर सम्मानित किया

12 देशों के 46 विद्यार्थियों ने आईआईटी मद्रास से ली डिग्री, अमेरिका-सोमालिया, सूडान के छात्र शामिल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

एक ओर जहां बड़ी संख्या में भारतीय छात्र उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाते हैं, वहीं अब वैश्विक स्तर पर भारतीय शिक्षा का मान बढ़ रहा है। नेपाल, अमेरिका, सोमालिया, अफगानिस्तान, सूडान, युगांडा, तंजानिया और कैमरून समेत 12 देशों के 46 छात्रों ने आईआईटी मद्रास से एमटेक, एमए और एमएससी की डिग्री हासिल कर भारतीय शिक्षा प्रणाली पर अपना भरोसा जताया है। आईआईटी मद्रास में आयोजित विशेष दीक्षांत समारोह में विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने इन छात्रों को डिग्री प्रदान कर सम्मानित किया। छात्रों के अभिभावक भी उपस्थित थे। विदेश सचिव ने तकनीक के बदलते स्वरूप पर जोर देते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस,सस्टेनेबल इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में बदलाव की गति अत्यंत तीव्र है।

उन्होंने बंगलूरू की तरह ही लागोस, अक्रा और काहिरा जैसे शहरों को उभरते हुए स्टार्टअप हब बताया। भारतीय उच्च शिक्षा की वैश्विक स्वीकार्यता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस सत्र में भारत के पहले विदेशी कैंपस आईआईटी जांजीबार से चार छात्र ग्रेजुएट हो रहे हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे समारोह की अध्यक्षता

हरियाणा की तन्नु समेत 231 फ्लाइट कैडेट आज वायुसेना की डिंडीगुल अकादमी से होंगे उत्तीर्ण

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय वायुसेना की हैदराबाद स्थित डिंडीगुल अकादमी में शनिवार (13 जून) को आयोजित किया जाने वाला कंबाइंड ग्रेजुएशन परेड (सीजीपी) समारोह बेहद खास होने वाला है। क्योंकि इसमें एक ओर हरियाणा के हिसार की रहने वाली तन्नु सहित कुल 231 युवा कैडेट अपनी स्नातक की डिग्री के साथ उत्तीर्ण होकर निकलेंगे। जबकि दूसरी ओर राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) खडकवासला से पिछले साल 2025 में पहले बैच से पास होकर निकली 5 लड़कियों को भी आधिकारिक रूप से वायुसेना में कमीशन किया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि इन पांच में से 2 लड़कियों को वायुसेना की फ्लाइंग ब्रांच और बाकी बची हुई 3 को लॉजिस्टिक और इंजीनियरिंग ब्रांच में कमीशन किया जाएगा।

हिसार की तन्नु का सफर

फ्लाइंग अधिकारी तन्नु हरियाणा के हिसार जिले के एक किसान परिवार में जन्मी हैं। जहां बच्चों के सपने खेत के मैदानों से बड़े नहीं होते या शायद उनसे कभी पार नहीं जाते हैं। ऐसे में उनकी दुनिया भी साधारण रही और एक्पोजर भी सीमित रहा। लेकिन वायुसेना अकादमी तक पहुंचने के पीछे तन्नु की माताजी श्रीमती मीनू का बेहद अहम योगदान रहा है। जो यह जानती थी कि शिक्षा ही एकमात्र ऐसा रास्ता है। जो उनकी बेटी के लिए एक अलग भविष्य के द्वार खोल सकता है।

भारत ने पहुंचाई तुरंत सहायता, भारत बना भरोसेमंद फर्स्ट रेस्पॉन्डर

> भारत ने अपने पड़ोसी देश को संकट से उबारने की फिर से एक बड़ी पहल की है। अरब सागर में स्थित आइलैंड देश को बड़ी संख्या में मीजल्स वैक्सीन और अन्य मेडिकल सामग्री की जरूरत पड़ी और भारत ने तुरंत यह सहायता पहुंचा दी

संकट के समय फिर मालदीव के साथ खड़ा हुआ भारत,गंभीर बीमारी से जूझ रहा है आइलैंड देश, कभी कहा था इंडिया आउट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत ने संकट के वक्त में अपने निकट पड़ोसी मालदीव की ओर फिर से मदद का हाथ बढ़ाया है। अरब सागर में स्थित यह आइलैंड देश अभी मीजल्स खसरा संक्रमण के संकट से जुझ रहा है, जिससे निपटने के लिए गुरुवार को भारत ने मीजल्स वैक्सीन की 20,000 डोज भेजी। भारत ने इसके अलावा माले की सरकार की सहायता के लिए अलग से तीन टन अतिरिक्त मेडिकल सप्लाई भी भेजी है। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार समय पर भेजी गई सहायता से मालदीव को खसरे के बढ़ते मामलों को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी।

भारत से घनिष्ठ समन्वय दर्शाता है: मालदीव के विदेश मंत्रालय ने भारत से समय पर पहुंची मदद की सोशल मीडिया के माध्यम से तुरंत ही सराहना की।

कभी चल चुका है इंडिया-आउट अभियान

यह वही मालदीव है, जहां पहले भारत-विरोधी अभियान भी चला था

- मालदीव के नेता मोहम्मद मुइज्जू ने चीन के प्रभाव में आकर इंडिया आउट अभियान चलाने से भी परहेज नहीं किया था।
- मुइज्जू से पहले मालदीव में भारत-विरोधी भावना का बीज पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन बोकर गए।
- लेकिन, इंडिया आउट अभियान के कुछ ही समय बाद जब आइलैंड देश के मीठे पानी वाला अकेला प्लांट बैठ गया तो भारत ने घंटों में द्वीप पीने का पानी पहुंचा दिया।
- यही नहीं, मौजूदा पश्चिम एशिया संकट में जब भी माले ने नई दिल्ली की ओर उम्मीद भरी नजरों से देखा है, तो भारत ने कभी मुंह नहीं फेरा है।
- भारत ने मालदीव को तेल और गैस की सप्लाई बनाए रखने में सहायता की हर संभव कोशिश की है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड़, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2026-28